सुविचार
पूर्णतया निंदित या पूर्णतया प्रशंसित पुरुष न था, न होगा, न आजकल है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज
Published from Ranchi

12
Vaani Kapoor Is Part Of...

Ranchi ● Monday, 06 May 2024 ● Year : 02 ● Issue : 107 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	73,878.15
निफ्टी	:	22,475.85

SARAFA

सोना	:	6,745
चांदी	:	86.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई सामने, शिवलिंग 8 फीट ऊंचा

29 जून से शुरू होगी 52 दिनों की अमरनाथ यात्रा, सभी सुविधाएं बहाल

AGENCY ANANTNAG : रविवार को कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। बर्फ का शिवलिंग करीब 8 फीट ऊंचा है। इस शिवलिंग के दर्शन-पूजन के लिए देशभर से लाखों श्रद्धालु अमरनाथ आते हैं। इस बार यात्रा 29 जून से शुरू होगी जो करीब 52 दिन चलेगी। 29 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं।

- यात्रा के लिए 15 अप्रैल से चल रहा है रजिस्ट्रेशन, मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया भी जारी
- 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय कर सकते हैं यात्रा

इन बातों का जरूर रखें ध्यान

यात्रा के दौरान मेडिकल सर्टिफिकेट, 4 पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, आरएफआईडी (आरएफआईडी) कार्ड, ट्रैवल एप्लिकेशन फॉर्म अपने साथ रखें। फिजिकल फिटनेस के लिहाज से हर रोज 4 से 5 किलोमीटर पैदल चलने की प्रैक्टिस करें। सांस वाला योग जैसे प्राणायाम और एक्सरसाइज करें। यात्रा में ऊनी कपड़े, रेनकोट, ट्रैकिंग स्टिक, पानी बॉटल और जरूरी दवाओं का बैग अपने साथ रखें।

6 लाख यात्रियों के आने की संभावना

पिछली बार करीब 4.50 लाख श्रद्धालु आए थे। इस बार 6 लाख यात्रियों के आने की संभावना है। यात्रा कम दिनों की है और भीड़ ज्यादा रहेगी, इसलिए इंतजाम भी ज्यादा किए जा रहे हैं। पूरे रूट पर खानपान, रुकने और हेल्थ चेकअप के लिए व्यवस्था होगी। ऑक्सीजन बूथ, आइसीयू बेड, एक्स रे, सोनोग्राफी मशीन और लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल की तैयारियां चल रही हैं। पहले पहलगाम से गुफा तक 46 किमी लंबा रास्ता 3 से 4 फीट और बालटाल वाला रूट 2 फीट चौड़ा था।

चारों धामों के कपाट खुलने के दिन श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से होगी वर्षा

DEHRADHUN : रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जानकारी दी कि चारों धामों के कपाट खुलने वाले दिन श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाएगी। बता दें कि 10 मई से चारधाम यात्रा शुरू हो रही है। इस दिन केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुलेंगे, जबकि इसके दो दिन बाद बदरीनाथ धाम के कपाट खोल दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री धामी ने बाबा केदारनाथ डोली यात्रा के साथ चलने वाले मुख्य सेवक भंडारा कार्यक्रम के 300 सेवादारों की टीम को दिल्ली स्थित उत्तराखंड सदन से डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल देहरादून से रवाना हुआ है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा की सभी तैयारियां 10 मई तक हर हाल में पूरी कर ली जाएं, जिससे वहां आने वाले श्रद्धालु अच्छा संदेश लेकर जाएं। इस बार भी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन धामों के कपाट खुलेंगे, उस दिन हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जाएगी।

- 300 सेवादारों की टीम को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

BRIEF NEWS

एक्सप्रेस-वे पर चकनाचूर हुई कार, 6 की मौत

NEW DELHI : दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह हुए कार एक्सीडेंट में 6 लोगों की मौत हो गई। सवाई माधोपुर जिले में हुए इस सड़क हादसे में 2 बच्चे भी घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार कार सवार परिवार सीकर के खंडेला से रणथंभौर त्रिनेत्र गणेश मंदिर जा रहा था। रविवार सुबह 8 बजे बौंली (सवाई माधोपुर) थाना क्षेत्र में बनास पुलिया के पास उनकी कार एक ट्रैक्टर से भिड़ गई। एएसपी दिनेश यादव ने बताया कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। शवों को बमुश्किल निकाला जा सका। हादसे में अनीता पत्नी मनीष शर्मा, संतोष पत्नी गजानंद शर्मा, कैलाश पुत्र रामअवतार शर्मा, पूनम पत्नी सतीश शर्मा, मनीष पुत्र रामावतार शर्मा व सतीश शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, एक्सीडेंट में घायल दो बच्चों को पहले बौंली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एडमिट कराया गया।

पहलवान बजरंग पूनिया को किया गया सस्पेंड

NEW DELHI : नेशनल एंटी-डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने पहलवान बजरंग पूनिया को अनिश्चितकाल के लिए सस्पेंड कर दिया है। बजरंग पूनिया ने डोप टेस्ट के लिए अपना सैंपल नहीं दिया था, जिसके बाद नाडा ने यह एक्शन लिया है। 10 मार्च को ओलिंपिक गेम्स में हिस्सा लेने के लिए हुए एशियन क्वालिफायर्स के नेशनल ट्रायल्स के दौरान नाडा ने बजरंग से सैंपल देने के लिए कहा था। लेकिन, बजरंग ने सैंपल देने से इनकार कर दिया। नाडा को विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) को बताना था कि एक एथलीट ने अपना सैंपल क्यों नहीं दिया। 23 अप्रैल को नाडा ने बजरंग को नोटिस दिया और 7 मई तक जवाब देने को कहा था। बजरंग ने अभी तक जवाब नहीं दिया है और इसलिए उन्हें निलंबित कर दिया गया है। बजरंग पूनिया ने पोस्ट करके इसका जवाब दिया। उन्होंने लिखा- मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को सैंपल देने से इनकार नहीं किया, उन्होंने पहले मेरा सैंपल लेने के लिए एक्सपायरी किट दी थी। एक्सपायरी किट देने वालों के खिलाफ उन्होंने क्या कदम उठाए। इसका जवाब दें और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए।

भाजपा नेताओं की हत्या की साजिश, एक गिरफ्तार

SURAT : भाजपा और हिंदू नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में शनिवार को सूरत से एक मौलवी मोहम्मद सोहेल उर्फ अबु-बकर तीमोल को गुजरात क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के निशाने पर भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा, तेलंगाना के भाजपा विधायक टी राजा सिंह, हिंदू सनातन संघ चेयरमैन उपदेश राणा और सुदर्शन टीवी के चीफ एडिटर सुरेश चव्हाणके थे। सूरत पुलिस के मुताबिक, 27 साल का मौलवी मोहम्मद सोहेल मदरसे का टीचर भी है। वो पिछले दो साल से पाकिस्तान के डोंगर और नेपाल के शहनाज के साथ वॉट्सएप के जरिए संपर्क में था। वॉट्सएप चैट में वे भारत में नबी की गुस्ताखी में दखल दिए जाने और ऐसे लोगों को सीधा करने की बात कर रहे हैं।

उत्तरप्रदेश की चुनावी सभा में पीएम का 'इंडी' गठबंधन पर अटैक

मैं धर्म के आधार पर कभी नहीं होने दूंगा आरक्षण : प्रधानमंत्री

AGENCY ETAWAH : रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के इटावा और सीतापुर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इटावा में प्रधानमंत्री ने गरजते हुए कहा कि मेरे जिंदा रहते देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं लागू हो सकता। पीएम ने कहा- शाही परिवार का वारिस ही मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री बने, यह कुप्रथा इस चायवाले ने तोड़ दी है। पांच साल पहले कांग्रेस का शाही परिवार चुनाव के समय मंदिर-मंदिर घूम रहा था। कांग्रेस के शहजादे ने कोट के ऊपर जनेऊ पहन लिया था। मगर, इस बार मंदिर के दर्शन बंद हैं। पीएम ने मंच से मुलायम सिंह को याद किया। साथ ही शिवपाल यादव की चुटकी भी ली। मुलायम सिंह के सगे भाई (शिवपाल यादव) भाजपा को जिताने की अपील कर रहे हैं। उनके दिल की बात जुबान पर आ ही गई। सीतापुर में पीएम ने कहा- मोदी जब तक जिंदा है। एसटी-एससी और ओबीसी को आरक्षण को खत्म नहीं होने देगा। मैं छोटी काशी की इस धरती से सवाल उठा रहा हूं कि क्या सत्ता में आए तो राम मंदिर को भी अस्पताल बना दोगे। क्या काशी विश्वनाथ पर भी बुलडोजर चलाओगे। मोदी बड़े सपने लेकर चलता है। अब तक जो हुआ है, वह ट्रेलर है। अभी विकास की असली तस्वीर आनी बाकी है।

लोगों का अभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व साथ में पार्टी के अन्य नेता।

गरीब के बच्चों को भूखे नहीं सोने देगा मोदी

पीएम ने कहा मोदी गरीब के बच्चों को भूखा नहीं सोने देगा। वे कह रहे हैं कि मोदी मुफ्त राशन दे रहा है। गरीबों के घर का चूल्हा जलता रहे। मोदी की गारंटी है ये योजना जारी रहेगी। गरीब का बच्चा भूखा नहीं सोना चाहिए। यह कहते हैं कि हम इस योजना को भी खत्म कर देंगे। मोदी ने जो ट्रेन शुरू की है। उसको भी बंद कर देंगे। आज मैं सपा कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले कहते हैं कि धारा-370 को वापस लाएंगे। ये लोगों ने अंबेडकर का ऐसा अपमान किया है। बाबा साहब ने संविधान पूरे हिंदुस्तान के लिए बनाया था। लेकिन, कांग्रेस ने पूरे देश में संविधान लागू नहीं किया। मोदी ने कहा कि कांग्रेस-सपा की नजर आपके मकान, घर में रखे जेवर पर है। इन्होंने कहा है कि आपके पास जो है उसका एक्सरे निकालेंगे। मैंने कांग्रेस का एक्सरे निकाल दिया है।

खुलेआम खेल रहे तुष्टीकरण का खेल

मोदी ने कहा, अब मुस्लिम समाज भी इन वोट बैंक के ठेकेदारों से छिटक रहा है। इसलिए मुस्लिम वोट बैंक को बचाने के लिए ये लोग खुलेआम तुष्टीकरण कर रहे हैं। इन्होंने अपना घोषणा पत्र मुस्लिम लीग की छाप वाला बना डाला है। हमारे संविधान निमाताओं ने खुद नेहरू जी ने 75 साल पहले संविधान बन रहा था, तो साफ-साफ कहा था कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। लेकिन, वे धर्म के आधार पर आरक्षण दे रहे हैं। वह देश को बेचने के लिए जमीन तैयार की है। 2014 के पहले आपने कांग्रेस का काम देखा है। याद कीजिए, उन्होंने देश और प्रदेश का क्या हाल कर रखा था।

बीजेपी पर बरसे मुख्यमंत्री, पूछा- सीमा को सील क्यों नहीं किया जाता

बॉर्डर पर चौकीदारी का जिम्मा किसका : चम्पाई

PHOTON NEWS RANCHI : सीएम चम्पाई सोरेन ने एक बार फिर से बीजेपी पर निशाना साधा है। झारखंड में घुसपैठिए के मामले में कहा कि झारखंड सरकार को अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर पर चौकीदारी का जिम्मा कब मिला। यह गलती किसकी है। सीमा को सील क्यों नहीं किया जाता। उल्टे बीजेपी आरोप लगाती है कि यहां की डेमोग्राफी बदल रही है। बीजेपी ही बताए गलती किसकी है। भाजपा के एजेंडे से महंगाई, बेरोजगारी और युवाओं की बदहाली जैसे मुद्दे गायब हैं। ये बातें सीएम ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है। सीएम ने नसीहत देते हुए कहा कि जुमलों से बचिए। वैसे लोगों को अपना सांसद चुनिए, जो आपके मुद्दों को देश की सबसे बड़ी पंचायत में उठा सकें। झारखंड के अधिकतर सांसदों द्वारा जिस प्रकार राज्य की जनता की मांगों व अपेक्षाओं को लगातार नकारा गया है, जिस तरह से उन्हें महंगाई, 1932 के खतियान आधारित स्थानीय नीति, ओबीसी आरक्षण, सरना-आदिवासी धर्म कोड समेत अन्य मुद्दों पर जुमले सुनाये गए हैं, उसका जवाब जनता देगी।

नागरिकता देना भी केंद्र के अधिकार क्षेत्र में

सीएम ने कहा कि झारखंड में राशन कार्ड तक आधार संख्या के बिना नहीं बनते। जब आधार कार्ड बनाने वाली एजेंसी केंद्र सरकार के अधीन काम करती है, नागरिकता देना भी केंद्र के अधिकार क्षेत्र आता है, तो फिर इस प्रक्रिया में होने वाली गड़बड़ी के लिए कौन जिम्मेदार है। सीएम ने कहा कि इतिहास में पहली बार इतनी गरीबी देखी है। भाजपा सरकार के राज में एलपीजी सिलेंडर की कीमतें 400 रुपए से बढ़ कर 1100 रुपए हो गईं। राशन से लेकर सब्जी-भाजी और तेल- मसालों का हाल भी लोगों के सामने है। ऐसे हालात बन गए हैं कि देश के इतिहास में पहली बार 80 करोड़ लोगों को पांच किलो अनाज देना पड़ रहा है।

राहुल कल चाईबासा और बसिया में करेंगे चुनावी सभा

RANCHI : कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं स्टार प्रचारक राहुल गांधी सात मई को एक दिवसीय दौरे पर झारखंड आएंगे। वे अपने दौरे पर सबसे पहले टाटा कॉलेज चाईबासा में झामुमो उम्मीदवार जोबा मांझी के समर्थन में सुबह 11:30 बजे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद राहुल गांधी गुमला जिले के बसिया के कोनवीर में कांग्रेस प्रत्याशी सुखदेव भगत के समर्थन में दिन के 2 बजे चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सोनल शांति ने एआईसीसी से एप्रुव कार्यक्रम को जारी करते हुए दी। शांति ने बताया कि राहुल गांधी के दौरे को लेकर संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है।

आज से बदलेगा मौसम का मिजाज, पड़ेंगे ओले गर्मी से मिलेगी राहत

तपिश से बचने का प्रयास करतीं युवतियां।

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने छह और सात मई को आंधी के साथ वज्रपात होने की संभावना जताई है। सात मई को ओले पड़ने की संभावना जताई गई है। रामगढ़, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, देवघर जिले में कहीं-कहीं ओला पड़ने की आशंका है। विभाग के अनुसार अगले दो से तीन दिनों में तापमान में धीरे-धीरे 4 से 6 डिग्री की गिरावट हो सकती है। छह मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भाग में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसका प्रभाव देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिलों में पड़ने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार सात से नौ मई को कई स्थानों पर गर्जन के साथ हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। हवा की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा होने की संभावना है। राज्य में कुछ स्थानों पर 10 मई को भी बारिश होगी। 11 मई को राज्य में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। 6 मई को राज्य के उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं गर्जन और तेज हवा का झोंका चलने के साथ वज्रपात होने की आशंका है। हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की संभावना है। इसका असर देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिलों में देखने को मिल सकता है। राजधानी रांची में 5 और 6 मई को अधिकतम तापमान 39 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहेगा। वहीं 7 से मई को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहने की संभावना है। 8 और 9 मई को 34 और 23 डिग्री रहने की संभावना है। 7, 8 और 9 मई को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश और बादल छाये रहने की संभावना है।

- 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलेगी हवा
- अगले दो-तीन दिनों में 4 से 6 डिग्री तक तापमान में हो सकती है गिरावट
- सात से नौ मई को भी गर्जन के साथ बारिश

दमकल की 6 गाड़ियों ने पाया काबू

बीएसएनएल ऑफिस के स्टोर रूम में लगी आग

धधकती आग के साथ उठता धुआं

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची के जुमार पुल के समीप स्थित बीएसएनएल ऑफिस (ट्रेनिंग सेंटर) के स्टोर रूम में रविवार को आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही दमकलकर्मी भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में जुटे। छह दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में जुटी। आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जतायी जा रही है। बीएसएनएल ऑफिस के स्टोर रूम में आग लगने की खबर जैसे ही अग्निशमन विभाग को मिली, वैसे ही दमकलकर्मी मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पाने में जुट गए।

सीआईएससीई आज जारी करेगा 10वीं व 12वीं का रिजल्ट

NEW DELHI : काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) द्वारा सोमवार सुबह 11 बजे आईसीएसई कक्षा 10वीं और आईएससी कक्षा 12वीं रिजल्ट जारी किए जाएंगे। एक बार रिजल्ट जारी होने के बाद, छात्र अपने स्कोरकार्ड सीआईएससीई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकेंगे। आधिकारिक वेबसाइट्स के अलावा, आईसीएसई और आईएससी के लिए सीआईएससीई स्कोरकार्ड डिजिलॉकर पर भी उपलब्ध होंगे। अपने आधिकारिक अकाउंट पर डिजिलॉकर ने पोस्ट करते हुए कहा, सीआईएससीई बोर्ड आईसीएसई (कक्षा 10वीं) और आईएससी (कक्षा 12वीं) के रिजल्ट जल्द जारी किए जाएंगे। आपको बता दें, 26 मार्च को प्रश्न पत्र का पैकेट खो जाने के कारण सीआईएससीई को कक्षा 12वीं की साइकोलॉजी विषय की परीक्षा को स्थगित कर दिया था।

वायु सेना ने कॉर्पोरल विक्की पहाड़े की शहादत को किया सलाम, जताई संवेदना

एयर फोर्स के काफिले पर आतंकी अटैक के बाद बढ़ी चौकसी

AGENCY NEW DELHI : जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में शनिवार को इंडियन एयर फोर्स के काफिले पर आतंकी हमले के बाद रविवार को चौकसी बढ़ा दी गई है। सुरक्षाकर्मियों ने बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया है। वायु सेना ने आतंकी हमले में वायु सेना कर्मी कॉर्पोरल विक्की पहाड़े के बलिदान को सलाम करते हुए रविवार को गहरी संवेदना व्यक्त की है। चार अन्य घायल वायु सेना कर्मियों का इलाज उधमपुर के कमांड अस्पताल में चल रहा है। वायु सेना की ओर से रविवार को एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी और भारतीय वायु सेना के सभी कर्मियों ने कॉर्पोरल पहाड़े को उनकी बहादुरी और सर्वोच्च बलिदान के लिए सलाम करते हुए गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं और हम दुख की इस घड़ी में आपके साथ मजबूती से खड़े हैं।

काफिले की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

एक बयान में कहा गया है कि काफिले की सुरक्षा से अब कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सैन्य और जांच इकाइयां हमले की बारीकियों को निर्धारित करने और सैन्यकर्मियों एवं स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच कर रही है। काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले के पीछे के आतंकवादियों का पता लगाने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय वायु सेना के वाहनों को शाहसितार के पास सामान्य क्षेत्र में हवाई अड्डे के अंदर सुरक्षित कर दिया गया है।

आर्मी व खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने घटनास्थल पर जाकर ली जानकारी

शनिवार को पुंछ जिले में भारतीय वायु सेना के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले के बाद नाकाबंदी के दौरान रविवार को कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। जम्मू के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आनंद जैन और सेना तथा खुफिया एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरनकोट इलाके में हमले वाली जगह का दौरा किया। इस इलाके की हेलीकॉप्टर से हवाई निगरानी भी की गई है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की तलाश के लिए शाहसितार, गुरसाई, सनाई और शींदरा टॉप समेत कई इलाकों में सेना और पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया है, क्योंकि हमले के बाद आतंकी जंगल में भाग गए। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने इस हमले में एके असॉल्ट राइफलों के अलावा अमेरिका में बनी एम4 कार्बाइन और स्टील की गोलियों का भी इस्तेमाल किया।

- नाकाबंदी के दौरान कई लोगों को हिरासत में लेकर की जा रही पूछताछ
- सर्च ऑपरेशन में सेना के पारा कमांडो की टीमों को भी लगाया गया

विश्व के पालनहार माने जाते हैं भगवान विष्णु

भगवान विष्णु परमेश्वर के तीन मुख्य रूपों में से एक हैं। विष्णु को विश्व का पालनहार माना जाता है। वे अपने चार हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, गदा और पद्म धारण करते हैं। भगवान विष्णु अत्यंत दयालु हैं। उनकी शरण में जाने पर कल्याण हो जाता है। जो भक्त भगवान विष्णु के नामों का कीर्तन, स्मरण, उनके अर्चाविग्रह का दर्शन, वंदन, गुणों का श्रवण और उनका पूजन करता है, उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। भगवान विष्णु के दस अवतार माने जाते हैं। यह हैं– मत्स्य अवतार, वराह अवतार, कूर्म अवतार, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, परशुराम अवतार, राम अवतार, कृष्ण अवतार, बुद्ध अवतार और कल्कि अवतार। इनमें कल्कि अवतार के बारे में कहा जाता है कि यह अवतार अभी होना है।

भगवान विष्णु के 39 नाम माने जाते हैं जो इस प्रकार हैं– विष्णु, नारायण, कृष्ण, बैकुण्ठ, विष्टरश्रवस, दामोदर, हृषीकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुड़ध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शांगी, विष्वक्सेन, जनार्दन, उपेन्द्र, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पद्मनाभ, मधुरिपु, वासुदेव, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमाली, बलिध्वंसी, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु और श्रवस्तलाञ्छन। भगवान विष्णु के शंख का नाम पाञ्चजन्य तथा चक्र का नाम सुदर्शन, गदा का नाम कौमोदकी खड्ग का नाम नन्दक और मणि का नाम कौस्तुभ है।

विष्णुधर्मोत्तर पुराण में वर्णन मिलता है कि लवणसमुद्र के मध्य में विष्णुलोक अपने ही प्रकाश से प्रकाशित हैं। उसमें भगवान श्रीविष्णु वर्षा ऋतु के चार मासों में लक्ष्मी द्वारा सेवित होकर शेष शय्या पर शयन करते हैं। बैकुण्ठ धाम के अन्तर्गत अयोध्या पुरी में एक दिव्य मण्डप है। मण्डप के मध्य भाग में रमणीय सिंहासन है। वेदमय धर्मादि देवता उस सिंहासन को नित्य घेरे रहते हैं।

धर्म, ज्ञान, ऐश्वर्य, वैराग्य सभी वहां उपस्थित रहते हैं। मण्डप के मध्य भाग में अग्नि, सूर्य और चंद्रमा रहते हैं।

कूर्म, नागराज तथा संपूर्ण वेद वहां पीठ रूप धारण करके उपस्थित रहते हैं। सिंहासन के मध्य में अष्टदल कमल है, जिस पर देवताओं के स्वामी परम पुरुष भगवान श्रीविष्णु लक्ष्मी के साथ विराजमान रहते हैं। भक्त वत्सल भगवान श्रीविष्णु की प्रसन्नता के लिए जप का प्रमुख मंत्र– ओम नमो नारायणाय तथा ओम नमो भगवते वासुदेवाय है।

पुराणों में विष्णु, शिव और ब्रह्मा को एक माना गया है। ये त्रिदेव सृष्टी के जनक हैं, पालनहार हैं, और संहारकर्ता हैं। विभिन्न पुराणों में दिये गये कथानकों के माध्यम से त्रिमूर्ति की शक्ति के बारे में पता चलता है। मत्स्यावतार में प्रलय काल के उपरान्त जीव की उत्पत्ति और बचाव का कथानक, कूर्मावतार में डोलती पृथ्वी को विशाल कछुए की पीठ पर धारण करने का कथानक, नृसिंहावतार में भक्त प्रह्लाद के पिता दैत्यराज हिरण्यकशिपु के वध का कथानक, वामनावतार में दैत्यराज बलि के गर्व हरण तथा तीनों लोकों को भगवान द्वारा तीन पगों में नापने का कथानक है, परशुरामावतार में क्षत्रियों के गर्व हरण का कथानक, रामावतार में राक्षस राज रावण के अहंकार को नष्ट कर उसके वध का कथानक, कृष्णावतार में कंस वध और महाभारत युद्ध में कौरवों के विनाश का कथानक और बुद्धावतार में जीव हत्या में लिप्त संसार के दुखीजन को अहिंसा का महान संदेश देने का कथानक समाज को सही राह तो दिखाते ही हैं साथ ही ईश्वर की परम शक्ति का अहसास भी कराते हैं।

मनोकामनाएं पूर्ण करेंगे श्री गणेश के सिद्ध मंत्र

श्री गणेश शक्ति और शिवतत्व का साकार स्वरूप है। इन दोनों तत्वों का सुखद स्वरूप ही किसी कार्य में पूर्णता ला सकता है। बुधवार को गणपति जी की विशेष पूजा अर्चना करने से आप के जीवन में आए हुए सभी प्रकार के दुख दर्द का नाश होता है, मान-प्रतिष्ठा बढ़ती है, आयुष्य और बल में वृद्धि होती है और सर्वत्र आप की कीर्ति फैलती है। श्री गणेश अपने भक्तों के समस्त विघ्नों को दूर करने के लिए विघ्नों के मार्ग में विकट स्वरूप धारण करके खड़े हो जाते हैं।

किसी भी शुभ कार्य के आरम्भ में भगवान् श्री गणेश की पूजा-अर्चना करने का विधान है। कहते हैं कि महादेव पुत्र श्री गणेश के नाम का शुद्ध चित्त भाव से चिंतन करने तथा उनकी श्रद्धा भाव से आराधना करते रहने से जीवन के कष्ट और दुर्भाग्य दूर होते हैं।

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

श्री गणेश का मन्त्र जप करने से मन में सदविचार और सकारात्मक भाव आने लगते हैं। जिन मनुष्यों का आत्म विश्वास कमजोर होता है उनमें भी श्री गणेश की आराधना से विश्वास की भावना मजबूत होने लगती है। श्री गणेश मंत्र जप के लिए श्री गणेश जी की प्रतिमा को पीत वस्त्र से ढंकी चौकी पर स्थापित करके सिंदूर, अक्षत, जनेऊ, बूंदी या बेसन का लड्डू, मिठाई आदि समर्पित करते हुए पूर्ण श्रद्धा भाव से श्री गणेश का पूजन करना चाहिए।

श्री गणेश जी से अपने द्वारा किए हुए गलत कार्यों को क्षमा करने की प्रार्थना करते हुए सुख, समृद्धि, सौभाग्य एवं शांति की कामना करनी चाहिए। शीघ्र फल प्राप्ति के लिए प्रत्येक बुधवार अथवा माह की चतुर्थी तिथि को उपवास रखते हुए पूर्ण विश्वास और शुद्ध आचरण के साथ श्री गणेश का पूजन एवं उपासना करनी चाहिए।

पूजन विधि- सुबह नित्य कर्मों से निवृत्त होकर भगवान श्री गणेश का पंचोपचार पूजन करें। उन्हें दुर्वा व फूल चढ़ाएं। लड्डू का भोग लगाएं और इस मंत्र का जप पन्ने की माला से करें।

मंत्र- नमस्तस्मै गणेशाय ब्रहविद्यारदायिने। यस्यागस्त्यायते नाम विघ्वसागरशोषणे।।...

बिगड़े काम बनाने के लिए बुधवार को गणेश मंत्र का स्मरण करें-

त्रयीमयायाखिलबुद्धिदात्रे बुद्धिप्रदीपाय सुराधिपाय। नित्याय सत्याय च नित्यबुद्धि नित्यं निरीहाय नमोस्तु नित्यम।

अर्थात भगवान गणेश आप सभी बुद्धियों को देने वाले, बुद्धि को जगाने वाले और देवताओं के भी ईश्वर हैं। आप ही सत्य और नित्य बोधस्वरूप हैं। आपको मैं सदा नमन करता हूं।

पिता के अनन्य भक्त थे
भगवान परशुराम

भगवान विष्णु के पांचवें अवतार भगवान परशुराम का जन्म वैशाख मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया को प्रदोषकाल के समय हुआ था। पौरागिक ग्रंथों में बताया गया है कि पिता जमदग्नि और माता रेणुका ने तो अपने पांचवें पुत्र का नाम राम ही रखा था, लेकिन तपस्या के बल पर भगवान शिव को प्रसन्न करके उनके दिव्य अस्त्र परशु प्राप्त करने के कारण वे राम से परशुराम हो गए। भगवान परशुराम भगवान विष्णु के अवतार होने के साथ ही ब्राम्ह्ण जाति के कुल गुरु भी हैं इसलिए इनकी जयंती देशभर में बड़े धूमधाम से मनाई जाती है।

भगवान परशुराम अपने पिता के अनन्य भक्त थे, पिता की आज्ञा से इन्होंने अपनी माता का सिर काट डाला था, लेकिन पुनः पिता के आशीर्वाद से इनकी माता की स्थिति यथावत हो गई। दरअसल कथाओं के अनुसार हुआ यह था कि एक बार माता रेणुका स्नान के लिए नदी किनारे गईं, संयोग से वहीं पर राजा चित्ररथ भी स्नान करने आया था, राजा चित्ररथ सुंदर और आकर्षक था। राजा को देखकर रेणुका भी आसक्त हो गईं, किंतु ऋषि जमदग्नि ने अपने योगबल से अपनी पत्नी के इस आचरण को जान लिया। उन्होंने आवेशित होकर अपने पांचों पुत्रों को अपनी मां का सिर काटने का आदेश दिया। किंतु परशुराम को छोड़कर सभी पुत्रों ने मां के स्नेह के बंधकर वध करने से इंकार कर दिया, लेकिन परशुराम ने पिता के आदेश पर अपनी मां का सिर काटकर अलग कर दिया। क्रोधित ऋषि जमदग्नि ने आज्ञा का पालन न करने पर परशुराम को छोड़कर सभी पुत्रों को चेतनाशून्य हो जाने का शाप दे दिया, वहीं परशुराम को खुश होकर वर मांगने को कहा। तब परशुराम ने पूर्ण बुद्धिमत्ता के साथ वर मांगा। जिसमें उन्होंने तीन वरदान मांगे- पहला, अपनी माता को फिर से जीवन देने और माता को मृत्यु की पूरी घटना याद न रहने का वर मांगा। दूसरा, अपने चारों चेतनाशून्य भाइयों की चेतना फिर से लौटाने का वरदान मांगा। तीसरा वरदान स्वयं के लिए मांगा जिसके अनुसार उनकी किसी भी शत्रु से या युद्ध में पराजय न हो और उनको लंबी आयु प्राप्त हो।

श्रीजमदग्नि जी के आश्रम में एक कामधेनु गौ थी, जिसकी अलौकिक ऐश्वर्य शक्ति को देखकर कार्तवीर्यार्जुन उसे प्राप्त करने के लिए दुराग्रह करने लगा था। अंत में उसने गौ को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग किया और उसे माहिष्मती ले आया। किंतु जब परशुराम जी को यह बात विदित हुई तो उन्होंने कार्तवीर्यार्जुन तथा उसकी सारी सेना का विनाश कर डाला। जिस पर पिता ने परशुराम जी के इस चक्रवर्ती सम्राट के वध को ब्रम्ह् हत्या के समान बताते हुए उन्हें तीर्थ सेवन की आज्ञा दी। वे तीर्थ यात्रा पर चले गये, वापस आने पर माता-पिता ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

दूसरी ओर सहस्त्रार्जुन के वध से उसके पुत्रों के मन में प्रतिशोध की आग जल रही थी। एक दिन अवसर पाकर उन्होंने छद्म वेष में आश्रम आकर जमदग्नि का सिर काट डाला और उसे लेकर भाग निकले। जब परशुराम जी को यह समाचार ज्ञात हुआ तो वे अत्यन्त क्रोधावेश में आग बबूला हो उठे और पृथ्वी को क्षत्रिय हीन कर देने की प्रतिज्ञा कर ली तथा 21 बार घूम-घूमकर पृथ्वी को निःक्षत्रिय कर दिया। फिर पिता के सिर को धड़ से जोड़कर कुरुक्षेत्र में अन्त्येष्टि संस्कार किया। पितृगणों ने इन्हें आशीर्वाद दिया और उन्हीं की आज्ञा से इन्होंने सम्पूर्ण पृथ्वी प्रजापति कश्यपजी को दान में दे दी और महेन्द्राचल पर तपस्या करने चले गये।

सीता स्वयंवर में श्रीराम द्वारा शिव-धनुष भंग किये जाने पर वह महेन्द्राचल से शीघ्रतापूर्वक जनकपुर पहुंचे, किंतु इनका तेज श्रीराम में प्रविष्ट हो गया और ये अपना वैष्णव धनु उन्हें देकर पुनरू तपस्या के लिए महेन्द्राचल वापस लौट गये। मान्यताओं के अनुसार, भगवान परशुराम के क्रोध का सामना गणेश जी को भी करना पड़ा था। दरअसल उन्होंने परशुराम जी को शिव दर्शन से रोक दिया था। क्रोधित परशुराम जी ने उन पर परशु से प्रहार किया तो उनका एक दांत नष्ट हो गया। इसी के बाद से गणेश जी एकदंत कहलाये।

भगवान परशुराम चिरजीवी हैं। ये अपने साधकों-उपासकों तथा अधिकारी महापुरुषों को दर्शन देते हैं। इनकी साधना-उपासना से भक्तों का कल्याण होता है। पौराणिक मान्यता है कि वे आज भी मन्दराचल पर्वत पर तपस्यारत हैं। ऋषि संतान परशुराम ने अपनी प्रभुता व श्रेष्ठवीरता की आर्य संस्कृति पर अमिट छाप छोड़ी। शैव दर्शन में उनका अद्भुत उल्लेख है जो सभी शैव सम्प्रदाय के साधकों में स्तुत्य व परम स्मरणीय है। देश में अनेक स्थानों पर भगवान जमदग्नि जी के तपस्या स्थल एवं आश्रम हैं, माता रेणुका जी के अनेक क्षत्र हैं, प्रायरू रेणुका माता के मंदिर में अथवा स्वतंत्र रूप से परशुराम जी के अनेक मंदिर भारत भर में हैं, जहां उनकी शांत, मनोरम तथा उग्र रूप मूर्ति के दर्शन होते हैं।

परशुराम दरअसल राम के रूप में सत्य के संस्करण हैं, इसलिए नैतिक-युक्ति का अवतरण हैं। भगवान परशुराम को उनके हठी स्वभाव, क्रोध और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने अपने जीवन के लिए अपने ही नियम बना रखे थे। परशुराम जयंती के शुभ दिन उनके चरित्र का स्मरण और अनुसरण कर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है। भगवान शिव, परशुराम जी के गुरु हैं। वह तेजस्वी, ओजस्वी, वर्चस्वी महापुरूष हैं।

वास्तु
घर की सुरक्षा और अनेक बाधाओं को दूर करने के उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का मुख्य दरवाजा कैसा हो जिससे घर में सुख, शांति एवं समृद्धि की वृद्धि होती रहे, इसका ज्ञान अवश्य होना चाहिए। थोड़ी–सी अज्ञानता के कारण वास्तुदोष उत्पन्न हो जाते हैं और घर में कलह, अशांति आदि की वृद्धि होने लगती है। ऐसा न हो, इसकी जानकारी यहां प्रस्तुत की जा रही है :–

1 पेड़ जहां भी लगे होते हैं, वहीं पर छाया एवं ठंडक रहती है। पेड़ अगर फलदार होता है तो और भी अच्छा है, किन्तु वास्तुशास्त्र के अनुसार घर के मुख्यद्वार के सामने वृक्ष होना अशुभ माना जाता है। वृक्ष होने के कारण गृहस्वामी अधिकतर बीमार रह सकता है तथा उस पर एक न एक मुसीबतें आती ही रहती हैं। इसके अलावा कोर्ट केस पुलिस

केस सहित अन्य मुसीबतें भी आ सकती हैं।

2 फेंग-शुई के अनुसार गृहस्वामी एवं परिवार के सदस्यों पर मुख्य द्वार पर पेड़ होने के कारण अनेकानेक मुसीबतें आती ही रहती हैं। अगर पेड़ हो ही और काटना असंभव हो तो मुख्य द्वार के ऊपर बाहर की ओर अष्ट कोणीय दर्पण (आईना) लगा देने से नकारात्मक ऊर्जा परावर्तित होकर वापस बाहर की ओर चली जाती है। इससे मुख्य द्वार का दोष समाप्त होकर घर में सुख-शांति की वृद्धि होने लगती है।

3 घर के दरवाजे के पास पानी होना बहुत ही मंगलकारी माना जाता है। उत्तर, पूर्व तथा दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर अगर घर का मुख्य द्वार है और वहां पानी हो तो अत्यंत शुभकारक होता है। दरवाजे के पास एक पानी का पात्र सावधानी से रख देना हितकारी है।

4 पानी से भरे हुए पात्र को दरवाजे के पास केवल बाईं ओर ही रखें ताकि जब आप घर में खड़े हों और बाहर की ओर देख रहे हों तो वह जल पात्र आपके बाईं ओर ही रहे। दरवाजे के दाईं ओर पानी नहीं रखना चाहिए। इसका परिणाम यह होता है कि गृह स्वामी किसी अन्य महिला के प्रति आकर्षित हो सकता है।

5 दिनांक एवं वार आदि के साथ-साथ व्रत-त्यौहार आदि देखने के लिए कैलेंडर का उपयोग हर घर में किया जाता है। कैलेंडर को किसी भी दरवाजे के आगे या पीछे की ओर अथवा दरवाजे के मार्ग में कभी भी नहीं लटकाना चाहिए। फेंगशुई के अनुसार दरवाजे के ऊपर कैलेंडर लटकाने से घर के सदस्यों की आयु क्षीण होती है। मुख्य द्वार के ऊपर कैलेंडर लटकाना विशेष रूप से हानिकारक एवं दोषपूर्ण माना जाता है। प्रतीकात्मक रूप से इसका अर्थ यह होता है कि आपकी जिन्दगी के कितने दिन शेष बचे हैं? कैलेंडर को किसी अन्य जगह पर लगा कर इस दोष को सुधारा जा सकता है।

6 मकान में प्रतिवर्ष कुछ न कुछ मुरम्मत, रंग-रोगन, सफाई इत्यादि का कार्य करवाना ही होता है। अगर मकान का मुख्य द्वार अन्य निर्माण कार्य के कारण अवरुद्ध हो रहा हो तो यह फेंग-शुई के अनुसार खराब माना जाता है। इसके कारण गृह स्वामी को हृदयाघात तक हो सकता है। किसी भी कारण से मुख्य द्वार के सामने बांस-बल्ली न गाड़ कर थोड़ा हट कर ही गाडऩा चाहिए। अगर ऐसा करना अत्यंत ही आवश्यक हो तो द्वार के चौखट के पास सात सिक्कों को गाड़ देना चाहिए। इससे दोष मिट जाता है।

7 घर के मुख्य द्वार के सामने से सीढ़ी या लिफ्ट को नहीं लगाना चाहिए। लिफ्ट का दरवाजा बार-बार खुलता एवं

बंद होता रहता है। इसके प्रभाव से गृह स्वामी के भाग्य एवं भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अगर ऐसा है तो मुख्य द्वार पर बाहर की ओर से अष्टकोणीय दर्पण लगवा दें। इसके अलावा मुख्य द्वार की दहलीज को भी थोड़ा ऊंचा कर देना चाहिए।

8 मुख्य द्वार के ठीक सामने गाय, बैल, भैंस, कुत्ता आदि किसी भी पालतू पशु को नहीं बांधना चाहिए। ऐसा होने पर घर के अंदर शुभ स्थितियों का प्रवेश बंद हो जाता है। मुख्य द्वार के सामने पशुओं के बंधे रहने से घर की स्त्रियों पर कुप्रभाव पडऩे लगता है। फेंग-शुई के अनुसार घर के मुख्य द्वार के सामने तोता या अन्य पिंजरा रखना भी हितकारी नहीं माना जाता है। पिंजरे को मुख्य द्वार से कुछ हटा कर रखना चाहिए।

9 घर के प्रवेश द्वार के ऊपर ऐसे स्थान पर गणपति का चित्र लगाना चाहिए जिससे द्वार से निकलते समय गणपति सम्मुख सामने हों। द्वार के बाहर दोनों ओर स्वस्तिक का चिन्ह लाल रंग से बना देना शुभ होता है तथा बाधाएं घर के अंदर प्रवेश नहीं कर पातीं।

इस प्रकार कुछ विधियों को अपना कर घर की सुरक्षा की जा सकती है और अनेक बाधाओं से दूर रहा जा सकता है।

BRIEF NEWS

जेके ग्रुप ऑफ कंपनी उठाएगी जीनत परवीन की पढ़ाई का खर्च

KANKE : झारखंड एकेडमिक काउंसिल 12वीं कला संकाय की झारखंड टॉपर जीनत परवीन की पढ़ाई लिखाई का सारा खर्च जेके ग्रुप ऑफ कंपनी करेगी। रविवार को जेके ग्रुप ऑफ कंपनी के सीइओ सह आजसु नेता जितेंद्र सिंह ने यह घोषणा जीनत परवीन के घर पर जाकर किया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि झारखंड टॉपर जीनत परवीन अपने गांव का ही नहीं बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन की है। इसीलिए जीनत परवीन के मां-बाप एक नहीं सैकड़ो है। जीनत ने हम लोगों की मान बधाई है। आज कंपनी के तरफ से मैं जीनत परवीन को गोद ले रहा हूं। आज से इसका पढ़ाई लिखाई या आईएएस ऑफिसर बनना चाहती है सारा खर्च जीके ग्रुप ऑफ कंपनी करेगी। मौके पर आजसु के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत, डॉ अशोक नाग, जिला अध्यक्ष संजय महतो, जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी, जिला उपाध्यक्ष मजीबुल अंसारी, जिला प्रवक्ता सूरज मिश्रा, प्रखंड अध्यक्ष अमन शाहदेव सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

कार्ल मार्क्स के विचार आज भी हैं प्रासंगिक: अजय सिंह

RANCHI : सीपीआई के राज्य कार्यालय के सभागार में रविवार को कार्ल मार्क्स की 206वीं जयंती मनाई गई। राज्य कार्यकारणी सह रांची जिला सचिव अजय सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में कार्ल मार्क्स की लिखी और कही बातें सत्य साबित हो रही हैं। पूंजीवादी व्यवस्था आम जनों का खून चूस रही है। वर्तमान की सरकार 80 फीसदी आबादी की बात न कर चंद पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बनी हुई है। आवश्यक खाद्य और जरूरत मंद चीजें जो प्रतिदिन के इस्तेमाल में आती है, जो कभी भी टैक्स के दायरे में नहीं आती थी। सरकार ने उन सभी चीजों पर टैक्स लगा दिया है।

राजद ने सुबोधकांत को सौंपी प्रखंड पदाधिकारियों की सूची

RANCHI : रांची जिला राजद अध्यक्ष धर्मेंद्र महतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से मुलाकात की। उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले जिले के सभी 9 प्रखंडों के राजद पदाधिकारियों की सूची उन्हें सौंपी। सूची में सभी पदधारियों का नाम, पता और मोबाइल नंबर दिये गये हैं, ताकि लोकसभा चुनाव में गठबंधन की कांग्रेसी प्रत्याशी यशस्विनी सहाय के समर्थन में हर संभव मदद पहुंचाई जा सके। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने रांची जिला राजद के सभी प्रखंड अध्यक्षों व कार्यकताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए युद्ध स्तर पर जुट जाने का निर्देश दिया।

रविवार को भी खुले रांची डाक मंडल के पोस्ट ऑफिस

RANCHI : लोकसभा चुनाव के महापर्व को देखते रांची डाक मंडल के डाकघर आम नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए रविवार को भी खुले रहे। निर्वाचन आयोग द्वारा भेजे गये लगभग 53000 वोटर आइडी कार्डों को डाक के माध्यम से आम नागरिकों तक पहुंचाने के लिए रांची जीपीओ की मदद से तैयारियां की गई हैं। शनिवार (4 मई) को भी देर रात तक रांची जेपीओ कार्यालय खुला रख कर वोटर आइडी को डिस्पैच किया गया। रविवार की सुबह तक वोटर आइडी पिन कोड के अनुसार अपने वितरित होनेवाले डाकघर तक पहुंच चुके थे। डाकियाओं ने भी जोर दिखाया और रविवार के दिन भी लोगों के घर घर तक जाकर वोटर आइडी कार्ड का वितरण किया।

55.65 ग्राम लेकर पहुंचे थे सप्लाई करने, सासाराम से लाकर की जाती है आपूर्ति

रांची स्टेशन से 12 लाख का ब्राउन शुगर जब्त महिला सहित तीन तस्करों को RPF ने दबोचा

CRIME REPORTER RANCHI : रांची रेलवे स्टेशन से आरपीएफ की टीम ने रविवार की सुबह 55.65 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर दिगंजय शर्मा के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार, तस्कर रांची रेलवे स्टेशन पर ब्राउन शुगर की सप्लाई करने पहुंचे थे। लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। बाद में आरपीएफ ने तीनों तस्करों को चुटिया थाना की पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के अनुसार, आरपीएफ को सूचना मिली थी कि रांची रेलवे स्टेशन पर ब्राउन शुगर की सप्लाई करने कुछ लोग ट्रेन से आने वाले हैं। इसके बाद आरपीएफ की टीम स्ट्रेशन पर आने-जाने वाले लोगों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 55.65 ग्राम ब्राउन शुगर भी बरामद हुआ है, जिसका बाजार मूल्य करीब 12 लाख बतायी जा रही है। आरपीएफ ने बताया कि यह गिरोह तीन पार्ट में ब्राउन शुगर का काम करता है। पहला रांची से बस पकड़कर बिहार स्थित सासाराम पहुंचता है। बड़े पैमाने में ब्राउन शुगर की डिलीवरी सासाराम में होती है। फिर तस्कर सासाराम से ब्राउन शुगर खरीदते हैं और ट्रेन पकड़कर रांची आते हैं। इसके बाद रांची में सक्रिय ड्रैग पैडलर को ब्राउन की सप्लायी करके गुप्त ठिकानों पर चले जाते हैं। आरपीएफ इंस्पेक्टर सह पोस्ट कमांडर दिगंजय शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में रांची के मोरहाबादी का रहने वाला विकास कुमार, किशोरगंज का रहने वाला नीलेश कुमार सोनी और रांची के करमटोली चौक की रहने वाली सोनाली खलखो शामिल है। गिरफ्तार करने के बाद अग्रिम कार्रवाई के लिए तीनों तस्करों को आरपीएफ ने रांची के चुटिया थाने के हवाले कर दिया है। इस मामले में अब आगे की कार्रवाई रांची के चुटिया थाने के द्वारा की जाएगी।

गिरफ्तार तस्करों के बारे में जानकारी देती आरपीएफ की टीम।

औषधि नियंत्रण विभाग की कार्रवाई

रांची में बिना लाइसेंस के बनाई जा रही थीं होमियोपैथिक दवाइयां, 41 कार्टन जब्त

CRIME REPORTER RANCHI : हजारीबाग से सूचना मिलने के बाद एक्टिव हुई रांची के औषधि नियंत्रक विभाग की टीम ने रांची के रातू थाना क्षेत्र के टिलटांड़ गोविंद नगर में बिना लाइसेंस के होमियोपैथी दवा कंपनी का पदार्फाश किया है। टीम ने मौके से भारी मात्रा में दवा भी बरामद किया है। छापेमारी टीम में ड्रग इंस्पेक्टर प्रतिभा झा, मो। नसीम, पुतली बिलोंग, आलोक कुमार, अमित कुमार शामिल थे। औषधि नियंत्रण विभाग की पूरी कार्रवाई को लेकर झारखंड के संयुक्त औषधि नियंत्रक सुजीत कुमार ने बताया कि विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि एक दवा कंपनी बिना लाइसेंस के दवा बना रही है और बाजार में बेच रही है। इस सूचना के आधार पर पहले रेकी की गई और फिर कई ड्रग इंस्पेक्टर की टीम बनाकर शनिवार को छापेमारी की। इस दौरान करीब 41 कार्टन निर्मित दवा, दवा बनाने में इस्तेमाल होनेवाला खाली बोतल, लेवल्स, कैप्स और दवाओं को सील करने वाली मशीन जब्त की गई है। औषधि निदेशालय में संयुक्त निदेशक सुजीत कुमार ने बताया कि पूरे मामले में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। वहीं दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए आठ सैंपल दवा लेकर उसे लैब भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में सक्षम न्यायालय में कंप्लेन केस किया जाएगा। बिना लाइसेंस के दवा निर्माण का दोष सिद्ध होने पर कम से कम पांच साल के सजा का प्रावधान है।

जब्त दवाइयों की जांच करते औषधि नियंत्रण विभाग के अधिकारी।

रांची जिला में 25 मई को होना है मतदान

चुनाव कार्य के लिए सीज गाड़ियों को 9 मई तक करना होगा जमा

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला में छठे चरण में 25 मई को मतदान होना है। जिला प्रशासन इसकी तैयारी में जुटा है। रांची जिला में खूंटी लोकसभा के कुछ क्षेत्र मांडर और तमाड़ विधानसभा के भी आते हैं। जिसका मतदान 13 मई को होना है। इस क्षेत्रों में सेक्टर पदाधिकारी, ईवीएम और पोलिंग पार्टी को निर्धारित मतदान केंद्र तक पहुंचाने के लिए गाड़ियों की जरूरत होती है। रांची डीटीओ अखिलेश कुमार ने बताया कि चुनाव कराने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था लगभग हो चुकी है। इन वाहनों में स्कॉर्पियो, सूमो और इनोवा शामिल हैं। अब तक जिला में लगभग 200 कार सीज किए गए हैं। वाहन मालिकों को 9 मई को मोरहाबादी मैदान में गाड़ी जमा करने को कहा गया है। साथ ही पोलिंग पार्टी के लिए बस की आवश्यकता होती है। इसके लिए स्कूलों से बस लिया जा रहा है। वहीं प्राइवेट बस को पुलिस लाइन द्वारा सीज किया जा रहा है।

यहां बता दें कि गाड़ी जमा करने के लिए जिन्हें भी फोन गया है और उन्होंने अब जमा नहीं किया है।

लोस चुनाव को लेकर आईजी अभियान ने की समीक्षा बैठक

RANCHI : लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर आईजी अभियान की अध्यक्षता में रविवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित हुई। जिसमें जिले के एसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी शामिल हुए। इस दौरान चुनाव को लेकर क्या-क्या तैयारी की गई है, और क्या कमियां रह गई है, इसे लेकर विचार विमर्श किया गया। साथ ही कई दिशा निर्देश भी दिए गए। गौरतलब है कि झारखंड में चौथे, पांचवे, छठवें और सातवें चरण में मतदान होगा। चार लोकसभा सीटों सिंहभूम, खूंटी, लोहरदगा और पलामू में 13 मई को चौथे चरण में मतदान होगा। 20 मई को चतरा, कोडरमा और हजारीबाग में पांचवे चरण का मतदान होगा। गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर में 25 मई को छठवें चरण में मतदान होगा।

जेएमएम ने प्रथम जेपीएससी नियुक्ति घोटाला मामले में दायर चार्जशीट पर भाजपा को घेरा

झारखंड की पहली बीजेपी सरकार का काला चिट्ठा सबको पता था, अब जाकर हुआ खुलासा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में हुए प्रथम जेपीएससी घोटाले में सीबीआई द्वारा पूर्व जेपीएससी अध्यक्ष समेत 37 लोगों के खिलाफ चार्टशीट दाखिल करने पर झामुमो ने भाजपा पर हमला बोला है।

झामुमो ने अपने एक्स हैंडल में लिखा है कि झारखंड में भाजपा की पहली ही सरकार का काला चिट्ठा सबको पता था। अब उद्भेदन भी हो गया। भाजपा बताये कि उस समय राज्य में किसकी सरकार थी। 20 साल राज कर सुनियोजित तरीके से भाजपा ने राज्य को पिछड़ा रखने का काम किया। आगे लिखा कि पिछले साढ़े चार साल से वह सत्ता से दूर हैं, इसलिए तिलमिलाये हुए हैं। भाजपा इसी षड्यंत्र में लगी हुई है कि कैसे सत्ता पाई जाए और राज्य को फिर लूटा जाए।

पहली-दूसरी जेपीएससी की परीक्षा में धांधली का लगा था आरोप

● भाजपा षड्यंत्र में लगी है कि कैसे सत्ता पाई जाए और राज्य को फिर लूटा जाए

झारखंड राज्य अलग होने के बाद जेपीएससी प्रथम और द्वितीय सिविल सेवा नियुक्ति में गड़बड़ी का मामला आया था। दोनों परीक्षाओं में धांधली का भी आरोप लगा था। कहा जा रहा था कि मंत्री से लेकर विधायक, सांसद और अफसरों ने अपने रिश्तेदारों और चहेतों को इस परीक्षा में पास करवाया था। उस समय यह मामला काफी तुल पकड़ा था। इसके बाद साल 2012 में झारखंड हाईकोर्ट ने सीबीआई को इस मामले की जांच का आदेश दिया था। करीब 12 साल बाद अब जाकर सीबीआई ने अपनी जांच पूरी करने के बाद सीबीआई की विशेष कोर्ट में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष दिलीप प्रसाद, सदस्य गोपाल प्रसाद, राधा गोविंद सिंह नागेश, शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी के अलावे अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी समेत 37 के खिलाफ चार्टशीट दाखिल की है।

मोरहाबादी चिल्ड्रेन पार्क में की मीटिंग, मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप

आदिवासी-मूलवासी संगठनों ने पीएम मोदी के झारखंड दौरे को बताया विफल

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को मोरहाबादी चिल्ड्रेन पार्क स्थित में विभिन्न आदिवासी संगठनों ने मीटिंग की। केंद्रीय सरना समिति सहित कई अन्य आदिवासी मूलवासी संगठनों ने नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे को विफल बताया। उनका भाषण सुनकर आदिवासी संगठनों ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब अदिवासी मूलवासी लोगों को असली मुद्दों से भटकाने के लिए झूठ और घृणास्पद भाषण का सहारा ले रहे हैं। उनका झारखंड दौरा पूरी तरह विफल रहा है। अजय तिर्की ने कहा कि झारखंड में आदिवासियों की कई समस्याएं हैं, जिनकी मांगें सालों से आदिवासी करते रहे हैं। आदिवासी सरना कोड, पेसा कानून, सीएनटी एक्ट से छेड़छाड पर रोक, आदिवासी की पलायन पर रोक लगे, ट्राइबल सब प्लान का पैसा सीधे ग्राम सभा को उपलब्ध कराया जाए। आदिवासी जन परिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जरा बता दीजिए अच्छे दिन कब आऐंगे। कुंदररसी मुंडा ने प्रधानमंत्री से सवाल करते हुए कहा कि अच्छे दिन कब आएंगे।

समाचार पत्रों की कटिंग दिखाते आदिवासी-मूलवासी संगठनों के सदस्य।

कांग्रेस-झामुमो ने रांची में प्रधानमंत्री के रोड शो को बताया फ्लॉप शो

RANCHI : झारखंड कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की झारखंड में चुनावी रैलियों और रांची में उनके रोड शो को सुपर फ्लॉप करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता जगदीश साहू ने कहा कि राज्य की जनता को उम्मीद थी कि पीएम मोदी सरना धर्म कोड, जाति जनगणना, ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण जैसे मुद्दों पर अपनी और भाजपा की राय जनता के सामने रखेंगे, लेकिन हर बार की तरह वे अपने भाषण में पाकिस्तान में खोए रहे। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता ने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि वह कांग्रेस को ओबीसी विरोधी कहने लगे, जनता को अब उनकी बातों पर भरोसा नहीं है, इसीलिए रांची में रोड शो को जनता ने नकार दिया। रोड शो में जो भीड़ दिखी वह भाजपा द्वारा लाई गई थी, आम जनता ने पीएम के रोड शो को नकार दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद भाजपा में बढ़ा उत्साह

PHOTON NEWS RANCHI : पीएम मोदी के दो दिवसीय झारखंड दौरा सफल मान रही बीजेपी फीलगुड में है। चुनावी सभा के साथ-साथ रांची में रोड शो का चुनावी समर में प्रभाव पड़ने का दावा कर रही झारखंड बीजेपी जल्द ही दूसरे बड़े नेताओं की चुनावी सभा कराने की तैयारी में हैं। आने वाले समय में बीजेपी के बड़े नेताओं में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा शामिल है। जानकारी के मुताबिक योगी आदित्यनाथ की चुनावी सभा पलामू और खूंटी लोकसभा क्षेत्र में तय किया जा रहा है। इसके अलावे बीजेपी के जो बड़े नेता झारखंड के चुनावी समर में उतरने वाले हैं उनमें अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि शामिल हैं। बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता अनिमेष कुमार सिंह कहते हैं कि पीएम का चुनावी दौरा ऐतिहासिक रहा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कई बड़े नेताओं का दौरा होगा जो जनता से सीधे संवाद कर मोदी सरकार की उपलब्धि को रखने का काम करेंगे।

बीजेपी प्रवक्ता अनिमेष कुमार सिंह।

भ्रष्टाचार और लूट के दलदल में चौतरफा फंसी झामुमो की सरकार : प्रतुल शाहदेव

RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा और हेमंत सोरेन पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार चौतरफा भ्रष्टाचार और लूट के दलदल में फंस गई है। झामुमो की मान्यता अब जनता ही समाप्त कर देगी। वे रविवार को रांची के मारू टावर स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। प्रतुल ने कहा कि हाई कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका न सिर्फ खारिज किया है, बल्कि राजनीतिक बदले का जो आरोप लगाया गया था, उसे एक हारे हुए मुवक्किल की आखिरी कोशिश की संज्ञा दे दी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी में यह भी कहा कि ईडी ने अब तक जितने साक्ष्य जुटाए हैं उसमें प्रथम दृष्टया हेमंत सोरेन की इस घोटाले में संलिप्तता उजागर होती है।

सुरक्षाबलों ने पिछले 16 महीनों में 15 को मुठभेड़ में मार गिराया, बैकफुट पर आए नक्सली

नक्सलियों के खिलाफ फ्रंट फुट पर अभियान चला रहे जवान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब जवान फ्रंटफुट पर अभियान चला रहे हैं और नक्सली बैकफुट पर हैं। एक तरफ सुरक्षाबलों ने पिछले 16 महीने के दौरान 15 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। वहीं 142 बड़े नक्सलियों को भी गिरफ्तार किया। साथ ही पुलिस की दबिश से परेशान होकर 52 नक्सलियों ने आत्मसमपर्ण किया। सुरक्षाबलों की तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि अब झारखंड में नक्सली खत्म होने के कगार पर हैं। सुरक्षाबलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचा है। इस कार्रवाई से परेशान भाकपा माओवादी के नक्सली ग्रामीणों की हत्या कर रहे हैं। पिछले 16 महीने में नक्सलियों ने 20 ग्रामीणों की हत्या की है। साथ ही इस मुठभेड़ में सात पुलिस बल के जवान भी शहीद हुए हैं। इसके अलावा 36 मुठभेड़ की घटना हुई है। राज्य और केंद्र सरकार के एक ही पृष्ठ पर आने से क्षेत्र में परिस्थितियां बदल रही है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय गृह सचिव और आईबी प्रमुख ने पिछले सप्ताह झारखंड समेत दस राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस निदेशकों के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक की थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बैठक में नक्सलियों के खिलाफ आपरेशन को लेकर विचार विमर्श किया गया था।

झारखंड में सिर्फ 72 इनामी नक्सली बचे

झारखंड में अब सिर्फ 72 इनामी नक्सली बचे हैं। इसमें मिसिर बेसरा, पतिराम मांझी, असीम मंडल, प्रयाग मंडल, चमन उर्फ लंबू, लालचंद्र हेंब्रम, रघुनाथ हेंब्रम, अजय महतो, संतोष उर्फ विश्वनाथ, प्रकाश महतो, ब्रजेश गंझू, अनुज, मेहनत, संजय महतो, छोटू खेरवार, मार्टिन केरकेट्टा, आक्रमण गंझू, रामप्रसाद मारडी, नितेश यादव, रविंद्र गंझू, अमित मुंडा, बेला सरकार, पूनम, आरिफ, रणविजय महतो, मदन महतो, रामदयाल महतो, मृत्युंजय, पप्पू लोहरा, मनोहर गंझु, नीरज सिंह खेरवार, साहेबराम मांझी, विवेक यादव, सीताराम रजवार, गोदराय यादव,बिरसेन गंझू, श्याम सिंह सिंकू, बल्लू, सालुका कायम, नेशनल भुइयां, रंथू उरांव, गुलशन मुंडा, सहदेव महतो,रविंद्र यादव, लवलेश गंझू, जयंती, प्रभात मुंडा, प्रभात गंझू, सुखलाल बिरजिया, बैजनाथ गंझू, पंकज कोरवा, कुंवर मांझी, बिरेन सिंह, बलराम लोहरा, सागेन अंगरिया, करीम, बाबूलाल जी, ब्रजेश मांझी, पवन मांझी, अमृत, रामचंद्र यादव, राहुल चंपिया, सुलेमान हांसदा, फिरोज अंसारी, विरेंद्र गंझू, सैमुअल बुध, पांचा उरांव, संतोष गंझू, मीता उर्फ नयनतारा, सहेंद्र यादव, लक्ष्मण राय, अमोज मोदक, कृष्णा यादव, गुलशन उरांव, बबलू,राजू यादव शामिल हैं।

झारखंड से बाहर जाने वाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग, यात्रियों की बढ़ी भीड़

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड समेत पूरे देश में गर्मी अपने चरम पर है। बढ़ती गर्मी को देखते हुए झारखंड सरकार की ओर से विद्यालयों में आठवीं तक के बच्चों के लिए क्लास सस्पेंड कर दिया गया है। अन्य वर्ग के विद्यार्थियों की भी छुट्टी जल्द शुरू होगी। ऐसे में अगर आप भी गर्मी की छुट्टियां मनाने के लिए कहीं बाहर जाना चाहते हैं तो आपको ट्रेन के टिकट की वर्तमान स्थिति जान लेना चाहिए। क्योंकि इस समय लोगों में ट्रेन की टिकट बुक कराने की होड़ मची है। आलम ये है कि जसीडीह के रास्ते चलने वाली लगभग सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी भीड़ हो रही है। भारी भीड़ के चलते यात्रियों को सफर करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रेलवे कई समर स्पेशल ट्रेनें भी चला रहा है। अबतक करीब एक दर्जन से अधिक ट्रेनों की सूचना जारी की जा चुकी है, इसके बावजूद लोगों को आसानी से टिकट नहीं मिल पा रहा है। झारखंड में जसीडीह के रास्ते चलने वाली लगभग सभी लंबी दूरी की ट्रेनों में इन दिनों यात्रियों को कंफर्म बर्थ नहीं मिल पा रही है। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। गर्मियों के दौरान घूमने और अपने घरों पर अवकाश मनाने जाने वाले रेल यात्रियों को रेलवे की ओर से संचालित समर स्पेशल ट्रेनों में भी टिकट के लिए तत्काल लेना पड़ रहा है। वहीं ट्रेनों में अधिक भीड़ रहने के कारण यात्रियों को ट्रेनों में बर्थ नहीं मिलने पर ट्रेन में नीचे पर बैठक कर यात्रा करने लगे हैं। साथ ही ट्रेनों पर यात्रियों को सवार होने में भी परेशानी हो रही है। वहीं गर्मी अधिक होने के कारण छोटे बच्चों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। ऐसे में यात्री बाहर घूमने जाने के हर दिन टिकट काउंटर पर तत्काल के लिए लंबी कतार लगाये खड़े रहते हैं।

राष्ट्र की प्रगति के लिए करें मतदान

जमशेदपुर में मतदान पत्र बनाने के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर लगातार जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय धालभूम स्वीप की ओर से रविवार को दीप प्रज्वलित कर लोगों से बढ़-चढ़कर मतदान करने की अपील की गई।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद की वार्षिक पत्रिका का लोकार्पण

PHOTON NEWS JSR: बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में रविवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद की वार्षिक पत्रिका ह्यवाग्यधाराह्न का लोकार्पण हुआ। इयके साथ ही साथ शहर के साहित्यकारों का सम्मान सह काव्य सम्मेलन भी हुआ। अंजिला गुप्ता, मंजू ठाकुर, जयंत श्रीवास्तव, गोविंद दोदराजका, प्रसेनजित तिवारी, इंदर अग्रवाल को भी सम्मनित किया गया। काव्य सम्मेलन में शहर के जाने माने साहित्यकारों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें शेषनाथ सिंह शरद, लखन विक्रांत, क्षमा दूबे, संतोष चौबे, राजेंद्र साह राज, माधुरी मिश्रा, अंजू केशव, मनीष वंदन, नीता सागर चौधरी, बालकृष्ण, पूनम शर्मा स्नेहिल, दीपक वर्मा, सूरज सिंह, शशि ओझा, शिप्रा सैनी, मामचंद बसंत प्रमुख रहे। इस दौरान श्यामल सुमन, के.के. कमल, डॉक्टर संजय, बलविंदर सिंह, अजय मुस्कान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ अंजिला गुप्ता, प्रसेनजित तिवारी, गोविंद दोदराजका के साथ रागिनी भूषण, इंदर अग्रवाल और शैलेंद्र पांडेय शैल मंचसीन रहे। स्वागत भाषण शैलेंद्र पांडे 'शैल', कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह, काव्य गोष्टी का संचालन सोनी सुगंधा और धन्यवाद ज्ञापन अनिता निधि ने किया।

कार्यक्रम में मौजूद साहित्य प्रेमी • फोटोन न्यूज

गांजा तस्करी का सरगना गिरफ्तार, भेजा गया जेल

PHOTON NEWS POTKA : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड से गांजा तस्करी का मुख्य सरगना गिरफ्तार किया गया है। कोवाली थाना क्षेत्र निवासी मोतीलाल साहू पांच साल से क्षेत्र के होटलों एवं दुकानों में गांजा सप्लाई करता थो इसके कारण थाना क्षेत्र के युवा नशा के आदी होते जा रहे थे कोवाली थाना की पुलिस को लगातार शिकायत मिल रही थी कि युवा पीढ़ी नशे के आदी होते जा रहे हैं

इस मामले को लेकर कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान द्वारा एक टीम का गठन किया गया, जिसके बाद 22 अप्रैल को प्रधान होटल में छापामारी कर सुकू महाकुड़ को गांजा के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इसके बाद गांजा कारोबार के मुख्य सप्लायर की गिरफ्तारी को लेकर कोवाली पुलिस लगातार छापामारी कर रही थी इस बीच ओडिशा के तिरिंग थाना क्षेत्र के तिरिंग से गांजा सप्लायर के मुख्य आरोपी मोतीलाल साहू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई। इसके बाद कोवाली थाना की पुलिस नेआरोपित को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान ने बताया कि कोवाली थाना क्षेत्र में मोतीलाल द्वारा गांजा सप्लाई किया जा रहा था। उम्मीद है कि इसकी गिरफ्तारी से नशीले पदार्थ के कारोबार में कमी आएगी। इसके साथ ही इस अभियान को और तेज करते हुए इसमें जो भी लोग शामिल हैं, उन सभी लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी, ताकि क्षेत्र में नशा का कारोबार रोका जा सके।

आरोपी के साथ पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

सोनारी गुरुद्वारा पहुंचे झामुमो प्रत्याशी समीर मोहंती, चखा लंगर

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर लोकसभा सीट को लेकर सभी प्रत्याशी अपने वोट के लिए लोगों के घर तक पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में जमशेदपुर लोकसभा से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी समीर महंती रविवार को सोनारी गुरुद्वारा पहुंचे। यहां गुरुद्वारा में मत्था टेक सिख समुदाय से आशीर्वाद मांगा। इस दौरान जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी भी मौजूद रहे। इस दौरान गुरुद्वारा के प्रधान तारा सिंह, सीजीपीसी के पूर्व प्रधान गुरमुख सिंह मुखे और सिख समुदाय के सैकड़ों लोगों ने झामुमो प्रत्याशी का समर्थन करते हुए, जीत दिलाने का दावा किया।

समीर महती ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि गरीब के बेटे को इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। लगातार हम जनता के बीच जा रहे हैं और उनके मुद्दों और समस्या को उठा रहे हैं। यह चुनाव मै नहीं जमशेदपुर की जनता लड़ रही है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, महिला गंभीर

दुर्घटना स्थल पर पड़ी स्कूटी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बिष्टुपुर थाना अंतर्गत ओ रोड स्थित जी टाउन क्लब के पास रविवार सुबह एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर स्कूटी सवार महिला को अपनी चपेट में लिया। कार इतनी रफ्तार में थी कि स्कूटी सहित एक क्वार्टर में जा घुसी। इस घटना में स्कूटी सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। इस टक्कर में क्वार्टर की दीवार भी टूट गई। इधर, घटना के बाद स्थानीय लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और घायल महिला को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पाकर बिष्टुपुर पुलिस भी मौके पर पहुंची और कार चालक को हिरासत में लेकर थाने चली गई। पुलिस ने कार और स्कूटी को भी जब्त कर लिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, कार ओ रोड से होते हुए जी टाउन मैदान की ओर जा रही थी, जबकि स्कूटी सवार महिला जी टाउन मैदान से होते हुए ओ रोड की तरफ जा रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित हो गई और स्कूटी सवार महिला को अपनी चपेट में लेते हुए सड़क किनारे क्वार्टर में जा घुसी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दलमा के जंगल में लगी भीषण आग

JAMSHEDPUR : गर्मी के मौसम में जंगलों में अक्सर आग लगती है। इस बार भी दलमा के जंगल में भीषण आग लगी है। अब यह आग किसी ने शरारत से लगाई है या अपने आप लगी है, कहना मुश्किल है। जो भी हो, वन विभाग इसे बुझाने का प्रयास नहीं कर रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि डिमना चौक से घाटशिला के रास्ते दलमा के जंगल में लगी आग भयावह दिखती है।

ट्रैफिक पुलिस को बांटा छाता

JAMSHEDPUR : प्रचंड गर्मी में शहर के चौक-चौराहों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने वाले ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच छाता, घड़ा, तौलिया आदि का वितरण किया गया। जमशेदपुर पुलिस और सामाजिक संस्था मित्र हेल्दी ह्यूमैनिटी द्वारा रविवार को साकची थाना में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि एसएसपी किशोर कौशल मौजूद रहे।

कांग्रेस का घर-घर जनसंपर्क प्रारंभ

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस के अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे के आह्वान पर कांग्रेस घर-घर जनसंपर्क बिरसानगर से प्रारंभ हो गया। बिरसानगर प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष संजय घोष के नेतृत्व में रविवार को बिरसानगर के 250 घरों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया, जिसमें 'कांग्रेस पार्टी का गारंटी पत्र' देकर प्राप्ति रसीद भरा गया। संजय घोष ने कहा कि कांग्रेस के प्रति लोगों में गजब का उत्साह देखने को मिला। अधिकांश लोगों ने कांग्रेस पार्टी का झंडा भी घर-घर पहुंचाने का आग्रह किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने इंडी गठबंधन के प्रत्याशी समीर मोहंती को वोट देने के लिए अपील भी की। जनसंपर्क अभियान में एल सोनाराम, संजय तिवारी, प्रबल बारी सहित अन्य कांग्रेसजन भी शामिल हुए।

बालू का अवैध परिवहन करते तीन डंपर जब्त, सीओ ने कसा शिकंजा

PHOTON NEWS POTKA: ओडिशा से बिना चालान के तिरिंग बॉर्डर होते हुए पूर्वी सिंहभूम जिले, खासकर जमशेदपुर में बालू का अवैध कारोबार लगातार जारी है। एक दिन पहले शनिवार को ही एसडीओ धालभूम पारुल सिंह ने एनएच-33 और छोटा गोविंदपुर से बालू लदा दो डंपर जब्त किया था। इसमें पता चला था कि रात में ओडिशा से होते हुए जमशेदपुर में बालू आता है।

इस बात की सूचना पोटका की अंचल अधिकारी निकिता बाला को भी मिल रही थी। शनिवार रात की घटना के बाद उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर अंचल अधिकारी ने रविवार सुबह 5 बजे रसूनचोपा मध्य विद्यालय के समीप कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान एवं पुलिस बल के साथ छापामारी की गई। इस छापामारी के दौरान तीन डंपर अवैध बालू पकड़ा गया। तीनों डंपर में बिना चालान के ही ओडिशा से झारखंड में बालू लाया जा रहा। इस बीच पुलिस को देखते ही ड्राइवर वाहन छोड़कर भाग निकले।

सीओ निकिता बाला ने वाहनों को जब्त करते हुए कोवाली थाना के सुपुर्द कर दिया। इस मामले में एमडीडीआर एक्ट के तहत बिना चालान के बालू का अवैध कारोबार करने वाले वाहन मालिकों पर कोवाली थाना में मामला दर्ज किया गया है।

सीओ निकिता बाला ने कहा कि बिना चालान के अवैध परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार छापामारी अभियान चलाया जाएगा। जो भी लोग इसमें दोषी पाए जाएंगे, उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छापेमारी करतीं अंचल अधिकारी निकिता बाला • फोटोन न्यूज

न्यूज ब्रीफ

टांगरपाली में योगेश सिंह ने किया चुनाव प्रचार

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ सदर विधानसभा क्षेत्र के बीजू जनता दल के विधायक प्रत्याशी योगेश कुमार सिंह ने रविवार को उज्जलपुर पंचायत के नुआमुंडा, टांगरपाली बस्ती, महूलपाली केनालपाली पंचायत के मुंडापाड़ा, महूलपाली पंचायत के बंधापाली माझीपाड़ा, सदर चौक, तसलाडीही पंचायत के कालोबहाल, रतनपुर पंचायत के ढाबाखोल, सुनाजोर, लायकेरा मे प्रचार किया। बीजू जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी डॉ. दिलीप तिर्की एवं सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रत्याशी योगेश कुमार सिंह को जिताने का अनुरोध किया।

प्रत्याशियों की बैठक आयोजित

ROURKELA : सदर उपखण्ड के सामान्य निरीक्षक, वित्त निरीक्षक, पुलिस पर्यवेक्षक एवं नामांकन भरने वाले विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों की चुनाव में सहयोग के साथ-साथ चुनाव व्यय एवं शांति व्यवस्था हेतु आज स्थानीय विकास भवन में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस पर्यवेक्षक दिलीप बालकृष्ण गौडे और विकास नोरवाल, वित्त निरीक्षक केके प्रसाद ने उम्मीदवारों को बताया कि उम्मीदवार अपने चुनाव खर्च को कैसे दर्ज कर सकते हैं, अतुल कुमार तिर्की और रामजी केथबंथु, पुलिस पर्यवेक्षक एम राजेश डी राव, जिला मजिस्ट्रेट सुंदरगढ़ पराग हर्षद गवली सहित तलसरा, सुंदरगढ़ और राजगांगपुर के रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित थे। बीजद प्रत्याशी दिलीप तिर्की, भाजपा प्रत्याशी जोएल ओराम समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रत्याशी व उनके समर्थक उपस्थित थे।

राउरकेला विस चुनाव में उतरे 13 प्रत्याशी

ROURKELA : राउरकेला विधानसभा के नामांकन पत्रों की जांच के बाद राउरकेला निर्वाचन क्षेत्रों के उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित कर दी गई है। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों में भाजपा के उम्मीदवार दिलीप राय, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वीरेंद्र नाथ पटनायक, बीजू जनता दल के सारदा प्रसाद नायक प्रमुख हैं, जबकि गैर-मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों में इंडियन सिटीजन पार्टी के कमल किशोर अग्रबल, भारतीय जावन किसान पार्टी से नलिनी कांत दास, नेशनल उपानी पार्टी से विश्व भूषण महंत, आजसू पार्टी से मिलन चंद्र महंत, कोसल जनता दल से स्वरूप मिश्रा, जबकि निर्दलीय उम्मीदवार निहार राय, ध्रुव चरण बेहरा, थॉमस बाथोलोमिनो डुंगडुंगऔर विश्वनाथ लाकड़ा हैं। अगले 6 दिनों के भीतर इन 13 उम्मीदवारों में से कोई भी अपना नामांकन पत्र वापस ले लेता है तो उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित कर दी जाएगी।

भाजपा विधायक प्रत्याशी दुर्गा तांती ने की बैठक

ROURKELA : काली मंदिर कमेटी की ओर से रविवार को काली मंदिर परिसर में अध्यक्ष प्रशांत कुमार पाढ़ी की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा के रघुनाथपल्ली विधायक प्रत्याशी दुर्गा तांती के साथ बैठक की। मंदिर समिति के वरिष्ठ सदस्य निमायु चरण राय ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रशांत कुमार पाढ़ी, वरिष्ठ सदस्य निमायु चरण रॉय और साधु चरण स्वाई, कोषाध्यक्ष रंजन कुमार पुष्टि ने मंदिर की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की। इस बैठक में भाजपा के संस्थापक सदस्य व जिला प्रवक्ता गंगाधर दास, जिला महासचिव सुब्रत पटनायक, जिला सचिव अजय कंसारी व सस्मिता पाढ़ी, मंडल अध्यक्ष मनोज सेनापति, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनीता मोहिनी आदि उपस्थित थे।

विधायक उम्मीदवार दिलीप राय का हुआ स्वागत

ROURKELA : भारतीय जनता पार्टी के राउरकेला विधायक व पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप राय का शहर के बिरसा डाहर रोड में अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर दिलीप राय का स्वागत बाजा-ढोल के साथ एवं फूल-माला पहनाकर किया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों ने उन्हें माला पहनाया । प्रत्याशी दीलिप राय ने मंदिर के विकास में पूरा सहयोग देने का वादा किया। दिलीप राय के साथ अमिताभ सामल, केदार मोहंती समेत अन्य भाजपा नेता भी थे। मंदिर समिति के पदाधिकारियों में सरजू अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, विकास , दीपक शर्मा, सुनील अग्रवाल, सोहन जैन, ब्योमकेश, सुरेखा, अरविंद शर्मा, योगेश शर्मा, भानु साहू, गुरुमीत सिंह, राकेश झा, विकास राउत, दीपक प्रसाद राजन भोई की सक्रिय भागीदारी मंदिर समिति के उपस्थित थे।

टाटा स्टील एआईटीए टेनिस टूनार्मेंट आज से

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील एआईटीए पुरुष राष्ट्रीय रैंकिंग टेनिस टूनार्मेंट 6 से 10 मई के बीच जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने जा रहा है। अखिल भारतीय टेनिस संघ द्वारा अपने नवनिर्मित डेको टर्फ कोर्ट में यह टूनार्मेंट हर दिन सुबह 07:30 बजे से मैच खेले जाएंगे। अगले दिन के लिए हर शाम 6:00 बजे तक मैच का शेड्यूल तैयार कर लिया जाएगा।

NEET 2024 : जमशेदपुर में 6 केंद्रों पर 3760 ने दी परीक्षा, 117 रहे अनुपस्थित

एग्जाम शुरू होने से ढाई घंटा पहले केंद्र के गेट हो गए बंद

PHOTON NEWS JSR: नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से आयोजित नीट 2024 की परीक्षा रविवार को जमशेदपुर के 6 परीक्षा केंद्रों पर हुई। इसमें करीब 3760 परीक्षार्थी शामिल हुए, जबकि लगभग 117 अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर दो बजे से शुरू होकर शाम 5.20 बजे तक चली, लेकिन परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश सुबह 11 बजे से 1.30 बजे ही करा दिया गया था। ऐसे में सभी केंद्रों पर परीक्षार्थी व उनके अभिभावक सुबह 10 बजे ही पहुंच गए थे।

सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्वक व कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न हुई। नीट की परीक्षा में इस साल का पेपर पिछले साल की तुलना में थोड़ा टफ था। परीक्षा देकर बाहर निकलने वाले परीक्षार्थियों ने बताया कि फिजिक्स व केमेस्ट्री के प्रश्न थोड़े लेंदी थे। वहीं बायोलॉजी के पेपर के प्रश्नों को अधिकतर छात्रों ने आसान बताया। मालूम हो कि देश के मेडिकल कॉलेजों में एडमिशन के लिए यह परीक्षा आयोजित होती है। इसका परिणाम मई के अंतिम या जून के पहले सप्ताह में जारी होने की संभावना है।

परीक्षा केंद्र के बाहर मौजूद परीक्षार्थियों की भीड़ • फोटोन न्यूज

इस बार परीक्षा पैटर्न में नहीं हुआ था बदलाव

नीट यूजी में इस वर्ष भी किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया है। प्रश्न पत्र कुल 720 अंकों का था। प्रश्न पत्र में कुल 4 खंड (फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी एवं बॉटनी) होंगे। प्रत्येक खंड के सेक्शन ए से 35 प्रश्न हल करने होंगे। वहीं सेक्शन बी में दिए गए 15 प्रश्नों में से कुल 10 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक निर्धारित किए गए हैं। इस परीक्षा के लिए एनटीए की ओर से नेगेटिव मार्किंग भी रखी गई है। गलत उत्तर देने पर एक चौथाई यानी 1 अंक की कटौती की जाएगी।

अंगूठी व चेन तक उतरवा ली गई

नीट परीक्षा के दौरान सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिली। कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए परीक्षार्थियों को संघन जांच से गुजरना पड़ा। छात्राओं की कान की बाली, अंगूठी, चेन तक उतरवा लिया गया। इसकी वजह से परीक्षार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस जांच की वजह से उन्हें करीब 30 से 40 मिनट तक कड़ी धूप के बीच लाईन में लगना पड़ा।

14 जून को घोषित होगा रिजल्ट

परीक्षा संपन्न होने के बाद एनटीए की ओर से आंसर-की जारी की जाएगी। प्रोविजनल आंसर-की पर दर्ज आपत्तियों के निराकरण के बाद एनटीए फाइनल उत्तर कुंजी के आधार पर रिजल्ट की घोषणा करेगा। रिजल्ट 14 जून को घोषित किया जाएगा, जिसके बाद स्टूडेंट्स एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट exams.nta.ac.in/NEET पर जाकर अपने नतीजे चेक कर सकेंगे।

नीमडीह में पानी के लिए हाहाकार सभी चापाकल व जलमीनार खराब

पानी के लिए जिला परिषद सदस्य के कार्यालय पहुंचे ग्रामीण • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS POTKA: पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत गांगडीह पंचायत के नीमडीह में तीन चापाकल एवं एक जलमीनार के खराब हो जाने से पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। ग्रामीण तालाब का पानी पीने को विवश हो रहे हैं। खराब चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मत को लेकर वार्ड सदस्य नुनी सरदार के नेतृत्व में 5 किलोमीटर पैदल चलकर गांव की महिलाएं, पुरुष आदि जिला परिषद के सदस्य सूरज मंडल के कार्यालय पहुंचे एवं पानी को लेकर गुहार लगाई। इस मामले को लेकर जिला परिषद सूरज मंडल द्वारा बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी एवं पीएचडी विभाग को मामले की सूचना दी गई, जिसके बाद ग्रामीणों से मिलने बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी वहां पहुंचे। उन्होंने चापाकल को जल्द ठीक करा कर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। नुनी सरदार एवं रानी सरदार ने कहा कि गांव के सभी चापाकल एवं जलमीनार खराब हो चुके हैं। इसके कारण हम सब तालाब का पानी पीने को विवश हैं। 3 किलोमीटर दूर सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर प्रखंड से हम लोगों को पानी लाने के लिए जाना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के लिए हम सब पांच किलो मीटर पैदल चलकर जिला परिषद कार्यालय पहुंचे, जहां खराब चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मत की मांग की गई।

10 दिन बाद श्रीकृष्ण सेतु के पाया में लटकी मिली लाश, मां-चाचा गिरफ्तार; पिता और दादा फरार

मुंगेर। मुंगेर से ऑनर किलिंग का मामला सामने आया है। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टीकारामपुर धौताल महतो टोला का है। जहां प्रेम प्रसंग के कारण परिवार के सदस्यों ने ही 13 वर्षीय बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में मृतक किशोरी की मां और चाचा को गिरफ्तार किया है। वहीं, पिता और दादा की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने किशोरी की बॉडी शनिवार को श्रीकृष्ण सेतु के पाया में लटका हुआ बरामद किया है। शव 10 दिनों से पाया में ही फंसा था। 25 अप्रैल को परिवार वालों ने ही किडनैपिंग की ऋक्क दर्ज कराई थी। पिता ने दर्ज कराया था अपहरण का मामला टीकारामपुर धौताल महतो टोला निवासी अनोज सिंह ने मुफस्सिल थाना में बेटी के अपहरण को लेकर लिखित शिकायत दर्ज करवाई थी। बताया कि 25 अप्रैल की रात उसकी 13 साल की नाबालिग बेटी को गांव के ही राजीव कुमार बाइक पर बैठाकर भाग गया। सुबह उसके घर पर शिकायत करने गए तो रीता देवी, अंगद कुमार सहित अन्य लोग तलवार लेकर मारने दौड़े। हम लोग जान बचाकर वहां से भाग निकले। पिता अनोज सिंह के आवेदन पर मुफस्सिल थाना में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान ऑनर किलिंग की आशंका हुई वहीं, जब पुलिस गांव पहुंची तो ग्रामीणों ने बताया कि 25 अप्रैल की रात अनोज सिंह का परिवार अपनी नाबालिग बेटी को ई-रिक्शा पर लाद कर कहीं ले जा रहा था। तब पुलिस को ऑनर किलिंग की आशंका हुई। खोजते हुए पुलिस उस ई-रिक्शा चालक तक पहुंच गई। टोटो चालक ने खोला राज टोटो चालक ने पुलिस को बताया कि उन लोगों ने उससे कहा कि बेटी की तबीयत खराब है। बेगूसराय इलाज के लिए ले जाना है। जब वह श्रीकृष्ण सेतु पर पहुंचा तो टोटो रोक कर बच्ची को पुल के नीचे फेंक दिया। साथ ही उसको धमकी दी थी कि वह किसी को कुछ नहीं बताएगा, नहीं तो अंजाम बुरा होगा। प्रेम प्रसंग की वजह से हत्या पुलिस ने किशोरी की मां रूणा देवी और चाचा गुलशन कुमार को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान रूणा देवी ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी का पड़ोस के ही राजीव कुमार से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 25 अप्रैल की रात बेटी को राजीव के साथ परिवार वालों ने देखा, जिसके बाद पूरे परिवार ने मिलकर बेटी की गला दबाकर मार डाला। इसके बाद शव को टोटो पर लेकर गंगा में फेंक दिया। मां-चाचा गए जेल, पिता-दादा की तलाश में जुटी पुलिस प्रशिक्षु आईपीएस सह मुफस्सिल थानाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह ने बताया कि परिजनों के लिखित आवेदन पर नाबालिग बेटी के अपहरण का मामला दर्ज किया था। जांच में पता चला कि यह अपहरण नहीं, बल्कि ऑनर किलिंग का मामला है। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने श्रीकृष्ण सेतु के नीचे एक पाया में बना क्रॉस से लटका हुआ बच्ची का शव बरामद किया।

पटना में हॉट-डे की चेतावनी; 6 से 11 मई तक बारिश की संभावना

पटना। बिहार के कई जिले अभी भीषण गर्मी की चपेट में हैं। तेज धूप, लू और हीट वेव से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आज राज्य का मौसम शुष्क बना रहेगा। हालांकि, 6 मई से मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।मौसम विभाग ने प्रदेश में आंधी, बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने आज 12 जिलों में लू का चलने का यलो अलर्ट जारी किया है। इनमें सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, मुंगेर, जमुई, बांका, भागलपुर, अररिया, पूर्णिया, भागलपुर, कटिहार, किशनगंज शामिल है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि, पटना समेत उत्तर एवं दक्षिण बिहार के अन्य जिलों में हॉट-डे यानी लू की स्थित बनी रहेगी। पिछले 24 घंटे के दौरान 42.3 डिग्री तापमान के साथ बक्सर सबसे ज्यादा गर्म रहा। इसके अलावा अन्य जिलों का अधिकतम तापमान भी 38 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। 6 से 11 मई तक कई जिलों में होगी बारिश मौसम विभाग की ओर से 6 से 11 मई तक बिहार के कई जिलों में आंधी-तूफान के साथ बूंदाबांदी और ठनका गिरने की आशंका जताई गई है। इसको लेकर एडवाइजरी भी जारी की गई है। बिहार के पूर्वी हिस्से में पुरवा हवा का प्रवाह बढ़ना शुरू हो गया है। धीरे-धीरे पूरे राज्य में नमीयुक्त पुरवा हवा का प्रवाह बढ़ेगा। इससे अधिकांश हिस्सों में अगले हफ्ते हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश होने के आसार हैं। किसानों के लिए एडवाइजरी जारी विभाग ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा है कि किसान अपनी कटी हुई फसलों का सुरक्षित भंडारण कर लें। साथ ही खराब मौसम में पेड़ और खंभों के नीचे न खड़े रहें। ऐसे समय में पक्के मकान में शरण लें। खेतों में खड़ी फसलें और फलदार पेड़ों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

तेजस्वी यादव ने अनंत सिंह के पेरौल पर कसा तंज, कहा- गोधरा कांड पर PM को अटल जी की बात माननी चाहिए

दरभंगा। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह पैरोल पर बाहर निकले हैं। उनके बाहर आते ही बिहार में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व डिप्टी CM तेजस्वी यादव ने NDA गठबंधन पर तंज करते हुए कहा कि जब तक अनंत सिंह हमारे साथ थे, तब तक वो अपराधी थे। वहीं अब अनंत सिंह जनता दल यूनाइटेड में चले गए हैं, तो संत हो गए हैं। तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री के दरभंगा चुनावी जनसभा के दौरान गोधरा लालू यादव पर किए गए कटाक्ष पर पलटवार करते हुए तेजस्वी ने कहा कि गोधरा कांड में अटल बिहारी वाजपेयी जी ने किस पर गुस्सा निकाला था ? वाजपेयी ने कहा था कि राजधर्म का पालन करो। तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी बात नहीं तो, अटल जी की बात को मान लो। कल प्रधानमंत्री ने दरभंगा में कहा था कि ठऊ्अ प्रत्याशी को वोट दीजिए, ताकत मोदी को मिलेगा। तेजस्वी ने कहा कि कर्नाटक में बलात्कारी जिसने 3 हजार लोगों का शोषण किया, उसके समर्थन में यही बोले थे। जमीन-जायदात के बंटवारे के लिए मिला पैरोल गृह मंत्रालय ने अनंत सिंह को अपनी पुश्तैनी जमीन-जायदात के बंटवारे के लिए 15 दिनों की पैरोल पर रिहा करने का निर्देश दिया है। ऐसे में मुंगेर लोकसभा सीट पर 13 मई को होने वाले मतदान से पहले अनंत सिंह का जेल से बाहर आना बेहद अहम माना जा रहा है। अनंत सिंह मौजूदा वक्त में पटना के बेऊर जेल में सजा काट रहे हैं।

सभी नवजात स्वस्थ, किशनगंज में 20 साल की उम्र में बनीं 6 बच्चों की मां

किशनगंज (बिहार)। किशनगंज में शनिवार की रात महिला ने एक साथ 5 बेटियों को जन्म दिया है। यह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सभी बच्चियां 1 किलो के अंदर बताई जा रही हैं और सभी स्वस्थ है। महिला पहले से तीन साल के बेटे की मां है। अब उसके 6 संतान हो गए। परिवार में एक साथ पांच बेटियों के आने को लेकर परिजनों में उत्सव का माहौल है। मामला पोठिया प्रखंड का है। यहां एक निजी नर्सिंग होम में प्रसव पीड़ा होने पर महिला भर्ती हुई थी। महिला की पहचान ठाकुरगंज कनकपुर पंचायत के जालमिलिक गांव निवासी ताहिरा बेगम (20) के रूप में हुई है। एक साथ 5 बच्चों की बात सुनकर मैं डर गई थी- ताहिरा ताहिरा ने कहा कि जब मैं 2 माह की गर्भवती थी, तब मुझे पता चला कि मेरे पेट में चार बच्चे हैं। बाद में डॉक्टर के पास चेकअप करवाने गई तो मुझे पता चला कि पांच बच्चे हैं। इसके बाद मैं डरने लगी। डॉक्टर ने मुझे आश्वासन दिया कि डरने की बात नहीं है। केस चैलेंजिंग था- डॉक्टर डॉक्टर फजार्ना ने बताया कि बहुत मुश्किल से ऐसे केस सामने आते हैं। अल्ट्रासाउंड में पता चला की पेशेंट के पेट में 5 बच्चे हैं। जैसे ही पेशेंट को पता चला, वो घबरा गई थी। पेशेंट को अच्छे से इंकरेज किया। साथ ही हम लोगों के लिए भी ये केस चैलेंजिंग था। बाकी रूटीन चेकअप के लिए वो आती थी। पेशेंट और उसकी बच्चियां स्वस्थ आज सुबह जब उसको लेबर पेन हुआ तो उसकी डिलीवरी कराई गई। इस दौरान पेशेंट को 5 लड़कियां हुई। अब पेशेंट को हायर सेंटर भेजा है। नार्मल डिलीवरी हुई है। पेशेंट और उसकी बच्चियां दोनों स्वस्थ है। केस चैलेंजिंग होने के बावजूद सूझबूझ के साथ बच्चों की डिलीवरी हो गई।

मोदी के बयान पर तेजस्वी का पलटवार; पूछा- काम की बात कब करेंगे

पटना पीएम मोदी के शहजादे वाले बयान पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी याद ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री हैं, कुछ भी बोल सकते हैं। अगर हम शहजादे हैं तो वो पीरजादे (बुजुर्ग) हैं। वे बुजुर्ग हैं। उनका हक है वे कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन वे झूठ अधिक बोलते हैं। काम की बात होनी चाहिए। मिथिला के लोग बहुत प्रबुद्ध लोग हैं। वे काम की बात सुनना चाहते हैं। तेजस्वी ने ये भी कहा कि बिहार में बीजेपी की हालत बहुत खराब है। लोग झूठे वादों से ऊब चुके हैं। बता दें कि कल दरभंगा में पीएम मोदी की सभा हुई। जहां उन्होंने बिना नाम लिए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने इशारों-इशारों में दोनों नेताओं को 'शहजादा' कहा था। दरभंगा एम्स को लेकर कसा तंज तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 17 साल से बिहार में एनडीए की सरकार है। झंझारपुर हो, मधुबनी हो, दरभंगा हो.. लगातार एनडीए के सांसद रहे, लेकिन पीएम मोदी यहां के लिए कुछ नहीं किया। जब पीएम नरेंद्र मोदी आए तो वे दरभंगा एम्स देखने भी चले जाते। लोग ढूंढ रहे हैं कि एम्स कहां हैं? पता नहीं प्रधानमंत्री को कौन जानकारी देता है कि यहां एम्स बन गया। एम्स के लिए जमीन तो हमने दी थी। लोग पीएम के झूठे वादों से ऊब चुके 17 महीने की सरकार में डीएमसीएच का अलग से विस्तार जो 2500 बेड का किया गया। इस पर काम भी अब चल रहा है। इस बार बीजेपी की बिहार में हालत खराब है। लोग पीएम के झूठे वादों से ऊब चुके हैं। लोग भी बोल रहे हैं, काम की बात कीजिए। बिहार के लिए क्या किया। यहां से 39 सांसद हैं उनके, ना विशेष राज्य का दर्जा मिला, ना स्पेशल पैकेज। लालू बोले-यह चुनाव मरने का नहीं ज़िंदा रहने की लड़ाई का इधर लालू यादव ने सोशल मीडिया के जरिए पीएम पर निशाना साधा है। मोदी सरकार आया तो लोकतंत्र खत्म हो जाएगा मोदी सरकार आया तो आरक्षण समाप्त कर देगा।मोदी सरकार आया तो युवा बिन नौकरी मर जाएगा मोदी सरकार आया तो तो नौजवान बिन रोजगार मर जाएगा। मोदी सरकार आया तो किसान अपना अधिकार मांगते मांगते मर जाएगा। मोदी सरकार आया तो इनके वर्षों से अधिक नफरत एवं विभाजन और अधिक बढ़ जाएगा।

भागलपुर में एंबुलेंस और ऑटो के बीच टक्कर, चार जख्मी

भागलपुर। भागलपुर में रविवार को एंबुलेंस और ऑटो के बीच टक्कर हो गई। हादसे में ऑटो सवार चार लोग जख्मी हो गए। घटना जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल के नौलखा गेट के पास की है। इधर, पुलिस ने घायल को इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया है। घायलों के अनुसार, एंबुलेंस रॉन्ग साइड से आ रही थी। इसी दौरान मनाली से सबौर की ओर जा रहे ऑटो में सामने से टक्कर हो गई। हादसे में एंबुलेंस और ऑटो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घायल ऑटो चालक मोहम्मद अली ने बताया कि ऑटो पर सवार पांच लोग थे। एंबुलेंस गलत दिशा से तेज रफ्तार से आ रही थी और इसी दौरान हादसा हुआ। हादसे की सूचना के बाद तिलकामांझी पुलिस मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस और ऑटो को जब्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

संक्षिप्त डायरी

समर्थकों से जमकर मतदान करने को कहा, 15 दिन की मिली है पैरोल

पटना। लोकसभा चुनाव के बीच मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह रविवार सुबह पैरोल पर जेल से बाहर आ गए हैं। उन्हें 15 दिन की पैरोल मिली है। जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने दावा किया कि मुंगेर से एनडीए प्रत्याशी और जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह 5 लाख वोट से जीतेंगे। उन्होंने अपने समर्थकों से जोरदार वोट करने को भी कहा है। बता दें कि एके-47 रखने के केस में पूर्व विधायक को 10 साल की सजा पटना की बेऊर जेल में काट रहे हैं। आज सुबह करीब 4.45 बजे वो जेल से बाहर निकले। जहां उनके समर्थकों की भारी संख्या में भीड़ मौजूद रही। जेल के बाहर आने पर अनंत सिंह का समर्थकों ने स्वागत किया है। बड़ी संख्या में उनके समर्थक पहुंचे और जेसीबी से फूलों की बारिश की। समर्थक शेरे बिहार जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। पटना से लेकर मोकामा के बीच भी कई जगहों पर स्वागत किया गया। इसी दौरान अपने समर्थकों से बात करते हुए उन्होंने ललन सिंह को लेकर बयान दिया। बता दें कि मुंगेर लोकसभा सीट पर 13 मई को होने वाली वोटिंग से पहले अनंत सिंह जेल से बाहर आए हैं। ऐसे वक्त में उनका जेल से बाहर आना बेहद अहम माना जा रहा है। जमीन बंटवारे को लेकर मिली पैरोल पारिवारिक बंटवारे को लेकर अनंत सिंह ने कोर्ट से पैरोल मांगी थी। 5 साल में पहली बार उन्हें पैरोल मिली है। अनंत सिंह के बाहर आने के दौरान जेल के बाहर और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अनंत सिंह की पत्नी नीलम सिंह वर्तमान में मोकामा से विधायक हैं और फिलहाल एनडीए के साथ हैं। मुंगेर चुनाव से पहले 'छोटे सरकार' बाहर अनंत सिंह को उनके इलाके में लोग छोटे सरकार के नाम से जानते हैं। वो कभी नीतीश कुमार के बेहद खास हुआ करते थे। बाद में राजनीतिक कारणों से सीएम से दूर होते चले गए और लालू यादव के करीबी हो गए लेकिन अब एक बार फिर अनंत सिंह एनडीए के पाले में हैं। माना जा रहा है कि अनंत सिंह भले ही खुले तौर पर चुनाव प्रचार ना भी करें, तब भी वह अपने स्तर से जेडीयू के लोकसभा उम्मीदवार और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को फायदा पहुंचा सकते हैं। मुंगेर में चौथे चरण में वोटिंग होनी है। मुंगेर में ललन सिंह के सामने बाहुबली अशोक सिंह की पत्नी अनीता सिंह मुंगेर का लोकसभा चुनाव इस बार दिलचस्प होनेवाला है। एनडीए की ओर से यह सीट जदयू के खाते में है। यहां से जदयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह उम्मीदवार हैं। वहीं, दूसरी तरफ महागठबंधन की ओर से राजद ने कुख्यात अशोक महतो की पत्नी अनीता देवी को टिकट दिया है। वह लखीसराय जिले के बंशीपुर गांव की रहने वाली हैं। 5 बार विधायक रह चुके हैं अनंत सिंह अनंत सिंह मोकामा 5 बार विधायक रह चुके हैं। उन्हें छोटे सरकार के नाम से भी जाना जाता है। 2005 में विधानसभा चुनाव से अपनी राजनीति की शुरूआत की थी। अनंत सिंह किसी जमाने में सीएम नीतीश कुमार के बेहद करीबी थे। लेकिन बाद में संबंधों में खटास आ गई। अब जदयू से दुबारा संबंध ठीक हो गया है। यही वजह है कि उनकी पत्नी नीलम देवी ने राजद कोटे से मोकामा से विधायक है, जो हाल में जदयू के साथ आ गई है। 14 दिन पहले बिगड़ी थी तबीयत करीब 14 दिन पहले अनंत सिंह की तबीयत बिगड़ गई थी। उन्हें किडनी से संबंधित समस्या के बाद पटना के आईजीआईएमएस में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया था कि अनंत सिंह को किडनी से जुड़ी समस्या है। उनका क्रिएटिनिन लेवल भी बढ़ा हुआ है। इससे पहले भी अनंत सिंह को करीब एक साल पहले पीएमसीएच के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उसे समय उन्हें सांस लेने की समस्याएं से जूझ रहे थे। साथ ही उन्हें शरीर में दर्द और उल्टियां हो रही थी। जिसके बाद आनन-फानन में उन्हें भर्ती कराया गया था। राजद के पूर्व विधायक की पत्नी अब जेडीयू के साथ अनंत सिंह की विधायकी खत्म होने के बाद उपचुनाव में उनकी पत्नी नीलम देवी ने राजद कोटे से मोकामा से ताल ठोंकी और वो वहां जीत भी गईं। लेकिन हाल ही में बिहार में हुए सत्ता परिवर्तन के दौरान नीलम सिंह ने पाला बदल लिया। वो राजद का साथ छोड़कर जदयू का साथ देने लगीं। फिलहाल मुंगेर से जदयू के लोकसभा कैंडिडेट ललन सिंह के लिए वो प्रचार प्रसार कर रही हैं। 10 साल सजा के बाद रद्द हुई थी सदस्यता मोकामा से आरजेडी विधायक रहे अनंत सिंह पर प्रतिबंधित हथियार अङ-47 रखने का आरोप साबित होने के बाद उन्हें कोर्ट ने 10 साल की सजा सुनाई है। जिसके बाद वह पटना के बेउर जेल में बंद है। साथी इसके बाद उनके पटना स्थित सरकारी आवास पर इंसास राइफल, मैगजीन और बुलेट प्रूफ जैकेट बरामद होने के मामले में भी वे दोषी पाए गए थे। आपराधिक मामलों होने के बाद जुलाई 2022 में अनंत सिंह की सदस्यता भी रद्द कर गई थी।

मां-बेटी के खाते से अवैध रूप से पैसा निकासी

जमुई। जमुई के झाझा थाना क्षेत्र के रजला गांव की दो महिला के साथ CSP संचालक द्वारा खाते से अवैध रूप से पैसे निकासी करने का मामला सामने आया है। दोनों पीड़ित महिला आपस में मां-बेटी बताई जाती है। इस घटना के बाद पीड़ित महिला ने झाझा थाना और साइबर थाना की पुलिस को आवेदन देकर मामले की जानकारी दी है। जानकारी के अनुसार झाझा थाना क्षेत्र की रजला गांव की रहने वाली बुर्जुग महिला जिरवा देवी का पीएम आवास योजना के तहत 40 हजार खाते में आया था। 7 हजार पूर्व में निकासी किया गया था। वहीं, खाते से 33 हजार की अवैध निकासी कर ली गई। वृद्ध महिला ने आवास बनाने के लिए गांव के सीएसपी संचालक अजय कुमार के पास फिंगर प्रिंट लगाया था। फिर बाद में जब पैसा निकालने के लिए सीएसपी गई तो उनके खाते में पैसे ही नहीं थे।

पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद पहुंचे सहरसा

सहरसा। बिहार के मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के सहरसा विधानसभा में पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद पहुंचे। यहां रविवार को मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र के जदयू उम्मीदवार दिनेश चंद्र यादव के साथ रोड शो में भाग लिए। रोड शो में मंत्री जदयू के रत्नेश सदा, जदयू विधायक गूंजेस्वर साह, बीजेपी विधायक डॉ.आलोक रंजन झा, बीजेपी जिलाध्यक्ष दिवाकर सिंह सहित कई NDA के नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे। वहीं, रोड शो में शामिल पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि विपक्ष हताशा में है। भारत के मतदाता को तय करना है कि देश के अगले प्रधानमंत्री कौन होंगे। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 10 सालों में अपने कुशल नेतृत्व से देश को ऊंचाई स्थान पर पहुंचने का काम किया है। लेकिन विपक्ष के पास प्रधानमंत्री का कोई चेहरा भी नहीं है। भारत के मतदाताओं को यह तय करना होगा कि वो विकासवाद की ओर जाएंगे या विनाशवाद के पक्ष में। स्पष्ट है कि पीएम मोदी के पक्ष में समाज का सभी तबका का लोग उनके साथ हैं। क्योंकि उन्होंने 10 सालों में भारत के विकास के लिए जिन योजनाओं को लागू किया है। आम मतदाताओं ने उसे महसूस किया है। उन्होंने ये भी कहा कि हमारे वरिष्ठ नेता बिहार सरकार के पूर्व मंत्री लगातार कोशी के विकास के लिए जिन्होंने लगातार संघर्ष किया है, दिनेशचंद्र यादव के पक्ष में मैंने देखा है पूरे मधेपुरा लोकसभा क्षेत्र में एक सकारात्मक और उत्साहपूर्ण माहौल है।

तेजस फाइटर बनाने वाले वैज्ञानिक के गांव की पहचान नाव

अभिषेक झा। दरभंगा से 45 किलोमीटर दूर दो तटबंधों के बीच बसा गांव। इस गांव से तेजस फाइटर जेट बनाने वाले वैज्ञानिक और पहली महिला पायलट बनी हैं, लेकिन फाइटर प्लेन को उड़ान देने वाले के गांव की पहचान नाव है। हम बात कर रहे है बाऊर गांव की। यह गांव कमला बलान के तटबंधों के बीच बसा है, जिसकी आबादी 5 हजार और मतदाता 3 हजार हैं। इस गांव के डॉ. मानस बिहारी वर्मा स्वदेशी तेजस फाइटर जेट बनाने वाले वैज्ञानिकों की टीम में शामिल थे। वहीं, पहली महिला पायलट बैच में शामिल भावना कंठ भी बाऊर गांव की ही हैं। इसके बावजूद गांव की स्थिति नारकीय है। चुनाव में भी बाढ़ या मूलभूत सुविधाएं मुद्दा नहीं बनता है। फाइटर प्लेन को उड़ान देने वाले गांव की पहचान नाव है। इसकी वजह है कि कमला बलान नदी के बीच बसे इस गांव में बरसात के समय नाव ही सहारा होता है। दैनिक भास्कर रिपोर्टर तटबंधों के बीच बसे गांवों का हाल जानने वहां पहुंचे। जानिए पूरी कहानी.. दो तटबंधों के बीच बसे गांव में घूमते हुए कई लोग मिले। इन लोगों से बात करते ही उसका दर्द छलक जा रहा था। वे कहते हैं गांव पर गर्व हमें भी है। मानस बाबू ने बीज रोपा था, आज भावना आकाश को चूम रही है। लेकिन, आकाश के नीचे जमीन भी है, उतरना यहीं है। ग्रामीण कहते हैं कि तटबंध निर्माण के समय गांव वालों से दावा किया गया था पुनर्वास का, लेकिन हम लोगों को अब तक दूसरे जगह बसाया नहीं गया है। मजबूरन हम लोग नदी की पेट्टी में रहने को मजबूर हैं। बरसात के दिनों में गांव टापू में तब्दील हो जाता है। सड़कें डूब जाती हैं। स्कूलों में पानी भर जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित होती है। स्थिति यह है कि यहां के स्कूलों में गर्मी छुट्टी के साथ-साथ बाढ़ की छुट्टी दी जाती है। 6 महीने बाढ़ से रहते हैं प्रभावित गांव के रहने वाले अशोक और सुमन मिलते हैं। वे कहते हैं, बरसात के दिनों में गांव टापू बन जाता है। हम लोग गांव छोड़कर तटबंध पर शरण लेते हैं। गांव में आने-जाने के लिए नाव चलती है। उन्होंने कहा कि फसलें बर्बाद हो जाती है। फूस के घर बह जाते हैं। दुधारू पशुओं की मौत हो जाती है। यह पीड़ा सालों साल से लगातार चली आ रही है। सबको पता है। यहां क्या समस्या है, लेकिन समस्या का निदान कोई नहीं निकाल रहा है। थोड़ी दूर आगे बढ़ने पर गांव के ही रमन यादव मिलते हैं। वे कहते हैं कि इस गांव में बाढ़ की समस्या भयंकर है। करीब 6 महीना गांव बाढ़ से प्रभावित रहता है। इस दौरान तटबंधों के बीच रहने वाले लोगों की परेशानी बढ़ जाती है। सरकारी पुनर्स्थापित करने का बार-बार आश्वासन देती है, लेकिन यहां इसका समाधान आज तक नहीं हो पाया है। तरुण लाल गुप्ता ने बताया कि कमला बलान नदी की पेट्टी में हम लोगों का गांव बसा है। हम लोगों ने यहां से पुनर्वास के लिए अंचल अधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगाई है। लेकिन, कहीं हम लोगों की कोई सुनवाई नहीं हुई। आगे वह अपने गांव की उपलब्धि मानस बिहारी वर्मा भावना कंठ को याद करते हुए कहते हैं कि इन लोगों के होने के बावजूद भी इस गांव की दशा जस की तस बनी हुई है। पहली महिला फाइटर प्लेन उड़ने वाली भावना कंठ के घर के सामने पहुंचे। वहां उनके चाचा अतुल वर्मा मिले। उन्होंने कहा कि इस गांव के लोग जैसे-तैसे अपना जीवन यापन करते हैं। देश के गौरव मानस बिहारी वर्मा इसी गांव के हैं, इसके बावजूद किसी का कोई ध्यान नहीं है। चुनाव के समय में नेता आते हैं। वादा करके चले जाते हैं। इसके बावजूद ना यहां अच्छी शिक्षा व्यवस्था है और ना यहां अच्छी सड़क है। कौन हैं डॉ. मानस बिहारी वर्मा डॉ. मानस बिहारी वर्मा 1986 में तेजस फाइटर जेट विमान बनाने वाले वैज्ञानिकों की टीम में शामिल थे। डॉ. मानस बिहारी वर्मा ने इस टीम में बतौर मैनेजमेंट प्रोग्राम डायरेक्टर के रूप में अपना योगदान दिया था। महिला फाइटर पायलट्स की पहली बैच में भावना कंठ वर्ष 2015 में ही केंद्र सरकार ने इंडियन एयरफोर्स में महिला फाइटर पायलट की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। दो चरणों की ट्रेनिंग के बाद भावना को वर्ष 2018 में पहली बार MIG-21 फाइटर प्लेन उड़ाने का मौका मिला।

विपक्ष के टूलकिट मुद्दों की निकली हवा

मृत्युंजय दीक्षित

जन-जन के आराध्य प्रभु राम को काल्पनिक कहने वाली कांग्रेस पहले तो मुद्दे को लटकाने और भटकाने के लिए जी जान लगाती रही, इसमें असफल रहने पर अपने मुस्लिम तुष्टीकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर बैठी। उसके बाद राहुल गांधी व विपक्ष के नेता जनसभाओं में बयान देने लगे कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दलित आदिवासी होने के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या में रामलला के दर्शन करके राहुल गांधी के इस झूठ का करारा उत्तर दिया। राम मंदिर के गर्भगृह में राष्ट्रपति की उपस्थिति ने कांग्रेस नेता के आरोप को बुरी तरह से धो डाला।

स्वतंत्रता के बाद देश में अभी तक जितने भी लोकसभा या विधानसभा चुनाव हुए हैं उनमें पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में बना गठबंधन हर दृष्टि से कमजोर नजर आ रहा है । जब से लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं ने प्रचार आरम्भ किया है तभी से राहुल गांधी व उनके प्रवक्ता तमाम मंचों पर केवल एक ही बहस कर रहे हैं कि अगर मोदी जी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो भाजपा संविधान को फाड़ कर फेंक देगी। दोबारा चुनाव नहीं। इसके अतिरिक्त यह लोग प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डीप फेक वीडियो वायरल कर झूठ फैला रहे हैं। शाह के वीडियो प्रकरण में गिरफ्तारी भी हुई हैं।

चुनाव प्रचार में जुटे प्रधानमंत्री मोदी ने इस फर्जी वीडियो प्रकरण को अपने पक्ष में मोड़कर मुद्दा बनाने में सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही। वो संविधान और आरक्षण के नाम पर विगत 70 साल में पिछली सरकारों ने जो किया उसे बेनकाब कर रहे हैं। विपक्ष वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आने के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का अभियान चला रहा है। बिहार में 2015 के विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच गठबंधन हुआ था तब इन दलों ने संघ के खिलाफ विष वमन किया था।

मायावती ने भी एक पुस्तक घर-घर बंटवाकर संघ को आरक्षण विरोधी करार करने की कोशिश कर चुकी हैं। अब समय बदल चुका है। यह 2024 की बदली हुई भाजपा और संघ है। दोनों दुष्प्रचार के प्रति पूरी तरह सतर्क और सशक्त हैं। इस बार कांग्रेस नेताओं का यह दांव जमीनी धरातल पर नहीं उतर पा रहा है। संघ ने साफ कर दिया है कि वह हमेशा संविधान सम्मत आरक्षण का पक्षधर रहा है।

संघ का मानना है कि जब तक सामाजिक भेदभाव है या आरक्षण देने के कारण हैं तब तक आरक्षण जारी रहे।

राहुल गांधी आजकल भाजपा को संविधान विरोधी साबित करने में दिन-रात एक किए हुए हैं जबकि वास्तविकता यह है कि अगर आज आम नागरिक अपने संविधान को जान रहा है, पढ़ रहा है और उसके अनुरूप आचरण करना चाह रहा है और उसके पीछे प्रधानमंत्री मोदी के प्रयास ही हैं। अब हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय संविधान को अब वेबसाइट पर आसानी से पढ़ा जा सकता है। नए संसद भवन के उद्घाटन और सेंगोल स्थापना के अवसर पर सदन के सदस्यों को भी संविधान की मूल प्रति दी गई ।

सच यह है कि संविधान का सत्यानाश कांग्रेस ने ही किया है। इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान में मूलभूत परिवर्तन करके उसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़कर उसकी आत्मा ही नष्ट कर दी। आपातकाल लगाकर अपनी विकृत तानाशाही मानसिकता का परिचय दिया। मनमर्जी से विपक्षी दलों की प्रदेश सरकारों को गिराया । कांग्रेस के कार्यकाल में संविधान एक परिवार का बंधक होकर रह गया था व एक धर्म विशेष का तुष्टीकरण कर रहा था। इसी प्रकार कांग्रेस अयोध्या में प्रभु राम की जन्मभूमि और उस पर बन रहे भव्य मंदिर के प्रति भी नकारात्मक रही है।

जन-जन के आराध्य प्रभु राम को काल्पनिक कहने वाली कांग्रेस पहले तो मुद्दे को लटकाने और भटकाने के लिए जी जान लगाती रही, इसमें असफल रहने पर अपने मुस्लिम तुष्टीकरण को मजबूती प्रदान करने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार कर बैठी। उसके बाद राहुल गांधी व विपक्ष के नेता जनसभाओं में बयान देने लगे कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दलित आदिवासी होने के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अयोध्या में रामलला के दर्शन कर-के राहुल गांधी के इस झूठ का करारा उत्तर दिया। राम मंदिर के गर्भगृह में राष्ट्रपति की उपस्थिति ने कांग्रेस नेता के आरोप को बुरी तरह से धो डाला। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने राहुल के बयान को मिथ्या बताया।

राहुल गांधी अपनी जनसभाओं में यह आरोप भी लगा रहे हैं कि वहां कोई गरीब, महिला, किसान और युवा दर्शन के लिए नहीं गया। सच यह है कि अब तक दो करोड़ से अधिक लोग राम मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। इसके अलावा हताश कांग्रेस और विपक्ष बार-बार अपनी पराजय का बहाना खोजने के लिए ईवीएम पर ही संदेह पैदा कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक गए। वहां से मिले जवाब से बोलती बंद हो गई है। जब कुछ नहीं मिला तो कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड को लेकर विपक्ष ने प्रधानमंत्री की छवि को खराब करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया है। एक टूल किट की तरह इन आभासी मुद्दों को बार-बार सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर उठाया जा रहा है । अपने झूठे और फरेबी टूल किट की वजह से वह गहरे दलदल में फंसता जा रहा है। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

सांप्रदायिक विचारों की लामबंदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कांग्रेस पर हमले के अभियान में पाकिस्तान एक नया कनेक्शन है। हालांकि शुरू आती चुनाव से ही पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध खतरे के रूप में चिह्नित किया जाता रहा है। ताजा आरोप है कि पाकिस्तान शहजादेइ यानी राहुल गांधी की ताजपोशी के लिए बहुत उछल रहा है। यह चुनाव को प्रभावित करनेइ का एकरेखीय आरोप नहीं है, जैसा कि चीन-रूस के बारे में अमेरिका का होता है। प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान की राहुल में दिलचस्पी के दुष्परिणामों को आंतरिक और बाह्य, दोनों स्तरों पर दिखाते हैं। इससे देश में इस्लामिक

जेहाद-आतंकवाद जोर पकड़ेगा, राष्ट्रीय एकता-अखंडता खंडित होगी, सुरक्षा-व्यवस्था कमजोर पड़ेगी और नागरिकों को भुगतना पड़ेगा। यह कांग्रेसी राज का दुर्भाग्यपूर्ण फिनोमिना रहा है। इससे भारत की चहुंदिस जारी वैश्विक प्रगति भी थम जाएगी। रिकॉर्ड्स पर टिके मोदी के इस आकलन से शायद हीअसहमति होगी। पाकिस्तान से दो-दो लड़ाइयां जीतने के बावजूद कांग्रेसी हुकूमत के बनिस्बत मोदी की सुरक्षा व्यवस्था निस्संदेह पुख्ता है-कश्मीर में आतंकवाद की छिटपुट वारदात के बावजूद। घर में घुस कर मारनेइ की बात अब चेतावनी नहीं होती। इसलिए दुश्मन में दहशत पैदा करती हैं। पर क्या पाकिस्तान वास्तव में इस हालत में रह गया है कि वह आज के भारत को नुकसान पहुंचा सके? आतंक के मोर्चे पर यह आज भी सही है। इसलिए ही, पाकिस्तान आम भारतीयों में अलगाववाद और खून-खराबे के जेहाद का नाम है। इसका केवल चुनाव के समय ही नहीं, बाकी दिनों में भी किया गया उल्लेख अधिकतर भारतीयों के विचारों को ध्रुवीकृत कर देता है। ऐसे में इंडिया गठबंधन की सपा प्रत्याशी की वोट जेहाद की अपील, जो एक सांप्रदायिक विचारों की लामबंदी से है, बहुसंख्यक मतों का ध्रुवीकरण कर सकती है। मोदी इन मुद्दों का फायदा उठाना चाहते हैं। आरक्षण और संविधान, जो चुनाव में अंडरकरंट मुद्दे हैं, उनमें भी मत-विभाजन का लाभ चाहते हैं। इस मामले में बैकफुट पर चल रहे मोदी को कांग्रेस पर हमले के नये तर्क मिल गए हैं। वे उसके अल्पसंख्यक-प्रेम को ओबीसी कोटे की हकमारी बताते हैं। अब ऐसा नहीं होगा, इसकी वे कांग्रेस से लिखित गारंटी चाहते हैं। यह भय का वैसा ही तर्क है, जैसा कांग्रेस जनमानस में बिठा रही है कि मोदी आए तो लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण कुछ भी नहीं बचेगा।

सूक्ति

धर्म करते हुए मर जाना अच्छा है पर पाप करते हुए विजय प्राप्त करना अच्छा नहीं।

– महाभारत

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।(कर्म करने में ही तुम्हारा अधिकार है, फल में कभी भी नहीं)

– गीता

चिंतन-मनन

नफरत का बोझ

बहुत पुरानी कथा है। एक बार एक गुरु ने अपने सभी शिष्यों से अनुरोध किया कि वे कल प्रवचन में आते समय अपने साथ एक थैली में बड़े-बड़े आलू साथ लेकर आएं। उन आलुओं पर उस व्यक्ति का नाम लिखा होना चाहिए, जिससे वे नफरत करते हैं। जो शिष्य जितने व्यक्तियों से घृणा करता है, वह उतने आलू लेकर आए। अगले दिन सभी शिष्य आलू लेकर आए। किसी के पास चार आलू थे तो किसी के पास छह। गुरु ने कहा कि अगले सात दिनों तक ये आलू वे अपने साथ रखें। जहां भी जाएं, खाते-पीते, सोते-जागते, ये आलू सदैव साथ रहने चाहिए। शिष्यों को कुछ समझ में नहीं आया, लेकिन वे क्या करते, गुरु का आदेश था। दो-चार दिनों के बाद ही शिष्य आलुओं की बदबू से परेशान हो गए।

जैसे-तैसे उन्होंने सात दिन बिताए और गुरु के पास पहुंचे। सबने बताया कि वे उन सड़े आलुओं से परेशान हो गए हैं। गुरु ने कहा- यह सब मैंने आपको शिक्षा देने के लिए किया था। जब सात दिनों में आपको ये आलू बोझ लगने लगे, तब सोचिए कि आप जिन व्यक्तियों से नफरत करते हैं, उनका कितना बोझ आपके मन पर रहता होगा। यह नफरत आपके मन पर अनावश्यक बोझ डालती है, जिसके कारण आपके मन में भी बदबू भर जाती है, ठीक इन आलुओं की तरह। इसलिए अपने मन से गलत भावनाओं को निकाल दो, यदि किसी से प्यार नहीं कर सकते तो कम से कम नफरत तो मत करो। इससे आपका मन स्वच्छ और हल्का रहेगा। सभी शिष्यों ने वैसा ही किया।

राजनीति - वार पर वार करने से क्या फायदा ?

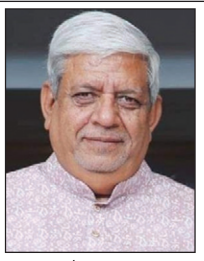

राकेश अचल

अजब राजनीति है ,गजब राजनीति है। आज की राजनीति में राजनीति पर बात ही नहीं हो रही। राजनीति पर बातचीत के अलावा हर विषय पर बात हो रही है। और तो और अब काल्पनिक उपाधियाँ राजनीति का विकल्प बन गयीं है विमर्श के लिए। राजनीतिक दलों को एक -दूसरे पर वार करते देख हमारे पड़ौसी पाकिस्तान ने भी हमारी सेना पर आतंकी हमला कर दिया । क्योंकि वार प्रति वार में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी बार-बार पाकिस्तान को घसीट रहे थे ,जबकि बेचारा पाकिस्तान अपनी ही समस्याओं से बाहर निकल नहीं पा रहा है। बात शरू करते हैं उपाधियों से। माननीय नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी जी ने कांग्रेस के नेता माननीय राहुल राजीव गांधी को शहजादे कहना शुरू किया तो कांग्रेस दस साल तो मौन रही लेकिन अब शाहजादे की सहोदरा प्रियंका ने मोदी जी को ही शंहशाह बताना शुरू कर दिया है। प्रियंका कहतीं है कि उनके भाई ने तो पैदल 4 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत को जोड़ने की कोशिश की है लेकिन शंहशाह माननीय नरेंद्र भाई मोदी महलों में रहते हैं। आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है ? एकदम साफ सुथरा सफेद कुर्ता, एक दाग नहीं है धूल का। एक बाल इधर से उधर नहीं होता है। वो कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दलदल में धंसे हुए हो. महंगाई से आप दब चुके हो. हर तरफ महंगाई, मेरी बहनें... मिट्टी का तेल आज कितने का है? सब्जी खरीदने जाती हो,मिलती है क्या? भाव क्या है उसका ?

आपको बता दूँ कि जैसे मै टीवी पर नेताओं के दर्शन नहीं करता, उनके प्रवचन नहीं सुनता वैसे ही अखबारों में भी नेताओं की बातों पर ध्यान नहीं देता । मै नौन,तेल ,लकड़ी से ही नहीं उबर पाता फिर भी सबकी बातें कानों में पड़ ही जातीं हैं। मै कभी-कभी सोचता हूँ कि यदि राहुल गांधी शाहजादे हैं तो फिर अम्बानी और अडानी के तो जिल्लेइलाही से बढ़कर ही होंगे,क्योंकि उनके पास तो राहुल गाँधी और नरेंद्र भाई मोदी से ज्यादा धन-दौलत है । अडानी और अम्बानी तो कभी देश जोड़ने सड़कों पर नहीं निकलते। उन्हें तो देश में नौन ,तेल,लकड़ी आटा का भाव मालूम नहीं होगा !

हमारे देश की जनता बड़ी भोली-भाली है ,आजकल तो आधी जनता अंधभक्ति में भी डूबी है। जनता माननीय मोदी जी की बात पर भरोसा कर जैसे राहुल गांधी को शाहजादा नहीं मान रही मुझे लगता है कि प्रियंका के कहने पर मोदी जी को शहंशाह नहीं मानेगी।बकौल मोदी जी कांग्रेस और कांग्रेस के नेता विश्वास खो चुके हैं। इस समय देश में शहंशाह तो हमारे अमिताभ भाई बच्चन ही हैं। हाँ मोदी जी राजनीति के शहंशाह हो सकते हैं ,क्योंकि उनके पास सब कुछ है लेकिन एक अदद साइकल नहीं है।अब तो माँ भी नहीं है । पत्नी को वे पहले ही त्याग चुके हैं भारत में जिस देश के पास साइकिल भी न हो,माँ न हो ,पत्नी न हो उसे शहंशाह कहना भारत में शहंशाह रहे तमाम शंशाहों की तौहीन है। खुला अपमान है। बहरहाल दाल-भात में मूसलचंद की तरह माननीय मोदी जी ने जब बार-बार पाकिस्तान को भारत के चुनावों में घसीटा तो वो सचमुच भारत आ ही गया । पाकिस्तान के आतंकवादियों ने पूंछ में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमला कर दिखा दिया कि पाकिस्तान के आतंकी किसी 56 इंच के सीने वाले से नहीं डरते। पाकिस्तान को इस हिमाकत की सजा मिलना चाहिए। मुमकिन है कि मतदान का तीसरा चरण पूरा होते-होते ये छोटा सा आतंकी हमला पुलवामा काण्ड की तरह बड़ा स्वरूप ले ले। भले ही ये सब देशहित में नहीं होगा लेकिन इससे सत्तारूढ़ दल की डूबती नाव तो बचाई जा सकती है। मुझे कभी -कभी आशंका होती है कि मोदी जी राहुल की तरह बार-बार पाकिस्तान को भी उकसाते रहते हैं कि -आ बैल मुझे मार मोदी जी सनातनी आदमी हैं। सनातन को मानते हैं लेकिन केंद्रीय चुनाव आयोग को नही। वैसे ये उनके मन की बात है । पिछले दिनों जब इसरो के वैज्ञानिकों ने अपना तमाम कामकाज छोड़कर माननीय के निर्देश पर रामलला को सूर्यतिलक कराया था तब माननीय मोदी जी आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए अयोध्या नहीं गए था । उन्होंने अपने हैलीकाप्टर में ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बाकायदा अपने जूते उतारकर इस दृश्य को देखा था। लेकिन अब मोदी जी का मन बदल गया है। वे उत्तरप्रदेश में राहुल गांधी की वापसी के बाद अयोध्या जाकर न सिर्फ वहां रोड शो करेंगे बल्कि रामलला के दर्शन भी करेंगे । अब किसी आदर्श आचार संहिता का उललंघन नहीं होगा। हो भी जाये तो कौन परवाह करता है।? रामलला बड़े कि केंचुआ ? संयोग से हमारे देश की आदर्श चुनाव संहिता में चुनाव प्रक्रिया के चलते दल-बदल करने पर कोई रोक नहीं है। इसी का लाभ लेते हुए भाजपा कांग्रेस के हाथों से उनके बम ही नहीं छुड़ा रही बल्कि फेयर एंड लवली को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से नहीं हिचक रही। एन मतदान के दिन तक दल-बदल स्वीकार कर रही है । मियाँ-बीबी राजी तो क्या करेगा काजी ? कांगेसी यदि भाजपा में शामिल हो रहे हैं तो मोदी जी क्या करें ? शरणार्थी को वापस लौटा दें ? ये तो राजधर्म नहीं है न ? राम जी ने कभी बिभीषण और उसके बाद आने वाले राक्षसों को वापस लौटाया था क्या ? अर्थात रामभक्त और रामदास भाजपा का शरणार्थी शिविर खुला था सो खुला ही रहेगा कांग्रेसियों के लिए। कांग्रेस में जब भी किसी का दिल टूटे,उपेक्षा हो तो वो बेधड़क भाजपा में शामिल हो सकता है। भाजपा का कांग्रेसीकरण ही भाजपा कि प्राथमिकता है। कांग्रेसियों को शासन करने और भ्ष्टाचार करने में महारत हासिल है और भाजपा को इसकी सख्त जरूरत है चार सौ पार करने के लिए। माननीय मोदी जी कितने दरियादिल हैं इसका उदहारण हाल ही में देखने में आया। माननीय मोदी जी ने बिहार में विहार करते हुए दरभंगा में पूर्व केंद्रीय मंत्री लालू प्रसाद के बेटे तेजस्वी यादव को भी शाहजादे की उपाधि दे दी। ठीक वैसे ही जैसे कि -जो संपति सिव रावनहि, दीन्हि दिएँ दस माथ।. सोइ संपदा बिभीषनहि, सकुचि दीन्हि रघुनाथ। मोदी जी आखिर मोदी जी हैं। किसी को भी राजा और किसीको भी रंक बना सकते हैं। अरविंद केजरीवाल को ही देख लीजिये। हेमंत को देख लीजिये। इधर अडानी को देख लीजिये ,अम्बानी को देख लीजिये। प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं। मोदी जी कि दरियादिली का लाभ पूर्व संसद बृजभूषण सिंह के बेटे को भी मिला और पंडित टैनी के बेटे को भी। मै इस आधार पर कह सकता हूँ कि जितना समाजवाद भाजपा में है उतना किसी और दल में नहीं। मुझे भी 7 मई को मतदान करने जाना है। सोच रहा हूँ कि मैं भी किसी शाहजादे कि तरह वोट डालने जाऊं । हालांकि मै शाहजादा नहीं हू। मेरे पिता सरकारी अफसर जरूर थे। हाँ मैंने कभी चाय नहीं बेचीं। शाहों के लड़के चाय बेचते भी नहीं हैं। वे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को कंट्रोल करते हैं। कुल जमा ये कि आप इस उठापटक के बीच 7 मई को तीसरे चरण के मतदान में निष्ठा से हिस्सा लीजिये। आपको शहंशाह चुना है या जिल्लेइलाही ? ये आप खुद तय करें ?

चुनाव में सभी दलों की निगाहें युवाओं पर टिकी

अगर लोकतंत्र के महायज्ञ की बात करें तो समारोह की घोषणा 28 मार्च को माननीय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुरू हो गया मुख्य चुनाव आयुक्त ने 2024 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जो 19 अप्रैल से 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात चरणों में होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात तारीखों पर मतदान होगा, जबकि जम्मू और कश्मीर में पांच चरणों में मतदान होगा, सात जिलों में मतदान की प्रक्रिया 19 अप्रैल को खत्म हो गई और 1 जून तक सभी सात जिलों में मतदान पूरा हो जाएगा। । पूरे देश में वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 4 जून दोपहर तक नई सरकार की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। सत्ता की चाभी विशेषकर महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के हाथ में लगती दिख रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, युवा मतदाताओं की मुखरता नतीजों में झलक रही है। लोकसभा के पिछले दो चुनावों में वह युवा मतदाताओं यानी श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं। हालाँकि, जिन देशों में क्षेत्रीय दल और सरकारें सत्ता में रही हैं, उनमें युवाओं ने क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी है। इसका कारण यह नहीं है कि युवा भाजपा के समान ही हैं, बल्कि युवा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक दलों का स्तर भी अलग-अलग स्तर पर देखा गया है। युवा और महिला मतदाताओं ने वोट देने की पहल की है और इसमें कोई संदेह नहीं है, 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाएं और युवा भाजपा के लिए मजबूत मतदाता पाए गए हैं। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे जटिल लोकतंत्र है। मतदाताओं की बहुसंख्यक आबादी, विविधताएं और भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, खासकर चुनाव आयोग और चुनाव आयोग के लिए। लेकिन हमें गर्व है कि हमारा चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली दुनिया के देशों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। दुनिया, उसके देश और हमारी सरकार व चाहतों पर नजर रहती है। पहले चुनावों ने देश में पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है और दुनिया भर के लोग हमारे चुनावों और मतदान के साथ-साथ मतगणना में भी रुचि रखते हैं। वे देखने और समझने आते हैं। पूरी दुनिया, देशों की नजर हमारे सपनों पर रहती है। यहां खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए, इसलिए प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा बंद व्यवस्था की आलोचना की गई है। मतदाता मतदान आसान, सुलभ हो गया है और राजनीतिक दलों या अन्य बाहरी प्रभावों पर मतदाताओं की निर्भरता समाप्त हो गई है। जबकि दुनिया के अन्य देशों में लोकतंत्र समान है, हमारे इंडिया में कुल मतदाताओं की तुलना में 18 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाता अधिक हैं। इसके अलावा 26 से 35 वर्ष तक के मतदाता भी युवा और युवा वर्ग की श्रेणी में आते हैं। हमारे देश में विश्व के सबसे अधिक मतदाता संख्या वाले देशों की कुल संख्या से भी अधिक मतदाता हैं। इस साल 18वीं विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में 98।6 फीसदी मतदाता हिस्सा लेंगे, जबकि यूरोपीय संघ में 40 फीसदी, इंडोनेशिया में 20।4 फीसदी, अमेरिका में 16 फीसदी और पाकिस्तान में 12।8 फीसदी मतदाता होंगे। वह एक बिगड़ैल वोटर हैं।जो धर्म के नाम पर चुनाव का नतीजा तय करती है खैर, यह अलग बात थी, लेकिन लोकसभा में पहले दो मुकाबलों के नतीजों से यह साफ हो गया कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया, वही सरवेरा बन गया। दिलचस्प बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में यह विश्वास ही नई सरकार की कुंजी है, खासकर भारत सरकार को मजबूत करने में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी। रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के मुताबिक, 18वीं लोकसभा के चुनाव में 543 सीटों के लिए 96।8% पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 82 लाख नए पंजीकृत मतदाता हैं, 47।15 लाख महिला मतदाता हैं और 49।7 नए पंजीकृत मतदाता हैं। जहां 17वीं लोकसभा चुनाव में लगभग 1।5 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे, वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव में 1।82 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे। वे क्या उपयोग करेंगे? दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को दो श्रेणियों यानी 18 से 25 साल और 26 से 35 साल में बांटकर वोटिंग प्रतिशत का आकलन और विश्लेषण किया गया था। बात यह है कि युवाओं में, समाज के दोनों वर्गों में भाजपा और कांग्रेस की तुलना में मतदान का अंतर बहुत अधिक था। 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 साल के 44 फीसदी युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया, जबकि 26 से 35 साल के 46 फीसदी युवाओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों आयु वर्ग में 26-26 फीसदी मतदाताओं ने ब्रिटिश प्रेस पर भरोसा जताया, जबकि 28 से 30 फीसदी युवाओं ने दूसरी पार्टियों पर भरोसा जताया। लेकिन अलगयुवा युवाओं के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच विश्वास को लेकर कोई बड़ी बात नहीं है और यहां बताया गया है कि वे बीजेपी और नरेंद्र मोदी को क्यों पसंद करते हैं?क्योंकि वो मजबूत चेहरा के रूप में श्री नरेंद्र मोदीजी और उप्र के मुख्य मंत्री योगीजी उभरे हैं। 2019 में वोट बंटवारे से यह भी स्पष्ट हो गया कि विपक्षी दलों में बिना पेंदी के लोटा जैसा है और सभी पार्टियों के मन में प्रधानमंत्री का सपना है। चाहे युवा हों, महिलाएं हों या नए मतदाता हों, तीनों ही श्रेणियों में बीजेपी को कांग्रेस के मुकाबले बहुत ज्यादा समर्थन मिला है।क्योंकि कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रही है और जिस तरह श्री राहुल गाँधी की भाषा पब्लिक के सामने आई है वो नहीं चाहती है देश और भी संकट में जाए इससे यह स्पष्ट होता है कि 2024 का चुनाव युवाओ और महिलाओ के कारण दिशा तय करेंगी इस शताब्दी के पूर्वार्ध में अनुमानित जनसंख्या वृद्धि चुनौतीपूर्ण है। अनुमान के आधार पर, मध्य शताब्दी तक 9 से 10 अरब लोग होंगे। वर्तमान जनसंख्या केवल 7 अरब से कम है, जिसका अर्थ है कि इस सदी की शुरूआत से मध्य तक लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोई विशेष मॉडलों की सापेक्ष सटीकता पर बहस कर सकता है, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि आने वाले दशकों में खिलाने के लिए कई और अधिक मुंह होंगे। आईटी ने मानव प्रयास के कई अन्य पहलुओं को बदल दिया है और व्यापक सामाजिक आवश्यकताओं का जवाब देने के लिए सिस्टम बनाने में मदद की है। दरअसल, परिवहन, संचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियाँ बुनियादी कार्यों को करने के लिए भी पूरी तरह से आईटी पर निर्भर हैं। हालाँकि, सूचना और इसके स्वचालित तकनीकी अवतार ने कृषि को समान स्तर पर प्रभावित नहीं किया है। कृषि का महत्व कृषि एक प्रमुख क्षेत्र है जो आधुनिक मनुष्य के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पौधे खाद्य श्रृंखला में उत्पादक हैं, और उनके बिना, जीवन चक्र संभव नहीं होगा। कृषि उपज, हालांकि अन्य खाद्य स्रोतों की तुलना में अच्छा है या खराब ये किसान आंदोलन से नहीं किसानों के वोट तय करेंगे किसान अपने फसलों का उपयोग कई खाद्य स्रोतों को स्वयं या उप-उत्पादों जैसे ब्रेड, पाउडर, अन्य वस्तुओं में कार्बनिक योजक आदि के माध्यम से उत्पादित करने के लिए किया जाता है। कृषि से प्राप्त उपज एक देश से दूसरे देश में व्यापार को बढ़ाती है, किसानों के लिए आय लाती है, अन्यथा बेकार पड़ी भूमि का उत्पादक उपयोग करती है, और मेज पर भोजन लाती है। यह हर किसी के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि इसे प्रत्यक्ष कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि उपज उन सभी के हाथों तक पहुंचने से पहले एक लंबा रास्ता तय करती है जो इससे लाभान्वित होते हैं। भारतीय कृषि भारत की जीडीपी में 18।6 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 59 प्रतिशत भारतीय कृषि क्षेत्र से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। समाज के लिए इसके महत्व के कारण, इसे समय के साथ विकसित होना चाहिए और आधुनिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समायोजित होना चाहिए। कृषि प्रगति को बेहतर बनाने में मदद के लिए आईटी को अपनाने और उसका उपयोग करने से, इन क्षेत्रों के मिलन से सभी को लाभ होता है। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में हमारे राज्य ने पिछले पांच वर्षों में चौथी बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है।

– संजय गोस्वामी

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Politics of new and old dynasts

DYNASTIC politics is hogging the headlines and dominating the exchange of abuses at election rallies. What is on display are families investing their political capital earned over generations to grab and accumulate more power. In a social milieu where public office instantly gets translated into brute power and ill-gotten wealth, politics is enterprise and politicians its biggest entrepreneurs — from district-level wannabes to state satraps to the mighty monarchs holding sway over vast swathes of the nation.Otherwise, Karan Bhushan Singh, Prajwal Revanna and Rahul Gandhi's Raebareli candidature would not have seized disproportionate news space and TV time. The three are representative examples of dynasty in Indian politics not just at the three levels — local, regional and national — but also because they belong to three different kinds of political formations. One is from a purely family-based national political enterprise, the second belongs to a caste-based family outfit limited to a state and the third is from a cadre-based ideological organisation that professedly propagates cultural nationalism and worships the idea of Bharat Mata.And they all practise the same politics of patriarchal inheritance of power. Not only these three, but across the country from Kashmir to Kanyakumari, Indian politics is dominated by inheritors — while Omar Abdullah is a successful third-generation former J&K Chief Minister, MK Stalin is a sitting second-generation Tamil Nadu CM. In almost all states, dynasties have struck roots, whatever be the nature of the ideology that has nurtured the organisation — linguistic nationalism for the DMK or the anti-feudal, pro-nationalist stance of the National Conference or the Maharashtrian-first strong-arm tactics of Shiv Sena or Yadav empowerment for the Rashtriya Janata Dal/Samajwadi Party or Dalit emancipation of the Bahujan Samaj Party.

This widespread phenomenon is best explained by the candidature of Karan Bhushan, son of BJP MP Brij Bhushan Sharan Singh. The latter is one of the most controversial contemporary political figures, who was accused and later acquitted in the sensational JJ Hospital shootout case of the 1990s, involving the Dawood Ibrahim gang. He has brought a bad name not only to the BJP, but also to the administration of Indian sports, drawing accusations of molestation from women wrestlers. Yet, he has been able to control his pocket borough by getting his son nominated from Kaiserganj on the BJP ticket. Why?

Even a cadre-based organisation cannot afford to discount the political capital that a local strongman builds over the years. In a tight contest where every seat counts, electability trumps organisational principles. Reportedly, Brij Bhushan controls 54 educational institutions across four districts of Uttar Pradesh. So, it is not even a question of one constituency, but influence over three-four seats and a dominant caste. These are individuals who, with their feudal intervention in the social and economic life, build a local connect and turn it into political capital, which later becomes an instrument of inheritance.

Prajwal is the grandson of former Prime Minister HD Deve Gowda and the inheritor of the family's pocket borough, Hassan. When the BJP struck an alliance with the Janata Dal (Secular) for the 2024 Lok Sabha polls, it had to shoulder the burden of this controversial MP. In fact, Gowda Sr had vacated this safe seat for the sake of his grandson and contested and lost Tumakuru in 2019. The need for stitching an alliance had blinded the BJP to the glaring allegations of sexual assault against Prajwal, levelled by Karnataka BJP leader Devaraje Gowda in a letter in December 2023 to state BJP president BY Vijayendra, whos himself is a dynast — former CM BS Yediyurappa's son.

Even the ruling Congress in Karnataka, it seems, dithered while filing a case against Prajwal, waiting for polling in constituencies dominated by Vokkaliga (Deve Gowda's community) to get over on April 26. This is the strength of identity politics that becomes the stable foundation for these enterprising clans to build their political careers, which in the course of time accrue enough political principal to start yielding interest for the newer, idler generations.

Blinken's China visit brings to the fore bilateral tensions

There was little evidence of Beijing trying to create a favourable atmosphere for the talks, despite senior Chinese officials calling for constructive China-US relations.

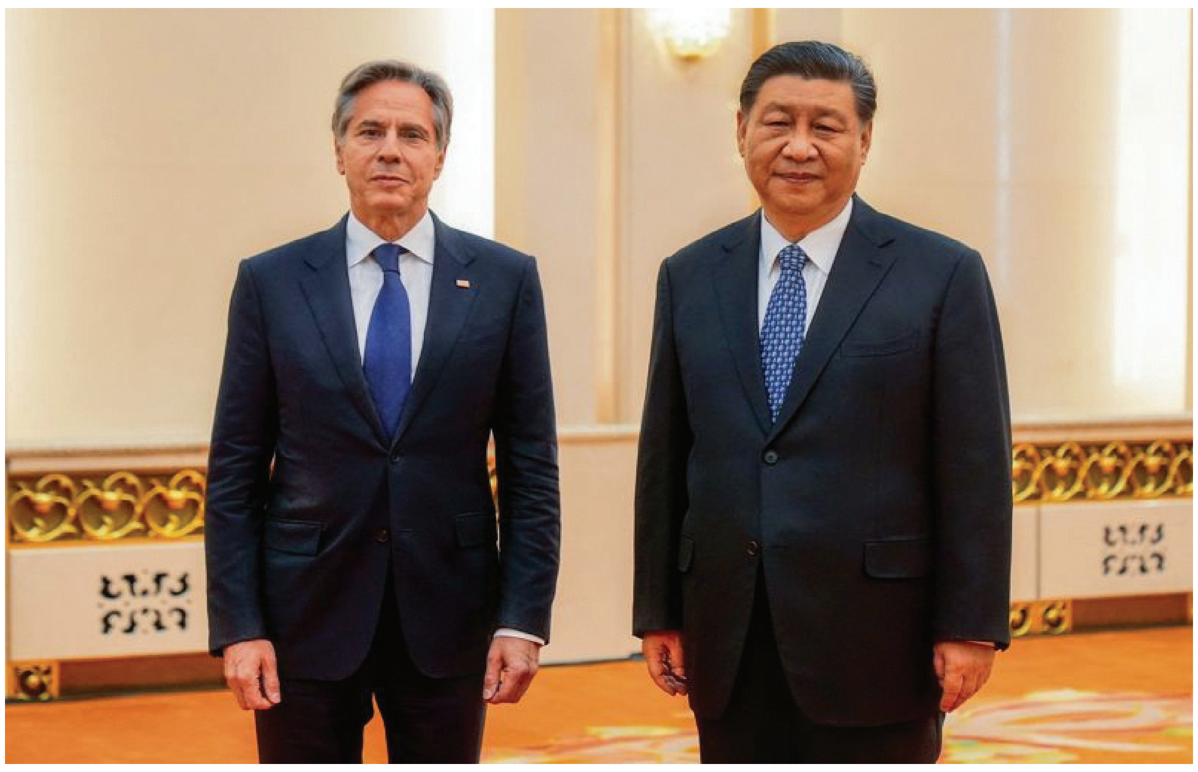

THE US Secretary of State, Antony Blinken, met Chinese President Xi Jinping, Foreign Minister Wang Yi and, quite unusually, China's Minister of Public Security Wang Xiaohong during his three-day visit to Beijing and Shanghai from April 24 to 26. However, it was an unsuccessful attempt to arrest the slide in bilateral relations, even as he reiterated the US 'red lines'. This was Blinken's second trip to China in 10 months; he is the senior-most official of the Joe Biden administration to visit the country.Not without an obvious design, Blinken's visit took place in the backdrop of reports that Washington was identifying Chinese banks — from a list of 100 — that should be sanctioned for aiding Russia in its war with Ukraine. More disconcerting for China would be the reports that US authorities had also begun compiling lists of Chinese Communist Party cadres and their assets in the US and the West that could be covered by sanctions. The visit also coincided with the US authorising a $95-billion war aid package to Ukraine, Israel and Taiwan.During the meetings in Beijing, China clearly conveyed that it was not prepared to yield ground and make concessions. It used the visit to set out its 'red lines', restate its ambitions and signal that it had serious reservations about the US claims that it wants to stabilise relations and doesn't want to challenge China's core interests or prevent its growth. The Dragon has been particularly apprehensive of America's efforts to 'friendshore' manufacturing to 'trusted' partners.

Blinken's visit came amid repeated attempts by US President Biden to reduce tensions. Chinese and US military and diplomatic officials have held numerous meetings in addition to at least 20 ongoing talks between the two countries. At the senior level, US Treasury Secretary Janet Yellen visited (April 4-9) Guangzhou and Beijing for talks with China's senior-most finance officials to address concerns that Washington was trying to prevent Beijing's growth. US Defence Secretary Lloyd Austin and China's new Defence Minister, Dong Jun, had their first video talks last month, in which the latter "underscored that the Taiwan question is at the core of China's core interests, which brook no compromise". Early last month, Chinese Vice-Minister of Commerce Wang Shouwen travelled to Washington for the first meeting of a working group on bilateral trade, where he highlighted China's concerns over the imposition of Section 301 tariffs by the US and associated inquiries against Beijing and demanded that both must manage their disputes and increase collaboration.

On the day prior to Blinken's arrival in Shanghai, Yang Tao, the head of China's department for US and Oceania, appeared to set the stage in a lengthy, strongly worded briefing to journalists. He appeared to focus on negative factors in Sino-US relations and accused America of continuing to 'contain China', interfering in its internal affairs and harming its interests. There was particular focus on Taiwan, which he described as "the first insurmountable red line in Sino-US relations" and "the biggest threat to peace and stability across the Taiwan Strait". He also warned that "the Asia-Pacific region is not anyone's back garden and should not become a battleground for major powers". His briefing provoked questions in the US about the need for Blinken to visit Beijing.Blinken and Chinese Foreign Minister Wang Yi had nearly five-and-a-half hours of talks, during which the latter spoke entirely from a prepared text. His remarks largely echoed Yang Tao's comments. Wang Yi also said that "negative factors in Sino-US relations are still rising and accumulating". He said that "China's legitimate right to development is being unreasonably suppressed" and its core interests are being challenged. He further emphasised that the US should not interfere in China's internal affairs, suppress its development or step on its 'red lines' regarding its sovereignty, security and development interests.

In his remarks to journalists, Blinken noted that the first US-China talks on artificial intelligence would be held within weeks. He also observed that since there are fewer than 900 Americans studying in China compared to more than 2,90,000 Chinese students in the US, their number should be increased.

He stressed that the US was "very clear-eyed about the challenges posed by the PRC (People's Republic of China) and about their competing visions for the future" and asserted that America "will always defend our core interests and values". He said he had conveyed serious concerns about China providing components that are "powering Russia's brutal war of aggression against Ukraine". He told Beijing that it cannot achieve better relations with Europe while supporting the greatest threat to European security since the end of the Cold War and "made clear that if China does not address this problem, we will". He also expressed concern about Beijing's unfair trade practices and the potential consequences of industrial overcapacity. Blinken discussed China's 'dangerous actions' in the South China Sea and reaffirmed that US "defence commitments to the Philippines remain ironclad". He emphasised the maintenance of peace and stability across the Taiwan Strait and raised the issues of Hong Kong, Xinjiang, Tibet and the wrongful detention of American citizens.

Both sides used Blinken's visit to bluntly spell out their respective concerns. Taiwan figured extensively in the talks, with the Chinese robustly declaring it their inviolable 'red line'. Notably, 22 Chinese fighter aircraft flew over the Taiwan Strait soon after Blinken's departure. There was little evidence of Beijing trying to create a favourable atmosphere for the talks, despite senior Chinese officials calling for constructive China-US relations and the two countries avoiding action that could damage the relationship.

Manipur's ordeal

Year after clashes erupted, it's time to heal wounds

MANIPUR has been in the throes of an ethnic crisis ever since clashes broke out on May 3 last year. A 'Tribal Solidarity March' organised that day in protest against the majority Meitei community's demand for Scheduled Tribe status had triggered clashes between the valley-based Meiteis and the tribal Kukis, who live in the hills. The conflict has claimed more than 200 lives and displaced thousands of people in the BJP-ruled state. Both the Central and state governments have neither been able to resolve the differences between the warring communities nor restore peace and normalcy. Despite an incessant clamour for the removal of Chief Minister N Biren Singh over alleged misgovernance and incompetence, the BJP has stubbornly persisted with him.

In his address on Independence Day last year, Prime Minister Narendra Modi had declared that the entire nation was with Manipur and that the Central and state governments were making every effort to find a solution to the vexed issue. He had also claimed that the

situation in the violence-hit state was improving. However, the PM has not visited the state after trouble broke out, drawing flak from Opposition parties, which have accused him of abandoning the people of Manipur.

Since this northeastern state is not electorally significant in the national scheme of things — it sends just two MPs to the Lok Sabha — it has been reduced to a mere footnote during campaigning. Still, it is commendable that the Manipuris' nightmarish ordeal has not shaken their faith in democracy. A high turnout of 81 per cent was recorded at six polling stations in Outer Manipur Lok Sabha constituency during repolling on April 30. Miscreants' attempts to disrupt voting by damaging EVMs and threatening voters have proved futile. The resilience of the state's people should spur the powers that be to heal their wounds. Things have been allowed to drift for too long — it's time to make amends for the sake of peace and stability in the beleaguered border state.

Middle class facing a massive squeeze

The living standards of the middle class have worsened or remained stagnant for more than a decade.

I grew up in a middle-class South Delhi colony in the 1970s and 1980s. We lived in a single-storey rented house with a small garden, shaded by a mango tree. There was space for a car to be parked, but we had none. Inside, the décor was limited to a few framed prints and tons of books. In the living room, there was an old sofa, a divan that doubled up as a bed for guests, and a second-hand dining table, bought from a family friend who needed money to fund his trip to England.The only car in our larger family belonged to my mother's elder brother, a well-respected doctor who had made money working in the West. For entertainment, we had a record player and a big transistor radio, on which we heard the news. There was a cinema hall close by, where we went to watch old Hollywood movies a couple of times a month. Clothes were bought twice a year, during festivals. Birthday gifts were almost always books. children, my sister and I used to play with kids who lived next door. They were relatively rich, and had air conditioners in their rooms. Their living room was modelled on what Hindi cinema homes looked like. Red sofas, plush carpets and garish paint on the walls. Yet, we never envied them nor felt any need to emulate their lives.That was how the middle class lived. That was what we aspired to. We knew that the rich lived a more comfortable life, but we were also very aware that they lacked social capital. More importantly, consumer goods were few and far between. So, the rich had very little to flaunt or parade their wealth. If anyone did, they were immediately labelled as 'smugglers'!In fact, throughout the 1970s, the gap between the rich and the middle class narrowed dramatically. For instance, in 1972, the year I was born, the richest 10 per cent of Indians earned 35 per cent of our national income, while the next 30 per cent — the middle class — earned another 36 per cent. By 1982, the share of the top 10 per cent had dropped to 31 per cent, while that of the 'middle class' had risen to 39 per cent. In terms of average income, the richest 10 per cent actually saw their pre-tax earnings drop by 0.4 per cent per year in this 10-year period, while that of the middle class increased at an annual rate of 1.7 per cent.

The year 1982 was a turning point. That was the year when Suzuki beat rival Daihatsu to get to tie up with Maruti Udyog Limited to launch India's first 'people's car'. It was also the year when New Delhi got spruced up for Asiad-82 and Doordarshan began broadcasting in colour. During that year, more than one lakh colour TV sets were imported at a 190 per cent import duty. New fashion brands took advantage of the rise of middle-class consumerism to expand across the metros. The most prominent amongst them was Intercraft, whose brand F.U's (Fit You Superbly) became a huge success, before global brands like Benetton and Levi's entered India.

These were not arbitrary changes. Indira Gandhi's second coming involved a major policy shift towards market-based reforms and encouraging the private sector. They came right after India took an IMF loan, and were bundled together in a policy project called Operation Forward. Rajiv Gandhi opened things up even more, removing state monopolies in many sectors, diluting regulation of big business and liberalising exports and imports.

The economic reforms in the 1980s helped the middle class improve their living standards. Between 1982 and 1991 — the year of the Rao-Manmohan reforms

— middle-class incomes increased at an annual rate of 2.2 per cent. But it was the richest 10 per cent who were the biggest gainers — their income rose at 4 per cent per year. This was a complete reversal of what happened in the 1970s. In terms of share of national income too, the rich gained, moving from 31 per cent in 1982 to 35 per cent in 1991. On the other side, the middle class' share dropped to 37 per cent from 39 per cent.Since then, this gap has only widened. By 2014, the share of the richest 10 per cent increased to 57 per cent, while that of the next 30 per cent of earners dropped to less than 25 per cent. In terms of annual growth in earnings, that of the top 10 per cent has grown at 5.4 per cent per year since 1991, while that of the middle class has grown at a staid 2.4 per cent.

Anecdotal evidence tells us that the middle class is now facing a massive squeeze. Three indicators show this. The first is the sale of fast-moving consumer goods (FMCGs). The profits of companies which cater to middle-class consumers — Hindustan Unilever Limited and Tata Consumer — have contracted, while Nestle India, which sells to the more affluent, has risen sharply.The second key indicator is car sales; in 2023-24, cheaper compact cars sold 30 per cent less than in 2018-19. On the other side, more expensive multi-utility vehicle sales rose by 167 per cent. The third indicator of this sharp divergence between the consumption of the middle class and the affluent is home sales. Affordable homes have seen a drop in sales in the first three months of 2024, while the sale of premium homes has shot up.

White-collar jobs, which form the foundation of the middle class, have steadily declined over the past few years. The number of 'white-collar' vacancies in January this year was 24 per cent less than those of last year, and 35 per cent less compared to January 2022. At the same time, retail inflation has eaten into real incomes.

The living standards of the middle class have either worsened or remained stagnant for more than a decade. Educated middle-class youth entering the job market are reconciling to earning less than their parents did. It is a class that is neither benefiting from the K-shaped recovery nor from the government's welfare schemes.

NCLT hearings, HC stays: Why Noida is struggling to recover ?8k crore dues

Noida: The Noida Authority is faced with an uphill task of recovering Rs 8,400 crore from 10 developers of commercial projects who are also its primary defaulters. The companies include prominent realtors such as Supertech, ATS, Boulevard, Sunshine, Granite Hill and BPTP International, among others.

Officials said the Authority's efforts in recovering the amounts have been hit hard by various factors, such as ongoing insolvency proceedings at NCLT and stay orders secured by some of the developers from the Allahabad high court. A few cases are also pending at the state govt level.NCLT hearings, HC stays: Why Noida is struggling to recover ?8k crore duesAccording to data sourced from the Authority, Supertech's Supernova project in Sector 94 owes the highest amount, exceeding Rs 2,100 crore.

The developer moved the high court in 2021 after the Noida Authority issued a notice and also obtained a stay order against any "coercive action".

ATS Knightsbridge in Sector 124 is second on the list, with dues amounting to almost Rs 2,000 crore.

Recovering the amount has hit a hurdle here too as NCLT has recently admitted an application by an investment company that has financed the project and appointed an IRP.Boulevard Projects Pvt Ltd, a special purpose vehicle owned by the promoters of 3C group, has a debt of more than Rs 1,450 crore related to its Delhi One project in Sector 16B. The project was acquired by Max Estates — a realty firm under Max Group — after their bid was approved by NCLT last year. Noida Authority, however, appealed in the tribunal that it should be considered as a financial creditor.

Developed by MMR Saha, 52nd Avenue in Sector 52 owes Noida over Rs 1,100 crore. The group has urged the state govt for a zero period waiver because of NGT's ban on construction to tackle deteriorating air quality levels in winter.Other companies that are yet to clear the Authority's dues are Sunshine Trade Tower's business park in Sector 94 (Rs 470 crore); The Downtown of Granite Hill Properties in Sector 98 (Rs 387 crore); BPTP International Trade Centre in Sector 94 (Rs 309 crore), Hotshot Developer's E-Square in Sector 96 (Rs 297 crore), Invoke Realtor's Logix City Centre in Sector 32 (Rs 153 crore), and International Recreational Park's The Great India Place (Rs 137 crore).

Cipla, Glenmark recall drugs from US market: USFDA

NEW DELHI: Drug makers Cipla and Glenmark are recalling products from the American market due to manufacturing issues, according to the US health regulator. As per the latest Enforcement Report issued by the US Food and Drug Administration (USFDA), a New Jersey-based subsidiary of Cipla is recalling 59,244 packs of Ipratropium Bromide and Albuterol Sulfate Inhalation Solution.The medication, produced at the company's Indore SEZ plant, is used to help control the symptoms of lung diseases, such as asthma, chronic bronchitis and emphysema.

Cipla USA is recalling the affected lot due to "short fill". There were complaints of less fill volume in respule and few drops of liquid observed in the intact pouch, USFDA said.Cipla initiated the Class II recall in the US market on March 26 this year.USFDA also said that Glenmark Pharma is recalling 3,264 bottles of Diltiazem Hydrochloride extended-release capsules indicated for high blood pressure.

The US-based arm of the company -- Glenmark Pharmaceuticals Inc, USA -- is recalling the medication due to "failed dissolution specifications".

The company initiated the nationwide (US) recall on April 17, 2024.As per USFDA, a class II recall is initiated in a situation in which the use of, or exposure to, a violative product may cause temporary or medically reversible adverse health consequences or where the probability of serious adverse health consequences is remote.

India is the largest supplier of generic medicines, with around 20 per cent share in the global supply by manufacturing 60,000 different generic brands across 60 therapeutic categories.

India has unexplored and unattended to opportunities,' says Warren Buffet

NEW DELHI: Chairman and CEO of Berkshire Hathaway Warren Buffett is optimistic about India and said that there are a lot of opportunities when asked if Berkshire was actively seeking opportunities in India during the company's annual meeting on Sunday.

Buffett suggested that Berkshire, which focuses on acquiring and managing businesses across various industries, could explore the untapped potential in India."In India, I am sure that there are loads of opportunities in a place like India, and the question is do we have any advantage, in either insights into those businesses or contacts that will make possible for some transactions that participants in India would particularly want us to participate," said Buffet.

"I would say that's something that more energetic management at Berkshire could pursue because we do have a reputation now and is known around the world and our Japanese experience has been fascinating. In that respect, so there may be an unexplored or unattended to opportunities and area (in India)," Buffet added.

The veteran investor hinted at a possible entry into the Indian market, indicating that it wouldn't take long for Berkshire to pursue opportunities in the country and the new management would make decisions regarding investments in India.

Pesticide residue in Indian herbs and spices? Food regulator denounces claims as 'false and malicious'

NEW DELHI. The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) have dismissed reports alleging high pesticide residue in Indian herbs and spices as 'false and malicious'.

In a press release, the food safety regulator clarified that India maintains stringent standards for Maximum Residue Limits (MRLs), tailored to individual food products according to risk assessments.

Pesticides fall under the purview of the ministry of agriculture and farmers welfare, regulated by the central insecticide board and registration committee established under the Insecticide Act of 1968. The process involves the examination of data by the scientific panel on pesticides residues of FSSAI.Recommendations for MRLs are made following risk assessments, considering dietary habits and health concerns across various age groups in India. With over 295 registered pesticides, including 139 authorized for spice use, the regulations align with Codex standards.Pesticides are registered across multiple food categories with varying MRLs based on risk assessments. For example, Monocrotophos exhibits different MRLs on rice, citrus fruits, coffee beans, and cardamom, ranging from 0.03 mg/kg to 0.5 mg/kg. Flubendiamide's MRL, similarly, varies among crops like brinjal, Bengal gram, cabbage, tomato, and tea, reflecting different levels of pesticide tolerance.

The FSSAI said that the MRLs undergo regular revision based on scientific evidence, conforming to global standards to enssure validity and alignment with the latest research and international norms.

Corporate Earnings, Global Trends To Guide Trading In Markets This Week: Analysts

NEW DELHI. The ongoing fourth-quarter earnings season, global factors and macroeconomic data would guide the trends in the equity markets this week, analysts said.Markets would also take cues from the trading activity of foreign investors, the rupee-dollar trend and the movement of global oil benchmark Brent crude.Domestically, the next batch of Q4 earnings reports will drive stock-specific movements, Hero MotoCorp, Larsen & Toubro, BPCL, State Bank of India, Eicher Motors and Tata Motors are some of the big names in the list and the next phase of voting," said Pravesh Gour, Senior Technical Analyst, Swastika Investmart Ltd.PMI data for the services sector will also influence trading in the equity markets.Industrial production data for March is scheduled to be announced on Friday."On Monday markets will react to the US employment data and Q4 results of companies like Dmart and Kotak Bank," Siddhartha Khemka, Head – Retail Research, Motilal Oswal Financial Services Ltd, said.

"Moving forward, the ongoing results season will be a key detrimental factor for investors to align their portfolios. The market will also remain vigilant about the BoE (Bank of England) policy and GDP data from the euro zone."We expect a degree of consolidation in the market due to expensive valuations and any election-led jitters," said Vinod Nair, Head of Research, Geojit Financial Services.

Last week, the BSE benchmark climbed 147.99 points or 0.20 per cent. The NSE Nifty advanced 55.9 points or 0.24 per cent.Ajit Mishra, SVP – Research, Religare Broking Ltd, said, "Looking ahead, attention will be on earnings reports and global market performance, particularly the US."The 30-share BSE Sensex dropped 732.96 points or 0.98 per cent to settle at 73,878.15 on Friday.The NSE Nifty also declined 172.35 points or 0.76 per cent to 22,475.85."As valuation discomfort rises, investors are becoming choosy and taking select bets. Uncertainty over interest rate, gloomy geopolitical scenario and FII fund outflows have prompted investors to book profits at regular intervals," Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said.

FPIs return as net buyers in May as they infuse Rs 1,156 crore

NEW DELHI: Foreign portfolio investors (FPIs) have again become net buyers in May after turning net sellers last month as they bought equities worth Rs 1,156 crore up until May 3, as per the National Securities Depository Limited (NSDL) data.

FPIs in April offloaded equities worth Rs 8,671 crore primarily due to the ongoing geopolitical crisis in the Middle East, which may have triggered investors to cut down their portfolio exposure. Earlier, they remained net buyers for the first three months of the year until mid-April.

VK Vijayakumar, chief investment strategist at Geojit Financial Services, said, "The market is at record highs. There has been a pre-election rally. It is not as strong as in the past. More than anything else, FPIs will respond to changes in the US bond yields. If the US bond yields fall and the

Indian economy and markets do well they will turn aggressive buyers."

Several factors have contributed to a positive outlook for the Indian economy, including robust GDP growth projections, manageable inflation levels, political stability at the central government level, and indications that the central bank has concluded its monetary policy tightening cycle.India's GDP experienced a substantial 8.4 per cent growth during the October-December quarter of the 2023-24 financial year, maintaining its position as the fastest-growing major economy and is expected to sustain its growth trajectory in the future.In December, FPIs accumulated stocks worth Rs 66,135 crore, while in November, the inflow amounted to Rs 9,001 crore, as per NSDL data. To provide context, the total inflow for the entire year was approximately Rs 171,107 crore, with over one-third of this amount occurring in December alone. The strong inflow of funds from FPIs had supported the benchmark stock indices in reaching all-time highs.

Market Valuation Of 6 Of Top 10 Firms Declines By Rs 68,417 Cr; Airtel Biggest Laggard

However, the mcap of State Bank of India climbed Rs 26,907.71 crore to Rs 7,42,126.11 crore.

New Delhi: The combined market valuation of six of the top-10 most valued firms declined by Rs 68,417.14 crore in a holiday-shortened last week, with Bharti Airtel and Reliance Industries taking the biggest hit. While Reliance Industries, Bharti Airtel, Life Insurance Corporation of India (LIC), Infosys, ITC and Hindustan Unilever were the laggards, Tata Consultancy Services (TCS), HDFC Bank, ICICI Bank and State Bank of India emerged as the gainers.Last week, the BSE benchmark climbed 147.99 points or 0.20 per cent.

Domestic equity markets were closed on Wednesday on account of Maharashtra Day. The market capitalisation (mcap) of Bharti Airtel fell by Rs 27,635.65 crore to Rs 7,23,770.70 crore.The valuation of Reliance Industries declined by Rs 23,341.56 crore to Rs 19,40,738.40 crore. The mcap of LIC dropped by Rs 5,724.13 crore to Rs 6,19,217.27 crore, and that of Infosys went lower by Rs 5,686.69 crore to Rs 5,87,949.62 crore.

TRENDING NOWITC's valuation eroded by Rs 4,619.35 crore to Rs 5,44,645.97 crore, and that of Hindustan Unilever dipped by Rs 1,409.76 crore to Rs 5,20,551.94 crore. However, the mcap of State Bank of India climbed Rs 26,907.71 crore to Rs 7,42,126.11 crore.

ICICI Bank added Rs 24,651.55 crore, taking its valuation to Rs 8,02,401.77 crore. The mcap of TCS rallied Rs 9,587.93 crore to Rs 13,89,110.43 crore, and that of HDFC Bank went up by Rs 6,761.25 crore to Rs 11,53,704.84 crore.

Reliance Industries remained the most valued firm from the top-10 pack, followed by TCS, HDFC Bank, ICICI Bank, State Bank of India, Bharti Airtel, LIC, Infosys, ITC and Hindustan Unilever.

More Worried About Reputational Damage, RBI Action To Have Limited Financial Impact: Kotak Mahindra Bank

Kotak Mahindra Bank is redoubling its efforts on the tech front, and winning back trust is the "top priority" for the lender now.

NEW DELHI. Kotak Mahindra Bank is expecting business restrictions imposed by the Reserve Bank to have a "relatively small" financial impact but is more concerned about the reputational damage, a top official said on Saturday.

Hinting that it expects the restrictions to last for a "couple of months", its managing director and chief executive Ashok Vaswani told reporters that it will have a limited impact on liability growth.Late last month, the RBI barred Kotak Mahindra Bank from onboarding new customers through its online and mobile banking channels and issuing fresh credit cards with immediate effect as the lender was found deficient in its IT risk management.Vaswani, who took over office only in January this year, said it is redoubling its efforts on the tech front, and winning back trust is the "top priority" for the lender now.He admitted that the order will have an impact on the credit card business and its digital banking-focused 811 businesses as they are unable to do their work."I am more worried about the reputational impact than the financial impact. The financial impact will be relatively small," Vaswani told reporters.Its deputy managing director Shanti Ekambaram said the bank will focus on doing more business with its existing customers and deepening relationships through more cross-selling.She also added that the order does not prohibit the bank from adding new customers at the branches or in digitally-assisted journeys.Its group chief financial officer Devang Gheewalla said the bank spent 10 per cent of its operating expenses on the tech front in FY24, and added that the order may lead to an acceleration of the spending.Vaswani, who comes with a background in technology, said the spending was around Rs 1,700 crore in FY24 against about Rs 1,300 crore in the year-ago period, and added that they will increase it at a similar rate.Over the past two years, the overall spending on the tech front has gone up, Vaswani said, adding that the efforts, which include new senior-level hires in tech functions, and augmenting the overall team, have "clearly fallen short".The demand for the services has also gone up simultaneously, he said, adding that the bank has climbed up over five places to be the fifth busiest on the surging UPI transactions front.He, however, made it clear that it is not only a capacity issue but also about risk and resilience and assured that the bank will be looking at all three elements.

The bank will also be hiring an external auditor to assess the overall technology architecture soon, as mandated by the RBI, he said.There will also be a reprioritisation of the expenses to be undertaken and also advancing of the targets on attaining certain benchmarks being pursued, he said.When asked to quantify the cost of such a strong action, he declined to quantify saying it is a complex situation.The bank will try to make from the existing customers, which will entail a market share gain, but will lose out because it is deprived of growing the business, Vaswani said, adding that he expects to "come out ok" on a net basis.

Terror Attack On IAF Convoy In Jammu And Kashmir: One Soldier Killed, 4 Injured In Poonch Ambush

Poonch: One soldier was killed, and four Indian Air Force soldiers were injured in a terror attack in the Poonch district of the Jammu region. A convoy of the Indian Air Force was attacked by terrorists in the Surankote area of Poonch district on Saturday evening. All five injured soldiers were evacuated to the Army's base hospital, where one soldier succumbed to his injuries.Security forces, including the Indian army and the Jammu and Kashmir Police, rushed to the spot where terrorists opened heavy fire on the IAF convoy. A massive cordon and search operation was launched by the forces to apprehend the attackers in the area. Initial reports suggest that two terrorists were involved in the attack.

This is the first major attack in the region this year, as Poonch and Rajouri saw multiple attacks last year. Security forces have been on high alert since then and have prevented any major attacks. The entire Poonch district has now been put on high alert.The attack took place in the Shah Sattar forest area, which is densely covered with trees and falls between Surankote's Sanai Top and Mendhar's Gursai area of the border Poonch district.This is the first major attack on the armed forces this year in the region, which witnessed a series of terror attacks on the army last year. Visuals from the attack site showed at least a dozen bullet holes on the windscreen of the vehicle that came under fire.Sources said the injured air warriors were airlifted to Command Hospital Udhampur from Poonch within half an hour of the attack, while the other vehicles of the convoy had been secured and safely reached their destination.

In a statement, the Indian Air Force said, "In the ensuing gunfight with terrorists, the Air Warriors fought back by returning fire. In the process, five IAF personnel received bullet injuries and were evacuated to the nearest military hospital for immediate medical attention. One Air Warrior succumbed to his injuries later. Further operations are underway by the local security forces."Sources said a combing and search operation had been ongoing in the area between Mendhar and adjoining Surankote for the past few days following reports of movement of terrorists. During the searches, terrorists opened fire on a vehicle carrying Air Force personnel. The latter retaliated, and in the ensuing firefight, five personnel were injured. Reinforcements of police and security forces were rushed to the area as soon as reports of the attack came in.A cordon and search operation has been initiated by the local Rashtriya Rifles unit to apprehend the perpetrators. The area has been cordoned off, and searches are in progress, sources said.This is the second militant attack in the Pir Panjal region, spread over Rajouri and Poonch districts, in the last 12 days. A 40-year-old government employee was killed

after unknown terrorists had opened fire on him near the Shahdra Sharief area of Thanamandi on April 22. The man was identified as Mohammad Raziq of Kunda Top, and his brother was reportedly a soldier in the Territorial Army.

On December 21, four soldiers had died in a terror attack on the Mughal Road between Dehra Ki Gali and Bufliaz in Poonch. In view of the upcoming parliamentary elections in the area, security forces and police have already launched cordon and search operations on a massive scale to flush out terrorists and their sympathizers. A few days before the Shahdra Sharief attack, the police and security forces, in a joint operation, had apprehended a school headmaster from the Hari Buddha area of Poonch and seized a Pakistan-made pistol along with ammunition as well as two Chinese grenades from his house.Poonch is part of the Anantnag-Rajouri parliamentary constituency, which is going to polls in the sixth phase on May 25. Meanwhile, security and searches have intensified in Kathua, Doda, Udhampur, and Kishtwar after unknown terrorists killed a Village Security Guard on April 28 in Basantghar.

The Problem With Wrongly Labelling Real Or Edited Videos As 'Deepfakes'

New Delhi: An edited video of Home Minister Amit Shah went viral recently, falsely showing him promising an end to reservations for Scheduled Tribes, Scheduled Castes, and Other Backward Classes. While BOOM's fact-check found that the video was doctored using video editing tools, it was falsely labelled as a 'deepfake' by other Bharatiya Janata Party leaders, and various mainstream media outlets. Political parties in India are experimenting with AI in myriad ways this election season. For instance, AI voice clones of politicians are being used to craft cadre and voter outreach messages. Political parties are also skirting any social media rules by using satirical videos which use voice cloning, face swap and other AI editing techniques, to target their political rivals. These videos are posted on their official Instagram and YouTube handles.However, the damaging deepfakes that are outright deceptive, are being shared either by IT cell workers, or through proxies and diffused actors, who support the party and their ideology.

With misinformation peaking during election seasons in India, shallow fakes or cheapfakes still make up most of the misinformation seen online so far. Not Always Deepfakes Multiple mainstream media outlets such as the Indian Express, Times Now, Republic and DNA, among others dubbed the doctored Amit Shah video, a deepfake. While speaking at a rally in Maharashtra's Satara, Prime Minister Narendra Modi also referred to this video as being altered using artificial intelligence.

BJP Will Never Change Constitution, Congress Creating Fear Psychosis: Rajnath Singh

New Delhi: The BJP government will never change the Constitution or end reservation, Defence Minister Rajnath Singh said, accusing the Congress of creating "fear psychosis" and resorting to spreading misinformation for "vote bank" politics.n an interview with PTI, Mr Singh blasted the Congress for spreading "canards" that the BJP will change the Constitution if it returns to power and especially asserted that there was no question of changing the Preamble of the Constitution.Congress leader Rahul Gandhi has been alleging that the BJP will "tear up and throw away" the Constitution if it retains power. Some other Congress functionaries had expressed apprehensions that the BJP may drop the word "secularism" from the Preamble of the Constitution.

"Congress brought constitutional amendments 80 times. They changed the Preamble during the Emergency," the Defence Minister said."The BJP will never change the Constitution. Constitution makers never imagined that there would be changes in the Preamble. You (Congress) only acted to hurt the core idea of the Constitution," Mr Singh said."There is no question of changing the Preamble of the Constitution. They changed it and now they are making baseless allegations against us," he added.The Preamble to the Constitution of India presents the principles of the Constitution. The 42nd Amendment in 1976 changed the description of India from a "sovereign democratic republic" to a "sovereign socialist secular democratic republic"."They (Congress) are trying to get peoples' support by instilling fear among the citizens," Singh said."I would suggest that they should try to get people's support by creating confidence and not by instilling fears. Electoral campaigns should be based on facts," he said.

On Friday, Mr Gandhi alleged that Prime Minister Narendra Modi, the BJP and the RSS are attacking India's democracy continuously and want to "destroy" the country's Constitution."The Congress is creating fear psychosis" and resorting to spreading misinformation for "vote bank politics", the Defence Minister said.On the issue of reservation also, he alleged that the Congress is misleading the nation."The Congress is trying to mislead people. There will not be any end to reservation.

Siblings Found Dead Inside Family Shop In Delhi, Cops Hunt For Father

New Delhi: A 13-year-old girl and his younger brother were found dead inside their father's grocery shop in northwest Delhi's Keshav Puram area on Saturday, police said.

The children's father Manish, who is suspected to have killed the two siblings, is on the run and efforts are on to nab him, they said. A call regarding the incident was received at 7.15 pm, police said. Manish's wife told police that both the children had gone to school but they did not return home. Initially, she thought that they were with their father as he would often pick them up from their school, they said.

She tried to contact Manish but his mobile phone was not reachable. In the evening, when other family members opened the shutter of their shop, they found the two siblings lying inside in an unconscious condition," an officer said.They were taken to hospital where doctors declared them dead, he said, adding that their school bags were also lying inside the shop,

located on the ground floor of their house.

According to a police officer, it is suspected that Manish killed his children by giving them some poisonous substance or by smothering them."The matter is being investigated from all possible angles and the bodies have been sent for post-mortem," the officer said, adding the actual cause of death will be ascertained only after the report comes.During the investigation, it was found that Manish was upset due to some financial issue, however, further probe is underway. The statements of the family members have been taken, police said.The CCTVs in the locality are being scanned and teams were formed to locate Manish, police said.

Cipla, Glenmark Recall Asthma Drugs Made In Indore From US Market

New Delhi: Drug makers Cipla and Glenmark are recalling products from the American market due to manufacturing issues, according to the US health regulator.As per the latest Enforcement Report issued by the US Food and Drug Administration (USFDA), a New Jersey-based subsidiary of Cipla is recalling 59,244 packs of Ipratropium Bromide and Albuterol Sulfate Inhalation Solution.The medication, produced at the company's Indore SEZ plant, is used to help control the symptoms of lung diseases, such as asthma, chronic bronchitis and emphysema.Cipla USA is recalling the affected lot due to "short fill". There were complaints of less fill volume in respule and few drops of liquid observed in the intact pouch, USFDA said.Cipla initiated the Class II recall in the US market on March 26 this year.USFDA also said that Glenmark Pharma is recalling 3,264 bottles of Diltiazem Hydrochloride extended-release capsules indicated for high blood pressure.

The US-based arm of the company --

Glenmark Pharmaceuticals Inc, USA -- is recalling the medication due to "failed dissolution specifications".The company initiated the nationwide (US) recall on April 17, 2024.As per USFDA, a class II recall is initiated in a situation in which the use of, or exposure to, a violative product may cause temporary or medically reversible adverse health consequences or where the probability of serious adverse health cosequences is remote.India is the largest supplier of generic medicines, with around 20 per cent share in the global supply by manufacturing 60,000 different generic brands across 60 therapeutic categories.The products manufactured in the country are shipped to over 200 countries around the globe, with Japan, Australia, Western Europe and the US as the main destinations.ndia has the highest number of USFDA-compliant companies with plants outside the US. PTI MSS BAL BAL.

Congress's JP Aggarwal files nomination from Chandni Chowk seat

New Delhi. INDIA bloc candidate Jai Prakash Aggarwal on Saturday filed his nomination from the Chandni Chowk Lok Sabha constituency for the upcoming Parliamentary elections in Delhi.Aggarwal was accompanied by hundreds of his supporters and filed his nomination papers at the DC office in Alipur.JP Aggarwal, a veteran Congressman, had earlier represented the Chandni Chowk seat twice. This time he has been fielded to take on Parveen Khandelwal of the BJP.Senior Aam Aadmi Party (AAP) leaders like Ram Nivas Goyal, Speaker of Delhi Vidhan Sabha and Imran Hussain, Minister in Delhi government were also present during the filing of Aggarwal's nomination papers.Supporters and workers of both the AAP and the Congress were waving the flags of their respective parties to show solidarity with each other and their collective allegiance to the INDIA bloc."We are winning all seven seats. Will take all the issues of Chandni Chowk in the parliament," JP Aggarwal said while speaking to India Today after filing his nomination.Targeting the BJP, the

Congress leader said "In the past, no one from the BJP has taken due care of the people of Chandni Chowk".am Niwas Goyal, Speaker of Delhi Vidhan Sabha, AAP leader, who was accompanying Aggarwal said "He is my elder brother. We have full support for Congress".When asked about Arvinder Singh Lovely resigning from the Congress and joining the BJP, Goyal said, "He (Lovely) had left Congress before also and had gone to BJP, he is more aware of his doings"Notably, the BJP has emerged as the winner from Chandni Chowk in the last two Lok Sabha elections in 2014 and 2019 and former Union Minister Dr Harsh Vardhan has been representing the constituency for the last 10 years.But this time, the Arvind Kejriwal-led AAP and Congress have joined hands in Delhi to take on the BJP, making the fight for the coveted seat interesting.In the last elections, Dr Harsh Vardhan got 5,19,055 votes, while JP Aggarwal got 2,90,910 votes and while 1,44,551 votes were polled for AAP's Pankaj Gupta.Delhi will go to polls in the sixth phase of Lok Sabha polls on May 25, with the votes to be counted on June 4.

Chief Justice Shares He Was Caned In Class 5 And Why He Can't Forget It

Speaking at a seminar on Saturday, he recalled when he was caned at school for a small mistake.

New Delhi: While corporal punishment is now looked down upon as a cruel method to discipline children, it was very much a reality for generations that did their schooling decades ago. For Chief Justice of India DY Chandrachud, it wasn't different either.

Speaking at a seminar on Saturday, he recalled when he was caned at school for a small mistake"How you treat children has a deep impact on their minds throughout their life...I will never forget that day in school. I was not a juvenile delinquent when my hands were caned. I was learning craft and didn't bring the right sized needles to class for the assignment," he said.The Chief Justice, who was then in Class 5, said the way people treat children leaves a lasting impact on their minds."I still remember that I requested my teacher to cane my bum and not my hand," he added. Out of shame, he could not tell his parents and had to hide his injured right palm for 10 days."The physical wound healed, but left an everlasting imprint on the mind and soul. It is still with me when I do my work. The impact of such travesty on children is so deep," said the CJI.

The Chief Justice of India shared the incident while speaking at the National Symposium on Juvenile Justice organised by the Supreme Court of Nepal in Kathmandu.While discussing juvenile justice, we need to recognise the vulnerabilities and unique needs of children embroiled in legal disputes and ensure that our justice systems respond

with compassion, rehabilitation and opportunities for reintegration into society, said CJI Chandrachud.

He said it is important to understand the multifaceted nature of adolescence and its interrelationship with various dimensions of the society.At the seminar, the CJI also mentioned a petition filed in the Supreme Court demanding the termination of pregnancy of a minor rape survivor.He also talked about the challenges faced by India's juvenile justice system. A major challenge is inadequate infrastructure and resources, especially in rural areas, which has led to overcrowded and substandard juvenile detention centres, due to which providing proper support to juvenile delinquents and efforts to provide rehabilitation may be hindered, he said.

Social realities must also be considered as many children are pushed into criminal activities by gangs, the CJI said, adding that adolescents with disabilities are also vulnerable - as is seen how visually impaired children are exploited for begging by criminal syndicates in India.

NEWS BOX

Radicalised' teen carries out knife attack in Perth, shot dead by cops

Sydney, Australian police said on Sunday they shot dead a boy after he stabbed a man in Western Australia's capital Perth, in an attack authorities said indicated terrorism.

There were signs the 16-year-old, armed with a kitchen knife, had been radicalised online, state authorities said, adding they received calls from concerned members of the local Muslim community before the attack, which occurred late on Saturday night.The attack, in the suburb of Willetton, had "hallmarks" of terrorism but was yet to be declared a terrorist act, police said.At this stage it appears that he acted solely and alone," Western Australia Premier Roger Cook said in a televised news conference in Perth, regarding the attacker.

The victim, stabbed in the back, was stable in hospital, authorities said.The incident comes after New South Wales police last month charged several boys with terrorism-related offences in investigations following the stabbing of an Assyrian Christian bishop while he was giving a live-streamed sermon in Sydney, on April 15.The attack on the bishop came only days after a deadly mass stabbing in the Sydney beachside suburb of Bondi that claimed the lives of six people.

Gun and knife crime is rare in Australia, which consistently ranks among the safest countries in the world, according to the federal government.

Slithering surprise! Passenger hiding snakes in pants intercepted at Miami airport

Miami, US, There was a slithering surprise for airport security officials in Miami, United States as they encountered a passenger who was hiding a bag of snakes in his pants.The US Transportation Security Administration (TSA) said in a post on X that Miami International Airport officials discovered a bag carrying snakes in a passenger's pants on April 26, 2024 at a checkpoint."Officers at @iflymia detected this bag of snakes hidden in a passenger's pants at a checkpoint on Fri, April 26. @TSA called our @CBPSoutheast and Miami-Dade Police partners in to assist, and the snakes were turned over to the Florida Fish and Wildlife Conservation Commission," the post said.Along with the piece of information, the TSA also posted the pictures that showed two small white snakes recovered from the bag the man was hiding.

The snakes were handed over to the Florida Fish and Wildlife Conservation Commission, TSA informed.

India's consulate identifies Indian couple killed in accident during police chase in Canada

TORONTO. The Indian diplomatic mission here has identified the Indian couple who died in a crash with their grandchild during a multi-vehicle collision when Canadian police pursued a liquor store robbery suspect driving the wrong way earlier this week.

"Heartfelt condolences on tragic loss of Indian nationals Mr. Manivannan, Mrs. Mahalakshmi and their grandchild in the Highway 401 collision," the Consulate General of India in Toronto posted on X on Friday.The consulate general "met the bereaved family at the hospital & assured all possible assistance. We are in touch with Canadian authorities", the post said.

The couple, probably from Tamil Nadu, was on a visit to Canada. The couple's three-month-old grandson also died in the multi-vehicle collision. Highway 401 was closed for several hours after the incident on Monday, Ontario's Special Investigations Unit (SIU) said on Thursday.The 21-year-old robbery suspect was also killed in the collision, which involved at least six vehicles, CBC News earlier reported.

All four people were pronounced dead at the scene on Highway 401 in Whitby, about 50 km east of Toronto.

The SIU had earlier said that two of the victims, a 60-year-old man and a 55-year-old woman, were visiting from India. It, however, had not released the names of the victims.The agency said that the parents of the infant, his 33-year-old father and 27-year-old mother, were travelling in the same vehicle and were taken to hospital.

The mother's injuries are serious, the SIU said.

Officials have said the deadly car chase started with a liquor store robbery in Bowmanville and ended around 20 minutes later after the suspect in a cargo van led Durham police on a high-speed chase against opposing traffic on Highway 401.A 38-year-old male passenger from the cargo van was also taken to the hospital to be treated for serious injuries.

Pakistan: Milk price soars to PKR 210 per litre in Karachi

KARACHI. The price of milk at Karachi in fiscally-stressed Pakistan shot up to 10 per litre after the city's commissioner approved a hike, acceding to the demands of the Dairy Farmers Association, ARY News reported.

As per the commissioner's directives, the price of milk has surged by PKR 10 per litre, with shops in Karachi now selling milk at PKR 210 per litre.

Earlier speculations of a potential PKR 50 per litre increase in milk prices have loomed over the inflation-burdened citizens of Karachi, ARY News reported.

Mubasher Qadeer Abbasi, the president of Dairy Farmers Karachi, has indicated that an increase of PKR 50 per litre of milk is expected soon for the people of Karachi. Abbasi cited the high cost of milk production, soaring cattle prices, and government negligence as factors contributing to this imminent rise.Abbasi stressed the urgency for the Karachi Commissioner to promptly issue a notification regarding the new prices aligned with the milk production costs.He further emphasised that if the authorities do not announce the increase in milk prices by May 10, stakeholders will take matters into their own hands and raise prices after consensus.

Northern Gaza is now in 'full-blown famine': UN World Food Program chief

The panel that serves as the internationally recognised monitor for food crises said in March that northern Gaza was on the brink of famine and likely to experience it in May.

WASHINGTON. A top UN official said Friday that hard-hit northern Gaza was now in "full-blown famine" after more than six months of war between Israel and Hamas and severe Israeli restrictions on food deliveries to the Palestinian territory.

Cindy McCain, the American director of the UN World Food Program, became the most prominent international official so far to declare that trapped civilians in the most cut-off part of Gaza had gone over the brink into famine.

"It's horror," McCain told NBC's "Meet the Press" in an interview to air Sunday. "There is famine—full-blown famine—in the north, and it's moving its way south."She said a cease-fire and a greatly increased flow of aid through land and sea routes was essential to confronting the growing humanitarian catastrophe in Gaza, home to 2.3 million people.There was no immediate comment from Israel, which controls entrance into Gaza and says it is beginning to allow in more food and other humanitarian aid through land crossings.

The panel that serves as the internationally recognised monitor for food crises said in March that northern Gaza was on the brink of famine and likely to experience it in May.Since March, northern Gaza had not received anything like the aid needed to stave off famine, a US Agency for International Development humanitarian official for Gaza told The Associated Press. The panel's next update will not come before this summer.The USAID official said on-the-ground preparations

for a new US-led sea route were on track to bring in more food—including treatment for hundreds of thousands of starving children—by early or mid-May. That's when the American military expects to finish building a floating pier to receive the shipments.Ramping up the delivery of aid on the planned US-backed sea route will be gradual as aid groups test the distribution and security arrangements for relief workers, the USAID official said.The official spoke on condition of anonymity, citing security concerns accompanying the official's work on conflicts. They were some of the agency's first comments on the status of preparations for the Biden administration's $320 million Gaza pier project, for which USAID is helping coordinate on-the-ground security and distribution.At a factory in rural Georgia on Friday, USAID Administrator Samantha Power pointed to the food crises in Gaza and other parts of the world as she announced a $200 million investment aimed at increasing production of emergency nutritional paste for starving children under 5.

Power spoke to factory workers, peanut farmers and local dignitaries sitting among pallets of the paste at the Mana nonprofit in Fitzgerald. It is one of two factories in the US that produces the nutritional food, which is used in clinical settings and made from ground peanuts, powdered milk, sugar and oil, ready to eat in plastic pouches resembling large ketchup packets."This effort, this vision meets the moment," Power said. "And it could not be more timely, more necessary or more important.

Afghan diplomat, caught smuggling gold, resigns due to 'personal attacks'

World A senior Afghan diplomat in India has resigned from her position after reports of her involvement in gold smuggling from Dubai surfaced. Zakia Wardak was reportedly caught at the Mumbai airport last month for allegedly trying to smuggle 25 kg of gold worth Rs 18.6 crore from the capital of the UAE.She had been the acting Ambassador of Afghanistan to New Delhi since late last year after working as the Afghan Consul General in Mumbai for more than two years.Taking to X, Wardak mentioned "numerous personal attacks and defamation" directed towards her as well as her family that impacted her ability to operate in the position of an Afghan diplomat. However, she didn't mention the reports of the Directorate of Revenue Intelligence (DRI) seizing gold from her on April 25.Wardak was not arrested for her diplomatic immunity, news agency PTI reported.

"These attacks, which appear to be organised, have severely impacted my ability to effectively operate in my role and have demonstrated the challenges

faced by wome in Afghan society who strive to modernise and bring positive change amidst ongoing propaganda campaigns," her statement, released in both Pashto and English, read.

Wardak said the "persistent and coordinated" attacks exceeded a "tolerable threshold". She further stated that while she was prepared to tackle the attacks on her character that were "not altogether surprising", she was not "unprepared for the toll it took on those close to me".Zakia Wardak said while it's her passion to serve her country and bring about a positive change, in the wake of the attacks, she has to prioritise her "well-being and ability to function in a normal capacity".he thanked the Government of India and the citizens for their "warm welcome" and "unwavering support" during her three-year tenure, and called the experience "a privilege".

"I sincerely hope for a future where women in leadership roles are supported and respected, where opportunities for progress are embraced rather than met with hostility and defamation. My commitment to advocating for positive change remains unwavering despite this decision," she wrote in the statement.

Zakia Wardak took charge of the Afghan embassy in New Delhi last November after the mission helmed by the then-Ambassador Farid Mamumdzay announced its closure. Mamundzay had moved to the UK.

Wardak was appointed before the Taliban regained control in Afghanistan in 2021 and was reportedly the sole woman Afghan diplomat.

Nearly 60 killed, over 69,000 displaced as heavy rains batter southern Brazil

Sao Paulo, Brazil.a Heavy rains in Brazil's southernmost state of Rio Grande do Sul this week killed at least 55 people, local authorities said on Saturday evening, while dozens remain unaccounted for.

=Rio Grande do Sul's civil defence authority said 74 people were still missing and more than 69,000 had been displaced as storms in the last few days have affected nearly two thirds of the 497 cities in the state, which borders Uruguay and Argentina.1The local authority said it is now investigating whether another seven deaths were related to the storms, after earlier in the day it had reported a total of more than 55 deaths.Floods destroyed roads and bridges in several regions of the state. The storm also triggered landslides and the partial collapse of a dam at a small hydroelectric power plant. A second dam in the city of Bento Goncalves is also at risk of collapsing, authorities said.

In Porto Alegre, the capital of Rio Grande do Sul, the Guaiba lake broke its banks, flooding streets.

Porto Alegre's international airport has suspended all flights for an indefinite period.

State Governor Eduardo Leite told reporters on Saturday evening that Rio Grande do Sul would need a "Marshall Plan" to recover from the storms and its consequences, referring to a plan for Europe's economic recovery after World War Two.Brazil's President Luiz Inacio Lula da Silva, who had visited Rio Grande do Sul on Thursday, will travel back to the state on Sunday to follow the rescue efforts, his chief of communication Paulo Pimenta said on Saturday.Lula said on X that his government is in constant contact with state and cities' authorities to support the region with whatever they need.Rains are expected in the northern and northeastern regions of the state until Sunday, but the volume of precipitation has been declining, and should be well below the peak seen earlier in the week, according to the state meteorology authority.

Still, "river water levels should stay high for some days", Leite said earlier on Saturday.

Rio Grande do Sul is at a geographical meeting point between tropical and polar atmospheres, which has created a weather pattern with periods of intense rains and others of drought.

London mayor Sadiq Khan wins historic third term as Tories routed in local polls

LONDON. London's Labour mayor Sadiq Khan on Saturday secured a record third term, dealing the Conservatives another damaging defeat in their worst local election results in recent memory months before an expected general election.

Khan, 53, easily beat Tory challenger Susan Hall to scupper largely forlorn Tory hopes that they could prise the UK capital away from Labour for the first time since 2016.The first Muslim mayor of a Western capital when first elected then, he had been widely expected to win as Labour surged nationally and the Conservatives suffer in the polls.In the end, he saw his margin of victory increase compared to the last contest in 2021.

"It's truly an honour to be re-elected for a third term," Khan told supporters, accusing his Tory opponent of "fearmongering"."We ran a campaign that was in keeping with the spirit and values of this great city, a city that regards our diversity not as a weakness, but as an almighty strength—and one that rejects right hard-wing populism," he added.It adds to a dismal set of results for Prime Minister Rishi Sunak, as his Tories finished a humiliating third in local council tallies after losing nearly 500 seats in voting Thursday across England.With Labour making huge gains, the beleaguered leader's Conservatives lost crunch mayoral races in Manchester, Liverpool, and Yorkshire, as well as the capital and elsewhere.In the West Midlands, Tory incumbent Andy Street, bidding for his own third term, reportedly requested a recount in one district, with the contest too close to call.An unexpected Tory defeat there could leave Sunak with only one notable success: the party's mayor winning a third term in Tees Valley, northeast England, albeit with a vastly reduced majority.

'Voters are frustrated'

Writing in Saturday's Daily Telegraph, Sunak conceded "voters are frustrated" but insisted "Labour is not winning in places they admit they need for a majority.""We Conservatives have everything to fight for," Sunak argued.

Labour, out of power since 2010 and trounced by Boris Johnson's Conservatives at the last general election in 2019, also emphatically snatched a parliamentary .

Anti-Israel protest at US university declared 'unlawful assembly', 25 arrested

World At least 25 people were arrested during a clash between pro-Palestine protesters and the police at the University of Virginia in the US after the demonstrators refused to remove their tents from the campus. The university located in Charlottesville said the police had to "declare an unlawful assembly" at the protest site due to "violent conduct and failure to follow police directions".This latest development comes as more than 2,000 people have been arrested in the US since mid-April for staging protests at college and university campus across the nation against the Israel-Hamas war in Gaza.

Dozens of Virginia State Police officers in riot gear surrounded the student encampment area on Saturday and used a chemical spray to disperse the protesters from the area.In a tweet on Sunday morning, the university said, "A pro-Palestinian protest ended on Grounds Saturday after University, local and state police cleared the area. This followed repeated policy violations. Violent conduct and failure to follow police directions led officers to declare an unlawful assembly."The university also said that it was awaiting confirmation on how many of the 25 arrested individuals were affiliated with the school.On May 7, the students launched their protest on a lawn outside the university chapel. On Saturday, however, they refused to remove their encampments despite repeated requests by the university authorities.

Soon thereafter, state police troopers wearing heavy riot gear and holding shields lined up on the campus, while the defiant protesters chanted slogans like "shame on you" and "free Palestine".A video on social media shows police officers moving in on the encampment on the campus' lawn, cuffing some demonstrators with zip-ties and using what appeared to be pepper spray.

Speaking to The Washington Post, Laura Goldblatt, an assistant professor of English and global studies, said the protesting students were pushed to the ground as soon as the police moved in. She said the students were "sprayed with a chemical irritant" and forcibly pulled by their arms.Our concern since this began has been the safety of our students. Students are not safe right now," Goldblatt said.In a statement, the University of Virginia said the Virginia State Police were asked to help with enforcement as the tents and canopies erected by the protesters were "prohibited under school policy" and were asked to remove them.University of Virginia president James E. Ryan said the protesters "complied with requests to adhere to university policies, including a long-standing prohibition on erecting tents absent a permit" until Friday evening.But on Saturday morning, when the University Police Department "offered a final warning to the protesters, reminding them once again of their University policy violations and pleading for a peaceful resolution. That request was ignored", he said in a letter to the student community.When the department's "attempts to resolve the situation were met with physical confrontation and attempted assault, it became necessary to rely on assistance from the Virginia State Police", Ryan noted."The police declared an unlawful assembly, issued no trespass orders to those who refused to disperse, and arrested those who continued to refuse dispersal," he added.Besides the arrests at the University of Virginia, dozens of people were taken into custody for criminal trespass outside the Art Institute of Chicago at a demonstration, reports Reuters news agency.The arrests occurred after the institute called in police to remove protesters it said were illegally occupying its property, according to the Chicago Police Department.Meanwhile, at Ann Arbor, pro-Palestinian protesters briefly disrupted a commencement ceremony at the University of Michigan.

NEWS BOX

Faf du Plessis's GT blitz praised by Watson: He wanted to do this for RCB all season

Shane Watson heaped praise on Faf du Plessis after his knock against GT in Bengaluru. Du Plessis scored 64 off just 23 balls and set up the win for RCB.

Bengaluru Shane Watson praised Faf du Plessis for his whirlwind knock against GT and said that the RCB skipper wanted to play such a knock for his side this season. Du Plessis hit a 23-ball 64 to set the platform for RCB's win on May 4. The RCB skipper got to his fifty in 18 balls, the second-fastest from his side for the franchise.

Du Plessis' knock helped RCB get the win in the end, despite a small collapse. Speaking to JioCinema, Watson said that it was excellent batting from the RCB skipper and he got the pace and bounce of the wicket very quickly. The former all-rounder said that when Du Plessis is in such a mood, the margin for the bowlers is very low.Watson said that Du Plessis was determined to put the foot down for his side against GT, as evident from his landmark fifty.

"Certainly was. Excellent batting. He played these beautiful shots. He got the pace and bounce of the wicket so quickly. And when

Faf is in this type of mood, he has access all around the ground. So, the room for error for the bowlers is so small. He has been wanting to do this all season for RCB. He has got off to a start in a couple of innings but hasn't been able to go through the innings like he did tonight."And now, 18-ball 50 he got. The second fastest for RCB, that showed how Faf put his foot down tonight. His team needed that kick along in the powerplay," said Du Plessis.

How well has Du Plessis performed this season in IPL 2024?

Compared to his fantastic 2023 campaign, Du Plessis has had a lacklustre time in IPL 2024. The RCB skipper had scored 730 runs in 14 matches last season and has only 352 to his name this time around. The knock against GT was Du Plssis' third fifty of the campaign.He is now the second-highest run-getter for RCB this season, behind Virat Kohli. RCB will need to win all their remaining matches to keep their playoff hopes alive.

Green revolution: Meet the next generation of Indian pitches

Chelsea manager Mauricio Pochettino has slammed the "stupid rumours" swirling around his Stamford Bridge future and said it is up to the Premier League club's hierarchy to decide if he will continue beyond this season.

CHENNAI. Toss. Weather. Conditions. Pitch. Dew. Outfield.These are just some of the factors that have a significant say in the way a team approaches a match, irrespective of the format.Among the above, pitch takes prominence for how it behaves could dictate the pace at which play progresses. While cricket is still scratching the surface when it comes to data, significant technological advancements have been made in many other aspects, including the pitch.

Whether it is drop-in or conventional, there are different types of pitches based on the soil used, and so on. Over the past decade or so, hybrid pitches, too, have come into practice, especially for the white-ball format.

SISGrass, a UK-based synthetic turf manufacturer, has been a pioneer in the field — not just in cricket but also in football, rugby and hockey. With over 650 hybrid pitches installed across the globe, including Dubai, where conditions are vastly different from England.And now, joining hands with Himachal Pradesh Cricket Association (HPCA), they have installed four hybrid pitches on the square of the scenic venue at the foothills of the Dhauladhar Range and two pitches in the nets outside. While they are used just for practice at the moment, it is the first time a venue in the country has installed hybrid pitches.Now, what is a hybrid pitch and how is it different from a conventional surface? Paul Taylor, former England cricketer and International Sales Director, Cricket at SIS Grass, explains."There are different kinds of hybrid pitches. There is an artificial hybrid, a concrete base with a carpet on top and then a soil profile on top of that. There's a carpeted hybrid, which is a synthetic carpet. It's then filled with soil, and then grass grows within that soil. Then there's the stitched hybrid, which is what we do. It takes your existing natural turf pitch and we inject synthetic fibres into that surface. And the stitching is at 20*20m centres. It covers the whole pitch,

and it extends beyond the stump lines by about a metre to make sure that the back foot contact for the bowlers is part of the system. The fundamental thing that is different about our pitch, is that it's still 95 percent a natural turf surface. There's only 5 percent of fibre injected into it," Taylor tells this daily.

"The stitching goes to a depth of 90mm but we can stitch deeper. In cricket, we only stitch to 90mm because that's all that's really needed. The fibre that we use is a polyethylene monofilament fibre. It's the latest technology in terms of how that's made. It's resilient and durable. It enhances performance. It doesn't fade in UV light and things like that. And it comes in different colours as well. We have a green fibre, a beige fibre, then a mixture of green and beige, so whatever the surface that we're stitching into, we can pick the suit," he adds.The 5 percent fibre is expected to keep the wear and tear in check; it also enables the grass to recover after a match. "The fibres help the grass plant to become stronger. There's a natural air space around the fibre when it's injected, obviously, water will go down. And all the nutrients that are put onto cricket squares will also get down to the root. So the grass is a lot stronger, a lot more durable. You get up to three times the amount of cricket on one pitch that you would ordinarily get with a fully natural surface," says Taylor.However, when it comes to pitches, it is never one size fits all. The conditions in England, where SIS Grass began working in 2017, is very different from India, a country where different states will have different climatic conditions throughout the year. This is where the other factors like soil content and clay content come into play. "It is different in different places. However, we have installed it in Australia, New Zealand, Dubai and so on. One of the things we noticed when we installed the pitches in the UK is that the moisture content within the soil profile needed to be about 40% to allow the injecting needles to inject the fibres. In India, because the clay content is a lot higher

Real Madrid clinch record extending 36th LaLiga title after Girona thrash Barcelona

Real Madrid claimed a record-extending 36th LaLiga title on Saturday after Girona fought-back to beat Barcelona 4-2, a result that left Carlo Ancelotti's side with an unassailable lead in the standings.

New Delhi, Real Madrid claimed a record-extending 36th LaLiga title on Saturday after Girona fought-back to beat Barcelona 4-2, a result that left Carlo Ancelotti's side with an unassailable lead in the standings.Real Madrid, who have lost only once in the league this season, beat lowly Cadiz earlier on Saturday. They hold a 13-point advantage over second-placed Girona while Barcelona dropped to third with four matches remaining.Real now can turn their attention to a LaLiga-Champions League double as they get ready to host Bayern Munich in the semi-final return leg on Wednesday after snatching a 2-2 draw in Germany last week.It was an afternoon of celebration for Girona too as the win secured them a spot in Europe for the first time after they qualified for next season's Champions League.A brace from substitute Portu helped surprise package Girona to humble their Catalan rivals for the second time this season. Girona had also beaten Barca away in December by the same score.On Saturday Andreas Christiansen gave Barca the lead in the third minute before Girona hit back a minute later with LaLiga top-scorer Artem Dovbyk heading in the equaliser.Robert Lewandowski put the visitors back in front from the penalty spot after Lamine Yamal was fouled inside the box just before the break and a wasteful Barca missed several chances to extend their lead early in the second half.owever, in the 65th minute, in his first action after coming off the bench, Portu netted the equaliser and Miguel Gutierrez scored from a rebound two minutes later to give Girona the lead. A stunning volley from Portu in the 74th minute secured the win.

"It's incredible to look at your shirt and experience this. There is nothing more beautiful than living this," an emotional Portu told DAZN with tears rolling down his face."I had a thorn in my side with this club. A few years ago, I experienced the other side, which was relegation and I felt very responsible because I played a lot. Today I made amends with the fans and I can smile again."If Barcelona end up finishing outside the top two, it will be a further blow to the club which is facing mounting financial problems related to their massive wage bill, a 1.2 billion euro debt and a 1.6 billion euro Camp Nou stadium renovation project.

The champions and runners-up of the Copa del Rey and LaLiga contest the lucrative Spanish Super Cup in Saudi Arabia, with the winner bagging a potential 6.6 million euros. With four matches remaining, Barca now rely on Girona slipping up if they are to have any chance of contesting the Super Cup.

From Bengaluru to Lucknow: KL Rahul's shockingly funny transformation

Lucnow LSG captain KL Rahul might be a Bengaluru boy but seems to be adjusting to Lucknow very well in the Indian Premier League's 2024 season. The skipper, in a latest LSG video was seen trying to speak in the famed Lucknow dialect ahead of their match vs KKR on Sunday, 5 May. From using the famous Lucknowi 'Bhak' and 'badtameezi mat kariye aaap humse,' KL Rahul sounded proficient and funny in the well-known Lucknowi idioms.The hilarious video was uploaded by LSG on their social media channels, which they claimed was an unmissable won. KL Rahul can be seen trying to be at his dismissive best in the video. Known to be polite and shy outside of cricket, this was certainly something new for the Karnataka batter. The video in fact has gone viral over Instagram and Twitter. Just on Instagram alone, the video had nearly 500k likes and more than 60k shares on Sunday morning.

PL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full ScheduleLSG

are set to meet KKR on Sunday, May 5 in IPL 2024. LSG will be fighting KKR for a spot in the top two positionin the Indian Premier League. Both LSG and KKR have played 10 matches and are separated by only 2 points. If LSG win by a big margin, there are chances that they replace KKR at the second spot in the league table.

KL Rahul would be hoping to continue his aggressive form and would want a little more contribution from the rest of the team. LSG won their last match against MI at home and will back Marcus Stoinis and KL Rahul to deliver once again.

LSG, RR, KKR, SRH and CSK are currently the top contenders for the playoffs spot in the Indian Premier League 2024 season.

Madrid Open: Iga Swiatek gets her revenge, beats Aryna Sabalenka in marathon final

New Delhi. Iga Swiatek won the women's singles title in the Madrid Open 2024 after beating Aryna Sabalenka in a humdinger of a final on Saturday. After over 3 years, Swiatek won the match 7-5, 4-6, 7-6 (9-7) at Manolo Santana. The Pole also avenged her defeat to Sabalenka last year when she lost in another 3-setter.The 25-year-old Sabalenka had the chance to equal Petra Kvitova's tally of 3 Madrid Open titles, but Swiatek did not let that happen. Swiatek also extended her lead to 7-3 against Sabalenka on the WTA level. It also happened to be Swiatek's 20th title in the WTA.The opening set turned out to be an absolute thriller as both players earned a break apiece to make it 5-5. But then, Swiatek broke Sabalenka's serve to take the

opening set. Sabalenka had a decent first serve, but a winning percentage of only 30.8 from her second serves let her down.The excitement did not go down even in the second set. Sabalenka went 3-1 up with a break of serve after which Swiatek stormed back into the match. This time around, the Belarusian star held her nerve to take the match into the deciding third set.

Swiatek with the last laugh

In the decider, both players were just not willing to throw in the towel. Swiatek and Sabalenka converted a break point apiece to make it 5-5. In the next game, Sabalenka fetched herself 2 championship points, but Swiatek saved both of them and took the contest into a tie-breaker.

t was also the first tie-breaker between them in 10 meetings. This time, Swiatek had a championship point at 6-5, but Sabalenka did not give up the ghost. Sabalenka failed to convert a third championship point as the match kept the audience at the edge of their seats.But at 8-7, Swiatek converted her second championship point as the curtains came down on the cliffhanger in Madrid.

Never say die: Sunil Gavaskar praises Mohammed Siraj for heroic spell vs GT

Bengaluru Sunil Gavaskar heaped praise on Mohammed Siraj after the fast bowler produced a match-winning spell for RCB in their IPL 2024 match on Saturday, May 4 at the M Chinnaswamy Stadium in Bengaluru. Siraj got the prized wickets of Wriddhiman Saha and Shubman Gill to finish with figures of 4-0-29-2. After the speedster removed both openers, GT could hardly recover and were bowled out for 147.Thereafter, the Challengers chased down the target with 38 balls to spare and won the match by 4 wickets. Lauding Siraj, Gavaskar recalled the times when the pacer played in the Test series against Australia back in 2020-21 despite his father passing away."He realised that playing for India was important. Also, he was not established at the stage. An established player would 100 percent have gone back.

When you are not established and you are looking to get your place in the team, you stick around," Gavaskar told Star Sports.

IPL 2024, RCB vs GT: Match Report | Full Scorecard'Siraj's strength is self belief'

Gavaskar also praised Siraj for dismissing Steve Smith in the historic Gabba Test when the Australian batter was batting on 55 in the second innings.

"And look how spectacularly he bowled in that Gabba Test match, getting somebody like a Steve Smith out when he was batting on 55. Dismissing Smith when he has come in to bat is one thing and to get him out when he was set is another. This is the strength of Siraj, the self-belief and never-say-die attitude," Gavaskar added.

After RCB beat GT, Siraj said that he wasn't on top of his health as he was sick. However, he motivated himself to get up and take the field. After winning the Player of the Match award, Siraj also helped RCB stay alive in the competition. RCB jumped to seventh in the table with 8 points and a net run rate of -0.049 thanks to wins in 4 out of 11 matches.

GT were not losing 'crucial moments' in last 2 years: David Miller

☛IPL 2024: GT batter David Miller feels that the team has lost crucial moments in the ongoing season of the tournament, something that did not happen in the last two years. Under Shubman Gill's captaincy, GT have lost 7 out of 11 matches.

Bengaluru GT are sitting at the 9th position in the Indian Premier League after their loss against RCB on Saturday, 4 May. It has been a hapless season for the Shubman Gill side who have lost 7 out of their first 11 matches. GT batter David Miller feels that the team has lost crucial moments throughout the tournament, something that did not happen in the last two years of their campaign. In 2022 and 2023, GT reached the final of the tournament, winning one of them - in their debut season.Speaking at the press conference after the match, Miller said that the side had lost several close games and if they had won those, they could have been in the top half of the table. On the day, against RCB, both GT batting and bowling departments failed in the powerplay, resulting in a 4-wicket loss vs Faf du Plessis' side."I think it's a tough one because, um you know this game of cricket where margins are so small and there are certain games that we potentially should have won that we did lose that. We're pretty close. And if you win those, you know, if we had one, those two games, things would have been, you know, very different would have been six from 11. Um, you know, now we are 4 from 11, so it kind of behind the eight ball," Miller said at the press conference."But I feel like the first two years we played, you know, like, we won crucial moments. And this year we've been we just haven't been able to win those crucial moments in the game and hence losing the close games," Miller further added.IPL 2024 Full Coverage | IPL 2024 Points Table and Standings | 2024 IPL Full

Schedule

Asked about GT's failure against RCB, Miller said that they were not going to win many games by scoring 150 runs, but the batter was proud of the fightback that the team showed in Bengaluru. GT after getting hammered for 90 runs in the first 6 overs, managed to pick up 6 wickets in the next 5 overs to put the side under pressure. But the Shubman Gill side just did not have enough runs on the board to defend.

"To be honest, we lost the game, I feel like in the powerplay, batting and bowling. Look, I mean, we were a couple of wickets down for not too many runs while batting, and then bowling. They were on about 90 after 6 overs. So it was tough to, you know, you're not gonna really win too many games like that, by scoring 150," Miller said."I think taking the positive out of this game, I thought the fight was incredible. You know, being the position that we were with the bat managing to get to 140-150 is, you know, something on the board, and then for them to be what they were in the powerplay, extraordinary powerplay. We had to fight back. The way that we did was really good to see," concluded the middle-order batter.

Vaani Kapoor

Is Part Of Aparshakti Khurrana And Paresh Rawal's Badtameez Gill

Chandigarh Kare Aashiqui fame Vaani Kapoor is soon going to star in a coming-of-age drama titled Badtameez Gill. The actress would play the titular role in the film, which is being directed by Navjot Gulati. Vaani made her Bollywood debut with the film Shuddh Desi Romance, opposite the late actor Sushant Singh Rajput, and since then has been cast in a number of critically acclaimed projects. The upcoming project aims to entertain the audience with light humour and a gripping storyline.As per a report by Variety, along with Vaani Kapoor, the film also stars Aparshakti Khurrana and Paresh Rawal. Aparshakti plays the brother of the Vaani character in the film, while Paresh Rawal will be playing her father. The film is set across Bareilly, northern India, and London, and the shoot is expected to start this week. The film is being produced by Nicky Vicky Bhagnani Films, Saga films Ltd and Vinay Aggarwal.Speaking about the casting of Vaani in the film, the producers Nickky and Viicky Bhagnani told Variety: "Vaani was the first and only choice, and she is perfect for the part in every way. Vaani will showcase a totally different side to her acting in our film that has its heart in the right place." They added that the team needed a beautiful, confident girl who "can be a riot" for her family and friends, and Vaani had those characteristics in real life.

Meanwhile, Vaani Kapoor most recently appeared in Ranbir Kapoor's film Shamshera, which was released in 2022. The actress will shortly appear alongside Ajay Devgn in Raid 2. Rajkumar Gupta is directing the film, which is scheduled to be released on November 15, 2024. She also had the comedy film Khel Khel Mein lined up for release this year. The film also stars Akshay Kumar, Taapsee Pannu, Ammy Virk, Aditya Seal, Pragya Jaiswal, and Fardeen Khan in pivotal roles.Aparshakti Khurana will soon be seen in Shraddha Kapoor's Stree 2. The film produced by Dinesh Vijan and stars Rajkummar Rao, Pankaj Tripathi and Abhishek Banerjee, is now being filmed. Paresh Rawal, on the other hand, will appear in three back-to-back comic franchises. The actor will appear in Hera Pheri 3 alongside Akshay Kumar and Suniel Shetty. He also has Awara Pagal Deewana 2 and Welcome to the Jungle in the pipeline.

Bharti Singh Admitted To Hospital For Gallbladder Surgery, Gets Emotional in New Video: 'Kaise Ho Gaya'

Comedian and TV host Bharti Singh revealed she's been admitted to the hospital. She shared a new vlog, shot from her hospital bed, to inform her fans that she was taken to the hospital after she experienced pain in her abdomen. While at first she brushed it aside assuming it was a gastric problem, she decided to go to the hospital because the pain did not subside. Bharti added that the tests have shown stones in her gallbladder and the doctors are working on the needed treatment.

While Bharti kept a strong front during the day, at night, she got vulnerable and wondered how did it all happen. She also missed her son, Gola, and broke down. She shared he was looking for her throughout the house and she was worried for him. She hoped this would end soon and she would reunite with her son. The video also featured glimpses of Haarsh, who looked worried. Watch the video below:

Bharti's hospitalisation has happened just a few days after she opened up about toxic work culture in the TV industry. Speaking on their podcast, Haarsh shared actors would function on minimum hours of sleep and would stay on sets more than 15 hours of sleep. "I've seen directors and creatives suffer heart attacks and health issues due to sleep deprivation. People would drink tea, smoke, eat only set food, and suffer from acidity, but wouldn't be able to control it," he said.Bharti added, "I've even seen girls working with drips on daily soaps. They were not allowed to go home as the shot was not telecast by then." Harsh then also revealed how director one cared about their perfect shot on camera and did not care about the actors going through 'life and death situation'.

South Actor Jayaram's Daughter Malavika Jayaram Ties The Knot; See Pics

Jayaram is one of the most prominent actors in Malayalam and Tamil cinema and has cemented his position with many successful films. Amidst a successful innings in the cinema, the veteran actor has been immersed in the wedding festivities of his children. Jayaram and his wife and actress Parvathy Jayaram's daughter Malavika Jayaram got married to a United Kingdom-based charted accountant Navaneeth Gireesh. Malavika is a researcher. As per the reports, the wedding was a close-knit affair and only some friends participated in it. The wedding took place at Guruvayur Temple, Kerala with all the traditional customs and rituals. Reportedly, Navaneeth originally hails from Palakkad, Kerala.

The engagement video of Malavika had also gone viral on social media. Photos and videos from the engagement ceremony, which is believed to have taken place on December 8, have surfaced online. In these clips, actor Kalidas Jayaram is seen escorting his sister, Malavika, to the stage, holding her hands. Another video captures the ring ceremony, where Malavika and her fiance perform the rituals on the stage. Malavika looked the prettiest as she draped herself in an ivory-hued lehenga. The lehenga featured intricate red small embroidery work all over. The choli was three-quarter sleeved and had red prints all over. Malavika paired her lehenga with a sheer dupatta that had a red-green leafy design embroidered on it.

With a statement neckpiece, colour-coordinated earrings, and a mang teeka, makeup, including soft smokey eyeshadow, nude lipstick, a bindi, and a gajra-adorned bun, Malavika finalised her look. In a clip that made rounds online, we can see the 28-year-old researcher and Navaneeth exchanging rings. Talking about the charted accountant's look, he opted for an ivory-hued silk kurta, which he teamed with a matching Kasavu dhoti. In the clip, we can see the duo beaming with love and laughter as they put rings on each other's fingers.Malavika had previously announced her relationship with Navaneeth through an Instagram post. The couple had also been spotted together during the engagement ceremony of Kalidas with model Tarini Kalingarayar. They were also clicked during the wedding ceremony of the Indian 2 actor.

Kajal Aggarwal's

Son Neil Is An Absolute Bundle Of Joy As He Smiles For The Paps At Airport; Watch

Actress Kajal Aggarwal's baby boy, Neil, was recently spotted at the airport. The little munchkin was all smiles when the paparazzi spotted him. The mother-son duo walked hand-in-hand as they walked across the terminal. A video of them has now gone viral on Instagram.Kajol kept it cool and comfy and wore a wore a striped green kurta. She sported short hair and completed her look with shell frames and a sling bag. Neil, on the other hand, looked in a blue T-shirt with printed pyjamas.

Back in 2022, Kajal and her husband, Gautam Kitchlu, welcomed their first child, Neil Kitchlu. The couple has been busy with parental duties ever since.Earlier this year, Kajal Aggarwal went on a vacation with her husband and son to Switzerland, and the little family seemed to have a blast in the highlands. Kajal had uploaded some lovely photos of the trio enjoying fun activities in the icy setting. Kajal Aggarwal was seen enjoying quality time with her child and spouse while dressed warmly and comfortably for the winter. One photo shows the couple's darling son, Neil, seated in the driver's seat with a cute cap on his head.In another set of photos shared by Kajal Aggarwal, she is seen enjoying the view while holding her child's finger. The duo's picture exudes genuine bliss and is a pleasure to witness. The family was seen dressed in winter coats and headgear.

Meanwhile, on the work front, Kajal Aggarwal continues to impress the audience. After an enthralling performance in the Telugu action movie Bhagavanth Kesari with Nandamuri Balakrishna, she ventured into the Tamil horror genre with Karungaapiyam, co-starring Regina Cassandra, Janani Iyer, and Aadhav Kannadasan. Next, Kajal will join the star-studded cast of Indian 2, one of Tamil cinema's most anticipated blockbusters. The long-awaited reunion of renowned actor Kamal Haasan and filmmaker S. Shankar heralds a compelling social thriller set to be released in 2024.Aside from that, fans are eager to see her role as a stern cop in the film Satyabhama. The film will be an exciting addition to Kajal's diverse film career. Akhil Degala directs this thrilling story, which is brought to life by composer Sri Charan Pakala, producers Bobby Tikka, and Srinivas Rao Takkalapelly under the Aurum Arts banner.